श्रवाण माह, कृष्ण पक्ष, 21 वर्ष, अंक 184 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | शनिवार 30 जुलाई 2022 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

राष्ट्रपत्नी बयान पर शुक्रवार को भी संसद के दोनों सदनों में भाजपा ने किया हंगामा, निलंबित सांसदों का धरना खत्म

'अधीर बयान': सोनिया पर छिड़ा घमासान

हंगामे के बीच केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने मंत्रिमंडल में अपने साथी डॉ. महेंद्र मुंजपारा और जॉन बारला के साथ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की

नई दिल्लीः राष्ट्रपत्नी बयान पर शुक्रवार को भी संसद के दोनों सदनों में भाजपा ने हंगामा किया। भाजपा सांसद कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से माफी की मांग पर अड़े रहे। इसके बाद दोनों सदन सोमवार तक के लिए स्थगित कर दिए गए। गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से अलग-अलग मुलाकात की। संसद में हंगामे को लेकर निलंबित 27 सांसदों का धरना भी शुक्रवार को खत्म हो गया। ये बुधवार से गांधीजी की प्रतिमा के सामने बैठे थे। धरना खत्म होने पर संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा- सांसद प्रदर्शन के नाम पर पार्टी कर रहे थे। गांधीजी की प्रतिमा के नीचे बैठकर चिकन खाया जा रहा था।

राष्ट्रपति से मिलीं स्मृति, अधीर को अभी समय नहीं मिलाः राष्ट्रपति पर विवादित बयान पर मचे हंगामे के बीच केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने मंत्रिमंडल में अपने साथी डॉ. महेंद्र मुंजपारा और जॉन बारला के साथ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। स्मृति ने इसे सौहार्द भेंट बताया है। वहीं, विवादित बयान देने वाले कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने भी गुरुवार को राष्ट्रपति से मिलने का समय मांगा था। अधीर ने कहा था- राष्ट्रपति से मिलकर माफी मांगूंगा, पार्खंडियों से नहीं। सूत्रों के अनुसार अब तक उन्हें समय नहीं दिया गया है।

सांसदों ने मच्छर को मुद्दा बनाकर सरकार को घेरने की कोशिश कीः बुधवार से धरने पर बैठे सांसदों ने मच्छर को मुद्दा बनाकर सरकार को घेरने की कोशिश की। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने ट्वीट किया- संसद परिसर में मच्छर हैं, लेकिन विपक्षी सांसद डरते नहीं हैं। संसद में भारतीयों का ब्लड बचाइए। मच्छर से परेशान सांसदों ने क्वाइल जलाकर रात गुजारी थी, जबकि गुरुवार रात वे मच्छरदानी लगाकर सोए।

'गांधी प्रतिमा के पास धरना दे रहे सांसद चिकन तंदूरी और मछली खा रहेः धरने पर बैठे सांसदों के फूड मेन्यू को लेकर भाजपा ने सवाल उठाया है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनेवाला ने कहा, 'गांधी प्रतिमा के पास धरना दे रहे सांसद चिकन तंदूरी और मछली खा रहे हैं। क्या ये प्रोटेस्ट है? मुझे लग रहा है सांसद पिकनिक मना रहे हैं।'

राज्यसभा के 23 और लोकसभा के 4 सासंद सस्पेंड हैंः चर्चा की मांग को लेकर हंगामा कर रहे 27 सांसदों को सस्पेंड कर दिया गया। राज्यसभा से 27 और लोकसभा से 4 सांसद हैं। राज्यसभा के सांसदों पर आरोप है कि उन्होंने पीठासीन उप सभापति के ऊपर कागज फेंके। सांसदों को लेकर संसदीय कार्यमंत्री ने कहा- माफी मांग लें तो उनका निलंबन खत्म हो सकता है।

गांधी प्रतिमा के सामने निलंबित सांसदों ने खाया चिकन

नई दिल्लीः संसद में हंगामा करने के आरोपों पर एक हफ्ते के लिए सदन से निलंबित सांसद 50 घंटे के प्रदर्शन पर बैठे हैं। विपक्ष के इन 20 सांसदों ने गांधी प्रतिमा के सामने अड्डा जमाया। इस सांसदों ने बुधवार को अपना प्रदर्शन शुरू किया था।

इन के लिए सारी व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी विपक्षी पार्टियों ने संभाली है। इसे लेकर बीजेपी नेता शहजाद पूनावाला ने निशाना साधा है। साथ ही उन्होंने पूछा है कि ये विरोध चल रहा है या तमाशा?

शहजाद पूनावाला ने साधा निशानाः भारतीय जनता पार्टी के नेता शहजाद पूनावाला ने गुरुवार को कहा कि रिपोर्ट्स के मुताबिक, संसद में गांधी प्रतिमा के सामने प्रदर्शन कर रहे कुछ निलंबित सांसदों ने 'तंदूरी चिकन' खाया है। सभी जानते हैं कि गांधी जी के जानवरों के वध पर कट्टर विचार थे। कई लोग यह भी पूछ रहे हैं कि यह विरोध चल रहा है या सभी सांसद तमाशा कर रहे हैं और पिकनिक मना रहे हैं।

क्या है मामलाः दरअसल विपक्षी पार्टियों के 20 सासंदों को सदन की कार्यवाही में बाधा डालने के आरोप में एक सप्ताह के लिए निलंबित कर दिया गया था। निलंबित विपक्षी सदस्य अपने निलंबन के खिलाफ बुधवार से 50 घंटे का धरने पर बैठे हैं।

गुजरात में धड़ल्ले से हो रहा है नशे का कारोबारः राहुल

नई दिल्लीः कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने गुजरात में जहरीली शराब पीने से हुई मौतों को लेकर राज्य की भाजपा सरकार पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि गुजरात में धड़ल्ले से नशे का कारोबार जारी है। जिसके चलते कई घर उजड़ चुके हैं। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शुक्रवार को ट्वीट कर कहा कि गुजरात में जहरीली शराब पीने से कई घर उजड़ गए हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि जब गुजरात ड्राई स्टेट है तो वहां शराब कैसे बिक रही है? उन्होंने कहा कि कुछ समय पहले गुजरात में भारी मात्रा में ड्रग्स भी बरामद हुई थी। यह बेहद चिंता की बात है कि बापू और सरदार पटेल की धरती पर नशे का कारोबार हो रहा है। उल्लेखनीय है कि गुजरात में जहरीली शराब पीने से लगभग 40 लोगों के मौत का मामला सामने आया है। कांग्रेस की ओर आज सुबह गुजरात में जहरीली शराब पीने से हुई मौतों के न्यायिक जांच की मांग की गई है। पार्टी प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा कि इस मुद्दे की जांच हाईकोर्ट के सिटिंग जज की निगरानी में होनी चाहिए।

सिख गुरुओं ने देश व धर्म के लिए बलिदान दियाः मुख्यमंत्री योगी

लखनऊः उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्री गुरू तेग बहादुर जी के प्रकाश उत्सव कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सिख गुरूओं ने देश व धर्म के लिए बलिदान दिया। गुरू गोविन्द सिंह के दोनों शाहबजादे काल की क्रूरता के समाने भी अपने मार्ग से विचलित नहीं हुए और देश के लिए अपने को बलिदान किया। मुख्यमंत्री ने राजभवन में आयोजित श्री गुरू तेग बहादुर जी के 400वें प्रकाश उत्सव कार्यक्रम में कहा कि

विगत वर्ष प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वीर बाल दिवस को पूरे देश में मान्यता दी। सिख गुरूओं के इतिहास से भारत की वर्तमान पीढ़ी को प्रेरणा लेनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इतिहास को विस्मृत कर- के हम आगे नहीं बढ़ सकते। इतिहास के गौरवशाली क्षण हमें आगे बढ़ने में प्रेरणा देने का काम करते हैं। इसलिए इतिहास की गलतियों का परिमार्जन करना होगा।

योगी ने कहा कि काशी विश्वनाथ मंदिर को स्वर्ण मंदिर युक्त करने का काम महाराजा रणजीत सिंह ने किया। एक विचारधारा वह थी जिसने काशी विश्वनाथ मंदिर को विध्वंस करने का काम किया था।

'भारत के युवाओं को दुनिया उम्मीद की नजर से देख रही'

चेन्नईः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने युवाओं को ग्रोथ इंजन की संज्ञा देते हुए कहा कि भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया भारत के युवाओं को उम्मीद की नजर से देख रही है। उन्होंने कहा कि आप देश के विकास इंजन हैं और भारत दुनिया का विकास इंजन है। प्रधानमंत्री ने कोरोना महामारी के खिलाफ भारत की सफलता का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत आज बाधाओं को अवसरों में बदलकर कई क्षेत्रों में सबसे आगे है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार की गति में भारत की स्थिति अब तक के सबसे अच्छे स्तर पर है। भारत दुनिया भर में आपूर्ति श्रृंखला में एक अहम कड़ी बन चुका है।

प्रधानमंत्री मोदी शुक्रवार को चेन्नई में अन्ना विश्वविद्यालय के 42वें दीक्षांत समारोह में 69 स्वर्ण पदक विजेताओं को स्वर्ण पदक और प्रमाणपत्र प्रदान करने के बाद संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि, मुख्यमंत्री एम के स्टालिन, केंद्रीय मंत्री एल मुरुगन भी उपस्थित थे। सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने छात्रों को डिग्री मिलने पर बधाई देते हुए कहा कि वह कामना करते हैं कि हमारे युवाओं के सभी सपने सच हों। उन्होंने कहा कि आप अपने दिमाग में पहले से ही अपने भविष्य की रूपरेखा बना चुके होंगे। इसलिए आज का दिन न केवल उपलब्धियों का बल्कि आकांक्षाओं का भी है। प्रधानमंत्री ने भारत के युवाओं की संभावनाओं के बारे में स्वामी विवेकानंद के शब्दों को याद किया। प्रधानमंत्री ने कहा की कि पूरी दुनिया भारत के युवाओं को आशा के साथ देख रही है। क्योंकि आप देश के विकास इंजन हैं और भारत दुनिया का विकास इंजन है। प्रधानमंत्री ने अन्ना विश्वविद्यालय के साथ पूर्व राष्ट्रपति डॉ ए पी जे अब्दुल कलाम के जुड़ाव को भी याद किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनके विचार और मूल्य आपको हमेशा प्रेरित करते रहें। प्रधानमंत्री ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) की युवाओं को निर्णय लेने का अवसर प्रदार करती है।

4 करोड़ से ज्यादा आईटीआर फाइल, 31 जुलाई रिटर्न दाखिल करने की डेडलाइन

नई दिल्लीः आयकर रिटर्न (आईटीआर) फाइल करने की आखिरी तारीख 31 जुलाई ही है। इस बीच सरकार ने साफ कर दिया है कि पिछले दो साल की तरह इस बार भी आईटीआर फाइल करने की डेडलाइन नहीं बढ़ने वाली है। इसके मद्देनजर आयकर विभाग ने करदाताओं से ट्वीट कर तय समय-सीमा तक रिटर्न दाखिल करने की अपील की है। 28 जुलाई तक 4 करोड़ से ज्यादा करदाताओं ने आईटीआर दाखिल किया है।

आयकर विभाग ने शुक्रवार को ट्वीट कर कहा कि आकलन वर्ष 2022-23 के लिए 28 जुलाई, 2022 तक 4.09 करोड़ आयकर रिटर्न दाखिल किए गए हैं। इसमें सिर्फ 28 जुलाई को 30 लाख से ज्यादा करदाताओं ने रिटर्न फाइल किया है। विभाग के मुताबिक 31 जुलाई आईटीआर फाइल करने की अंतिम तिथि है, जिन्होंने अपना रिटर्न अभी तक नहीं फाइल किया है, वे विलंब शुल्क से बचने के लिए जल्द से जल्द अपना रिटर्न दाखिल करें।

विभाग ने करदाताओं से अपील की है कि यदि अभी तक आपने आईटीआर दाखिल नहीं किया है, तो जाकर अंतिम समय-सीमा का इंतजार किए बगैर रिटर्न दाखिल करें।

आतंकी मॉड्यूल में संलिप्त आठ लोगों की कोर्ट में हुई पेशी

असमः असम की बारपेटा जिला पुलिस ने शुक्रवार को बारपेटा में अदालत के समक्ष आठ लोगों को पेश किया। आरोपियों को इस्लामिक आतंकी गतिविधियों में शामिल होने और एबीटी के साथ संबंधों के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत ने उन्हें नौ दिन की पुलिस हिरासत में भेजा है। बारपेटा के एसपी अमिताभ सिन्हा ने बताया कि 27-28 जुलाई की रात्री में बारपेटा के कई इलाकों में समन्वित छापेमारी की। हमने इस छापेमारी में 8 लोगों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार लोग

कट्टरपंथी प्रक्रिया में शामिल थे, जो अंसारुल्लाह बांग्ला टीम से संबंध रखते हैं। यह संगठन बांग्लादेश में गैरकानूनी करार दिया गया है। उन्होंने बताया कि इनसे पूछताछ में पता चला कि इनके द्वारा दो बांग्लादेशी नागरिकों को बारपेटा लाया गया। यह लोग कट्टरपंथी प्रक्रिया में शामिल थे जो भारत के राष्ट्रीय हित के लिए सही नहीं थे। छानबीन में पता चला है कि पकड़े गए दोनों बांग्लादेशी नागरिक त्रिपुरा और भोपाल भी गए थे।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- पिता की मौत के बाद मां को बच्चों का सरनेम बदलने का हक

मां बच्चों को दूसरे पति का सरनेम दे सकती है

नई दिल्लीः सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को सरनेम को लेकर दिया गया आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट एक फैसला रद्द कर दिया है। हाईकोर्ट के फैसले में महिला को निर्देश दिया गया था कि वह अपने नए पति का नाम रिकॉर्ड्स में बच्चे के सौतेले पिता के तौर पर दिखाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कोई भी मां बच्चे के बायोलॉजिकल पिता की मौत के बाद उसकी इकलौती लीगल और नैचुरल गार्जियन होती है। उसे अपने बच्चे का सरनेम तय करने का पूरा अधिकार है। अदालत ने कहा कि अगर वह दूसरी शादी करती है तो वह बच्चे को दूसरे पति का सरनेम भी दे

सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मां अपने बच्चे को दूसरे पति को गोद लेने का अधिकार भी दे सकती है। जस्टिस दिनेश माहेश्वरी और जस्टिस कृष्ण मुरारी की बेंच ने पहले के फैसलों का भी जिक्र किया, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने मां को पिता के समान ही बच्चे का नैचुरल गार्जियन बताया था।

आंध्र की अकेला ललिता को मिली राहतः सुप्रीम कोर्ट में यह केस आंध्र की अकेला ललिता ने दायर किया था। ललिता ने 2003 में कोंडा बालाजी से शादी की थी। मार्च 2006 में उनके बेटे के जन्म के तीन महीने बाद कोंडा की मौत हो गई। इसके बाद अकेला के सास-ससुर ने बच्चे का सरनेम बदलने पर विवाद खड़ा कर दिया।

सीएम बोम्मई ने प्रवीण हत्याकांड मामले की जांच एनआईए को सौंपी

बेंगलरूः कर्नाटक सरकार ने प्रवीण हत्याकांड मामले को एनआईए को सौंपने का फैसला किया है। दरअसल, भाजपा युवा मोर्चा कार्यकर्ता प्रवीण नेट्टारू की हत्या के बाद राज्य में बवाल मचा हुआ है। इसके बाद मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने मामले की एनआईए जांच कराने का फैसला किया है। इससे पहले दक्षिण कन्नड़ जिले में भाजपा युवा मोर्चा के जिला सचिव नेट्टारू की हत्या का मामले ने राज्य में बवाल मचा रखा है। नेट्टारू की बेल्लारे क्षेत्र में हत्या कर दी गई थी। हत्या के विरोध में आज बेल्लारे, पुत्तूर, सुल्या, कड़ाबा में बंद रखा गया था। हिंदू संगठनों ने हत्या में पीएफआई और एसडीपीआई का हाथ होने का शक जताया था। केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने आरोप लगाया था कि केरल सरकार पीएफआई और एसडीपीआई जैसे संगठनों को बढ़ावा दे रही है। वहीं, कर्नाटक में कांग्रेस इन्हें प्रोत्साहित कर रही है। हमारी राज्य सरकार इन्हें काबू में करेगी दोषियों पर कार्रवाई होगी। जोशी ने कहा था कि आरंभिक रिपोर्ट व कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि हत्या के पीछे पीएफआई व एसडीपीआई का हाथ है। एक रिपोर्ट में नेता भाजपा नेता नेट्टारू की हत्या का उदयपुर कनेक्शन होने का भी दावा किया जा रहा है।

खबर संक्षेप

बिजली महोत्सव का द्वितीय आयोजन आज

फूलपुर। आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत दिनांक 25 जुलाई, 2022 से 30 जुलाई 2022 तक देश के प्रत्येक जिले में ह्यह्यउज्ज्वल भारत-उज्ज्वल भविष्य, पावर/2047 ह्यह्यकार्यक्रम मनाया जा रहा है। इसी क्रम में आज प्रयागराज के मोती लाल नेहरू इंजीनियरिंग कॉलेज के बहुद्देशीय हाल में बिजली महोत्सव का द्वितीय कार्यक्रम आयोजित किया गया है। जानकारी देते हुए अधीक्षण अभियंता विद्युत ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भारत सरकार एवं राज्य सरकारों द्वारा आजादी से अब तक ऊर्जा एवं नवीनीकरण ऊर्जा के क्षेत्र में विकास एवं भविष्य में प्राप्त होने वाली विकास की संभावनाओं का प्रदर्शन किया जाना है।

युवक ने की आत्महत्या करने की कोशिश

फूलपुर। उतरांव थाना क्षेत्र के जलालपुर गांव में एक युवक ने अपने पिता से नाराज होकर कमरे के अंदर फांसी लगाकर जान देने का प्रयास किया तो परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। वहीं मौके पर पहुंची पुलिस उसे थाने उठा लाई। जलालपुर गांव निवासी जगत बहादुर यादव का अपने बेटे से विवाद चल रहा है। देर शाम बाप बेटे में कहासुनी हुई तो बेटा कमरे में जाकर फांसी के फंदे पर लटक गया। आनन -फानन में आसपास के लोगों ने किसी तरह उसे नीचे उतारकर उसकी जान बचाई। सूचना पर पहुंची पुलिस युवक को पकड़कर थाने ले आई।

स्मार्ट सिटी : जल्द ही शहर के इंट्री प्वाइंट पर लगाए जायेंगे 600 सीसीटीवी कैमरे

बाहर से आने वाले वाहनों पर रखी जा सकेगी नजर 2025 आगामी कुंभ को देखते हुए की जा रही तैयारी

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। संगम नगरी प्रयागराज में स्मार्ट सिटी के तहत जल्द ही शहर के इंट्री प्वाइंट पर 600 सीसीटीवी कैमरे लगाए जायेंगे। यह कैमरे शहर के बाहरी हिस्से में लगाए जाएंगे ताकि शहर के इंट्री प्वाइंट को पूरी तरह कैमरे की निगरानी में रखा जा सके। शहर की इंट्री प्वाइंट पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने से बाहर से आने वाले वाहनों पर नजर रखी जा सकेगी। खास तौर पर यह तैयारी जनवरी 2025 में आयोजित होने वाले वाले कुंभ मेले के मद्देनजर की जा रही है। स्मार्ट सिटी के तहत अब तक शहर भर में लगभग 1200 कैमरे लगाए गए हैं। लेकिन 600 नए कैमरे लगाए जाने के बाद ट्रैफिक पुलिस को जहां ट्रैफिक मैनेजमेंट में मदद मिलेगी। वहीं अपराधिक घटनाओं पर भी लगाम लगाने में पुलिस को सहूलियत मिलेगी। आईजी प्रयागराज रेंज डॉ राकेश कुमार सिंह के मुताबिक शहर के इंट्री प्वाइंट पर 600 अतिरिक्त कैमरे लगाए जाने के बाद लगभग पूरा शहर थर्ड आई की नजर में होगा। आईजी के मुताबिक 600 नए कैमरे लगाने का प्रस्ताव भेज दिया गया है। जल्द ही टेंडर होने के बाद शहर के इंट्री प्वाइंट फाफामऊ, झूंसी और नैनी इलाकों में यह कैमरे लगाए जाएंगे। उनके मुताबिक इन कैमरों के लगने से कुंभ मेले के दौरान भी क्राउड मैनेजमेंट और ट्रैफिक मैनेजमेंट में काफी मदद मिलेगी।गौरतलब है कि संगम नगरी प्रयागराज स्मार्ट सिटी में शामिल है। शहर को स्मार्ट बनाने के लिए अब तक 4 साल में 529 करोड़ रुपए खर्च हो गए हैं। 2014 में केंद्र की भाजपा सरकार बनने के बाद 24 जून 2017 को तीसरे चरण में प्रयागराज शहर का चयन स्मार्ट सिटी के लिए किया गया था। इसके बाद 2019 के दिव्य और भव्य को लेकर शहर को सजाने की तैयारी शुरू हुई। बीते 4 सालों में जहां 30 सड़कों को स्मार्ट किया गया है। वहीं चार नये फ्लाईओवर और 8 अंडरपास बनाए गए हैं। इसके साथ साथ ही शहर में लगभग 1200 सौ सीसी टीवी कैमरे और बड़ी संख्या में पब्लिक ऐड्रेस सिस्टम लगाए गए हैं। लेकिन अब 2025 के कुंभ की तैयारियों के मद्देनजर शहर के इंट्री प्वाइंट पर सीसीटीवी कैमरों की संख्या बढ़ाए जाने की तैयारी की जा रही है।

केन्द्रीय मंत्री का स्वागत करते पार्टी कार्यकर्ता व पदाधिकारी

शिवराजपुर में केंद्रीय मंत्री महेंद्रनाथ का किया गया जोरदार स्वागत

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़। चंदौली से सांसद और भारी उद्योग मंत्री महेंद्र नाथ पांडेय का शुक्रवार को शिवराजपुर में जोरदार स्वागत किया गया। भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने केंद्रीय मंत्री को फूल -माला से लाद दिया और स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व केंद्रीय मंत्री चित्रकूट में आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने के लिए जा रहे थे। तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के लिए जाते हुए शिवराजपुर चौराहे पर महेंद्रनाथ पांडेय का भाजपाइयों के द्वारा अंग वस्त्र व स्मृति चिन्ह प्रदान कर स्वागत किया गया। नामित सभासद सुधा गुप्ता के द्वारा नगर पंचायत शंकरगढ़ की समस्याओं से संबंधित एक ज्ञापन सौंपा गया, साथ ही भारतीय जनता पार्टी के जिला कोषाध्यक्ष अनूप केशरवानी के द्वारा शंकरगढ़ क्षेत्र में गिट्टी व सिलिका सैंड का कार्य शुरू करवाने और इससे जुड़े रोजगार से संबंधित समस्याओं के निराकरण के लिए निवेदन किया गया। स्वागत करने वालों में शिवराम सिंह परिहार जिला मंत्री, अनूप केशरवानी जिला कोषाध्यक्ष, गुड्डा मिश्र पूर्व प्रधान, ज्ञानेंद्र मिश्र प्रधान, सुजीत कुमार केसरवानी वरिष्ठ सभासद, सुजीत केसरवानी विश्व हिंदू परिषद, जुगुल मिश्र, रंगीले, नितेश केसरवानी, राम मिश्र, करुणापति त्रिपाठी, पुत्तीलाल मिश्र, बबलू मिश्रा, डबलू मिश्र आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

न्यूज झरोखा

राज्य स्तरीय यूपी प्रीमियर लीग क्रिकेट टूनार्मेंट के अध्यक्ष बने रोहित पांडेय

कोरांव। कोरांव विधानसभा अंतर्गत डिघलो लालतारा निवासी रोहित पांडेय को यू पी प्रीमियर लीग के अध्यक्ष बनाए जाने पर कोरांव विधानसभा में खुशी देखी गई। एक तरफ नौजवानों की भागीदारी सुरक्षित हुई है वही कोरांव ही नहीं पूरे प्रयागराज का नाम रोशन करने वालों रोहित पांडेय को बधाई देने वालों का तांता लग गया वही जिला पंचायत सदस्य पीन्टू चौबे ने उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि इससे क्षेत्र के नौजवानों में नई ऊर्जा का संचार होगा और क्रिकेट प्रेमियों को प्रदेश स्तरीय क्रिकेट टूनार्मेंट खेलने के लिए एक शिढी का काम करेंगे रोहित पांडे ।वही किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष पवन कुमार चतुवेर्दी उर्फ राजू चौबे ने फोन कर बधाई दी तथा उज्जवल कार्यकाल की शुभकामनाएं दी ।चर्चित किसान नेता राजेश पाण्डेय ने कहा कि सरल म्रिदूभाषी स्वभाव के धनी पाण्डेय जी को बहुत बहुत बधाई हो बधाई देने वालों में प्रमुख रूप से योगेश मिश्रा योगी शशि द्विवेदी गणेश मिश्रा प्रमोद मिश्र पयासी सुभाष प्रधान रविंद्र जैसल समाज सेवी पूजा मिश्रा वीरेंद्र शुक्ला प्रधान बहरैचा संकरधर तिवारी पूर्व प्रमुख को राम अवध कूशवाहा बबोल कुशवाहा कामता यादव पूर्व प्रधान पथरताल राजेश तिवारी आदि सैकड़ों लोगों ने बधाई दी।

समाज सेवियों ने फुलवरिया शिव मंदिर परिसर में चलाया स्वच्छता अभियान

करछना। तहसील अंतर्गत निरिया ग्राम के फुलवरिया महादेव भगवान भोलेनाथ के मंदिरऔर काली माई चबूतरा पर स्वच्छता भारत मिशन प्रस्तावना विकासखंड करछना के अंतर्गत ग्राम सभा निरिया में स्थित फुलवरिया महादेव भगवान भोलेनाथ के मंदिर का स्वच्छता अभियान दिन शुक्रवार को कराया गया है क्षेत्र के ग्राम प्रधान निरिया अमृतलाल एवं समाजसेवी पवन कुमार यादव निरिया , सहायक विकास अधिकारी करछना विवेक कुमार मिश्रा सहित समाजसेवी पवन कुमार यादव द्वारा साफ -सफाई कराया गया और दवा का छिड़काव की व्यवस्था कराई गई इस मौके पर न्याय पंचायत धरवारा सफाई कर्मी ,प्रभारी अनिल कुमार सोनकर,राजेश सोनकर, शिव बाबू ,बद्री प्रसाद, सत्यम सिंह,आदि लोग सफाई कर्मी मौजूद रहे अन्य गणमान्य वासी मौजूद रहे ग्राम प्रधान प्रतिनिधि निरिया मुकेश कुमार,अधिवक्ता इंद्रजीत पटेल, कोटेदार प्रतिनिधि ललित कुमार,कृष्ण मोहन यादव, रविंद्र कुमार,शुभम केसरवानी, शैलेंद्र कुमार (नेता),रामराज (पंडा), कमला शंकर लेखपाल , राम मोहन यादव, ओमप्रकाश विश्वकर्मा, विनोद यादव,आदि लोग स्वच्छ भारत मिशन प्रस्तावना में मौजूद रहे

लापता जिगर के टुकड़े को दरबदर खोज रहे हैं मां -बाप

जंघई। सरायममरेज थाना क्षेत्र के खखैचा गहरपुर गांव में लापता जिगर के टुकड़े को मां बाप दरबदर खोज रहे हैं लेकिन कहीं पता न चलने से परिवार में मातम छाया हुआ है। प्रतापपुर ब्लॉक के खखैचा गहरपुर गांव निवासी छोटे लाल पाल का बेटा सनी पाल उम्र 16 वर्ष जो रस्तीपुर गांव स्थित महावीर इंटरमीडिएट कॉलेज में इंटर का छात्र है। सनी 20 जुलाई को दोपहर घर से अचानक लापता हो गया आज तक वह लौटकर घर नहीं आया। लापता जिगर के टुकड़े की खोज में पिता छोटे लाल पाल और उसकी मां आभा पाल दरबदर भटक रहे हैं। मां बाप सभी संभावित स्थानों पर बेटे की खोज की लेकिन कहीं पता न चलने से पूरे कुनबे में मातम छाया है। पीड़ित पिता 25 जुलाई को सरायममरेज थाने में बेटे की गुमशुदगी दर्ज कराई है। सनी पाल के लापता होने के गम में दादा दादी भाई बहन सभी का रो रो कर बुरा हाल हो गया हैं।

सड़क हादसे में पोस्टमैन की ईलाज के दौरान मौत, मातम

मृतक की फाइल फोटो

अखंड भारत संदेश

मेजा रोड। बीते 22 जुलाई को मेजा थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग 76 पर साइकिल सवार को बचाने के चक्कर में बाइक सवार बुजुर्ग पोस्टमैन गंभीर रूप से घायल हो गए थे। जिनको आनन-फानन में पास के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था ।घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने बताया था कि उनको सर में गंभीर चोट आई थी ।सूचना पर पहुंचे मेजा रोड चौकी के उपनिरीक्षक सचिन देव वर्मा पुलिस कर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे थे। और घायल बुजुर्ग को इलाज हेतु नजदीकी अस्पताल में भर्ती करवाया था । हालत गंभीर होने पर बुजुर्ग को स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल में भेजा गया था ।जहां 28 जुलाई की शाम को इलाज के दौरान घायल बुजुर्ग की मौत हो गई। जिससे कि उनके पैतृक आवास अमिलिया कला में कोहराम मच गया। घरवालों का रो रो कर बुरा हाल था।शनिवार दोपहर में कोठरी घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया।आपको बताते चलें कि घायल बुजुर्ग अमिलिया कला गांव के निवासी थे। जिनकी इलाज के दौरान मौत हो गई और वर्तमान में वो पोस्टमैन के पोस्ट पर कार्यरत थे।

टवेरा व बाइक में भिड़ंत , दो घायल

लालापुर। क्षेत्र के अमिलिया तरहार मोड़ पर शुक्रवार की दोपहर बाइक और टवेरा की जोर दार टक्कर हो गई। जिससे बाइक सवार अधेड़ और एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गए । सूचना पर पहुंची पुलिस घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है । घूरपुर थाना क्षेत्र के बलापुर गांव निवासी पप्पू (35) पुत्र दशार्नी लाल व गेंदालाल (58) दोनो लकड़ी काटने का काम किया करते हैं। शुक्रवार की दोपहर दोनो एक बाइक पर सवार होकर लालापुर के अमिलिया गांव की ओर जा रहे थे । अभी बाइक अमिलिया मोड़ पर पहुंची थी कि अचानक सामने से एक टवेरा आ गई। बाइक और टवेरा में जोरदार टक्कर हो गई । जिससे दोनों बाइक सवार उपरोक्त सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस दोनो घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है । दोनो की हालत गंभीर बताई गई है। घटना के बाद टवेरा चालक टवेरा छोड़कर भाग निकला।

बाइक ने वृद्धा को मारो टक्कर हालत गंभीर मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। गोबर फेंकने जा रही वृद्धा पर तेज रफ्तार से आ रहा बाइक चालक ने बाइक चढा दी। जिसे गंभीर हालत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ऊँच डीह गांव निवासी धर्मेन्द्र कुमार मौर्या पुत्र श्याम सुन्दर मौर्या का आरोप है कि उनकी माता उर्मिला देवी गोबर फेंकने सडक से जा रही थी तभी तेज रफ्तार से आ रही बाइक ने उसकी माता के ऊपर चढा दिया .। जिसे गंभीर हालत में स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया गया है। भुगतभोगी के पुत्र धर्मेंद्र कुमार की तहरीर पर पुलिस ने बाइक चालक अनुप कुमार मौर्या पुत्र शिवमूरत के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर दिया है।

निबंधक कार्यालय की छत का प्लास्टर गिरने से रजिस्ट्री कराने पहुंचा युवक हुआ जख्मी

करछना। तहसील परिसर स्थित रजिस्ट्री भवन में शुक्रवार को मुट्ठीगंज निवासी मंजीत गुप्ता एवम राजेश गुप्ता जमीन की रजिस्ट्री कराने पहुंचे थे , जिस दौरान उन्होंने गवाह के तौर पर नैनी बाजार निवासी सोनू गुप्ता को साथ में तहसील लेकर गए थे ` जहां कागजात पर दस्तखत करने के दौरान सोनू गुप्ता के सर पर जर्जर भवन की छत का प्लास्टर गिरने के कारण गंभीर रूप से घायल हो गया ` मौके पर आनन-फानन में घायल युवक को निजी क्लीनिक ले जाया गया जहां उसे सर पर दो टांके लगाकर डिस्चार्ज कर दिया गया है। बता दें कि करछना तहसील का भवन का कुछ हिस्सा काफी जर्जर हो गया है जिस वजह से अन्य दुर्घटनाओं की भी संभावनाएं बनी हुई हैं एवं तहसील परिसर में साफ सफाई की उचित व्यवस्था न होने के कारण वहां अक्सर गंदगी का अंबार भी देखा जा सकता है।

कांवरियों का जत्था हुआ बाबा बैद्यनाथ धाम के लिए रवाना

जंघई। सावन मास में शुक्रवार को जंघई बाजार से कांवरियों का दल बाबा वैद्यनाथ के दर्शन जलाभिषेक के लिए गाजे बाजे ढोल नगाड़ों के साथ से प्रस्थान किया।आस्था व श्रद्धा का मास सावन में शनिवार को कावरियों द्वारा सर्व प्रथम सुल्तानगंज से गंगा स्नान के बाद बाबा का जलाभिषेक करने के लिए जल उठाकर झारखंड स्थित बाबा बैजनाथ का जलाभिषेक कर दर्शन करेंगे। उसके बाद बाबा बासुकीनाथ का दर्शन के साथ ही राजगीर, माँ विन्ध्यवासिनी व बाबा विश्वनाथ वाराणसी दर्शन कर घर के लिए रवाना होंगे।विधि विधान व मंत्रोच्चार के साथ पूजन करते हुए हर हर महादेव के गगनभेदी नारों के साथ भगवा मय कांवरिया काफी उत्साह व जोश के साथ प्रस्थान किये। बैजनाथ धाम जाने वालों में संदीप मिश्रा, प्रदीप दुबे, रिंकू मिश्रा, योगेश शुक्ला, लवकुश तिवारी, लल्लन दुबे, मुरारी तिवारी, सोनू तिवारी, राजेश यादव, विशांत दुबे आदि लोग शामिल रहे।

सोशल आडिट के नाम पर की जा रही खानापूर्ति

उरूवा विकास खण्ड : अधिकारियों के मिलीभगत से कोरम में सिमटी सोशल आडिट ब्यवस्था

अखंड भारत संदेश

सिरसा। प्रयागराज मेजा क्षेत्र विकास खण्ड उरूवा में सोशल आडिट के नाम पर किया जा रहा खानापूर्ति। भारत सरकार की अति महत्वाकांक्षी महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीग रोजगार अधिनियम मनरेगा एवं प्रधानमंत्री आवास ग्रामीण योजना का सही ठंग से क्रियान्वयन करने व पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से लागू की गई सोशल आडिट व्यवस्था विकास खण्ड उरूवा के सभी ग्रामपंचायत पूरी तरह से ध्वस्त हो गई हैं। सच तो ये हैं कि सोशल आडिट के नाम पर विभागीय अधिकारियों द्वारा महज खानापूर्ति की जा रही हैं। सूत्रों की माने तो जॉब कार्ड बनाने से लेकर सोशल आडिट तक केवल गड़बड़ झाला ही हैं। साधन संपन लोग के नाम भारी संख्या में जॉब कार्ड बनाये गए है। जबकि मास्टरोल पर उनका नाम मजदूरों की सूची में दर्ज हैं। हाइपाई कथित श्रमिक केवल बैंको से पैसा निकालने के लिए ही एक ही बार जाते हैं। उस मजदूरी के धनराशि में से संबंधित गांव के प्रधान फिप्टी-फिप्टी हिस्सा होता हैं। लोगो का आरोप हैं कि गरीबों का अधिकार अमीरों को दिया जा रहा हैं और गरीब अपने अधिकार के लिए इधर उधर भटक रहा हैं। लेकीन भाजपा सरकार में गरीबो की विकास की योजनाओं का लाभ गरीबो को नही मिल रहा हैं। गरीबो की हक की विकास की योजनायें अमीरों में बाटा गया हैं। जिस दिन सरकार जांच कराए कई जिम्मेदार अधिकारी और प्रधान जांच के घेरे में आ जायेंगे। गोपनीय तरीके से सुविधा शुल्क जे बल पर कहि एक स्थान पर बैठकर सोशल आडिट की औपचारिकता पूरी कर ली जाती हैं। हलाकि नियमानुसार सोशल आडिट के समय एपीओ व सेक्टर एडीओ व टीम की मौजूदगी जरूरी हैं। किन्तु इनमे से अधिकतर अधिकारी व कर्मचारी ग्राम पंचायतो में जाते ही नही हैं। जबकि सोशल आडिट में ग्रामवासियों की खुली बैठक कर कामो को पढ़कर सुनाया जाता हैं। यदि किसी ग्रामीण को आपत्ति हैं तो वह काम के बारे में बता सकता है कि वास्तव में काम हुवा हैं कि नही। लेकिन अधिकारी और ग्रामप्रधान मिलकर कोरम को पूरा करके साशन को भेज दिया जाता हैं।

मुकदमे में बनाया चश्मदीद गवाह, हाई कोर्ट ने केस में कार्यवाही रोकी

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। आपराधिक घटना से दो साल पहले मौत की आगोश में जा चुके चश्मदीद गवाह गौरव वैश्य की तलाश कर रही प्रयागराज की शहर कोतवाली पुलिस को उसके मिलने पर बयान अंकित करने का इंतजार है। पुलिस ने मृतक चश्मदीद के पिता विजय वैश्य के घर पर घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद रिपोर्ट पेश की है। हाई कोर्ट ने विपक्षी शिकायत कर्ता विजय वैश्य को नोटिस जारी किया है और राज्य सरकार से तीन हफ्ते में जवाब मांगा है। साथ ही 6 मार्च 2021 को धारा 506 और 448 के अंतर्गत दाखिल पुलिस चार्जशीट व आपराधिक केस की सुनवाई प्रक्रिया पर रोक लगा दी है।यह आदेश न्यायमूर्ति श्रीप्रकाश सिंह ने बहादुर गंज निवासी अमर नाथ वैश्य व दो अन्य की याचिका पर दिया है। याची का कहना है कि याची और विपक्षी के बीच मकान नं 159/101 बहादुरगंज के बंटवारे का 2008 में वाद दायर किया गया। इससे पहले दोनों पक्षों के बीच 2006 में पारिवारिक समझौता हो चुका था। याची का कहना है कि मकान का आधा हिस्सा उसने बैनामा में ले लिया है और आधा हिस्सा भी समझौते के आधार पर उसे मिला है। विपक्षी का निवास 236/237 लोहिया पांडेय का हाता, मुट्ठीगंज में है। इसके बावजूद वह पुश्तैनी बहादुरगंज स्थित मकान को हथियाना चाहता है। उसने याची को परेशान करने के लिए झूठा केस दर्ज कराया है।सबसे बड़ी बात यह कि याची और उसके दोनों बेटों पर मां को जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। एफआइआर में ही लिखा है कि शोर सुनकर शिकायतकर्ता का बेटा गौरव वैश्य भी पहुंचा। उसके सामने गालीगलौज की घटना हुई।

एटीएम बदलकर चोरों ने उड़ाए 60 हजार

अखंड भारत संदेश

सहसों। क्षेत्र में इन दिनों गार्ड विहीन एटीएम बूथों पर चोर सक्रिय होकर चकमा देते हुए एटीएम कार्ड बदलकर लोगों का बैंक खाते से पैसा उड़ा दे रहे हैं। परन्तु इलाकाई पुलिस इन पर अंकुश लगाने में नाकाम दिखाई दे रही है और हाथ पर हाथ धरे बैठी हुई है। इसी तरह सहसों चौराहे पर स्थित एक बैंक के एटीएम बूथ में क्षेत्र के चिरौड़ा गांव निवासी मोहम्मद फरहान अपनी बुआ अहमदी बेगम का एटीएम कार्ड लेकर पैसा निकालने के लिए गुरुवार को गया हुआ था। भुक्तभोगी के अनुसार जैसे ही वह एटीएम डालकर पैसा निकालने के लिए एटीएम को ऑपरेट करने लगा उसी समय शातिर चोरों ने उसके पैर में पिन चुभा दिया। जिससे मोहम्मद फरमान चौंककर नीचे मुड़कर पैर में देखने लगा। तभी मौका पाकर शातिर एटीएम चोरों ने एटीएम बदल लिया तथा मोहम्मद फरहान के संभलने तक शातिर चोर वहां से फरार हो गए। मोहम्मद फरहान को शक होने पर जब वह एटीएम कार्ड चेक किया तो देखा कि उसका एटीएम कार्ड बदल गया है। भुक्तभोगी ने तत्काल बैंक ऑफ बड़ौदा के बाबूगंज शाखा पहुंच कर वहां एटीएम बंद कराने की प्रक्रिया करने तक शातिर चोरों ने दस-दस हजार के ट्रांजैक्शन तीन बार तथा बीस हजार का ट्रांजैक्शन एक बार कर के कुल पचास हजार नगद निकाल लिए तथा दस हजार रुपए की खरीदारी कर लिए। काफी प्रयास और मेहनत के बाद जब एटीएम बंद हुआ तब तक एटीएम चोरों ने साठ हजार रुपए खाते से पूरा चुके थे, गनीमत यह रहा कि एटीएम लॉक कराने के बाद शेष पैसा जाने से बच गया। भुक्तभोगी ने ऑनलाइन एफ आई आर करते हुए इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दे दी है। मोहम्मद फरहान ने बताया कि यदि एटीएम बूथ पर गार्ड होता यह घटना घटती। ऐसे शातिर अपराधी निर्भय होकर घटना को अंजाम दे रहे हैं आए दिन कोई न कोई भोला भाला व्यक्ति इनका शिकार हो रहा है। लेकिन स्थानीय पुलिस अपने में मस्त सोती नजर आ रही है।

महिला को मारा पीटा गया तोड फोड की गई मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। मऊआइमा इलाके के एक महिला ने गांव के कतिपय लोगों पर घर पर चढ कर मारने पीटने और तोड फोड का आरोप लगाते हुए। मुकदमा दर्ज करा दिया है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के मदारी गांव निवासनीय सितारा बानों पत्नी मोहम्मद जहीर का आरोप है कि गांव के कतिपय लोग आए दिन उसे गालियां देते हैं और लडाई झगड़ा पर आमादा फसाद रहते हैं। सीतारा बानों का आरोप है कि जब वह विरोध की तो घर पर चढ कर मारा पीटा गया और तोड फोड की गई। सितारा बानों ने मऊआइमा थाने में तहरीर दे कर मोहम्मद आलम अंसारी ,मोहर्रम ,बफाती तथ अन्य अज्ञातों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवा दी है।

थाना पुलिस कोरांव में पीस कमेटी की हुई बैठक

मोहर्रम आदि पर्व को लेकर विचार विमर्श

अखंड भारत संदेश

कोराव। थाना कोरांव में मोहर्रम पर्व को लेकर पीस कमेटी की बैठक संपन्न हुई। बैठक में क्षेत्र के ताजियादारों को भी बुलाया गया था। और पर्व को लेकर ताजियादारो से समायाओं की जानकारी ली गई। और शांति पूर्ण ढंग से त्योहार मनाने की अपील की गई। इस संबंध में बिजली विभाग नगर के अफसरों को भी बैठक के मुख्य अतिथि तहसीलदार कोराव श्री वर्मा ने आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया। साथ ही कानून व्यवस्था के साथ किसी को खिलवाड़ करने की इजाजत नहीं होगी। लोग अपने अपने धर्म के अनुसार अपने अपने त्योहारों को भाईचारे के साथ मनाने की अपील की। बैठक में तहसीलदार कोराव के अतिरिक्त थाना प्रभारी कोरांव आदि तथा ताजियादार नबर कोरांव के नफीस अहमद, मोहम्मद हनीफ, नन्हे अंसारी, मोहम्मद वसीम, मोहम्मद आरिफ, बड़ोखर से अमानतुल्लाह खां, सिराजुद्दीन खान आदि ताजियादार आम जन सामाजिक कार्यकर्ता गण मौजूद रहे।

शांतिपूर्ण ढंग से मनाएं त्यौहार : चौकी प्रभारी

जारी। आगामी त्योहारों को देखते हुए कौंधियारा थाना के जारी चौकी में एक बैठक की गई जिसकी अध्यक्षता करते हुए जारी चौकी प्रभारी शैलेन्द्र यादव ने बैठक में उपस्थित क्षेत्रीय लोगों से शांतिपूर्ण तरीके से त्यौहार मनाने की अपील की उन्होंने कहा कि आने वाले कुछ समय में नागपंचमी रक्षाबंधन व मुहर्रम जैसे महत्वपूर्ण त्योहारों के अलावा स्वतंत्रता दिवस का राष्ट्रीय पर्व भी है इन त्योहारों पर आपसी सौहार्द व भाईचारा बनाए रखना आप सब का परम कर्तव्य है किसी प्रकार की गड़बड़ी करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी बैठक में बबलू केशरवानी , मोती लाल ,अर्जुन अग्रहरि ,साकेत सिंह , मुस्ताक अहमद, मोहम्मद आलम, हिम्मत अली , रोहन केसरवानी ,विकास गुप्ता , विनोद केसरवानी ,बिहारी लाल जायसवाल , कौशलेश अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

बिजली महोत्सव का द्वितीय आयोजन आज

प्रयागराज। अधीक्षण अभियंता विद्युत ने बताया है कि आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत दिनांक 25 जुलाई, 2022 से 30 जुलाई 2022 तक देश के प्रत्येक जिले में उज्ज्वल भारत-उज्ज्वल भविष्य, पावर/2047 कार्यक्रम मनाया जाएगा। इसी क्रम में प्रयागराज जिले में आज मोती लाल नेहरू इंजीनियरिंग कॉलेज के बहुद्देशीय हाल में बिजली महोत्सव का द्वितीय कार्यक्रम आयोजित किया गया है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भारत सरकार एवं राज्य सरकारों द्वारा आजादी से अब तक ऊर्जा एवं नवीनीकरण ऊर्जा के क्षेत्र में विकास एवं भविष्य में प्राप्त होने वाली विकास की संभावनाओं का प्रदर्शन किया जाना है।

विद्युत बिल न जमा करने वाले उपभोक्ताओं के घर छाया अंधेरा

फूलपुर। विधुत बकाएदारों की सहूलियत के लिए एक मुश्त समाधान योजना के तहत दी गई विशेष छूट के बावजूद भी बिल न जमा करने वाले उपभोक्ताओं पर विभाग ने सख्त रुख अपनाना शुरू कर दिया है। फूलपुर विधुत उपकेंद्र के वीरकाजी गांव में शुक्रवार को अधिकारियों ने बिल न जमा करने वाले दर्जनों उपभोक्ताओं के घरों की बिजली काट दी। जिससे उनके घरों में अंधेरा छाया रहा। वहीं कुछ उपभोक्ताओं का कनेक्शन बिल जमा करने के बाद जोड़ दिया गया।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने विभागीय अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

हर घर तिरंगा कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार करते हुए सभी लोगों को जोडें

अखंड भारत संदेश

अधिकारियों के साथ बैठक करते उपमुख्यमंत्री

प्रयागराज। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य शुक्रवार को सर्किट हाउस के सभागार में ग्राम्य विकास एवं समग्र ग्राम विकास, ग्रामीण अभियंत्रण, खाद्य प्रसंस्करण, मनोरंजन कर, सार्वजनिक उद्यम एवं राष्ट्रीय एकीकरण विभाग के अधिकारियों के साथ विभागों से सम्बंधित कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।

हर घर तिरंगा कार्यक्रम की तैयारियों समीक्षा करते हुए उपमुख्यमंत्री जी ने कहा कि तिरंगे झण्डे को मानक के अनुरूप बनाया जाना चाहिए साथ ही स्वयं सहायता समूह के माध्यम से जो झण्डे बनाये जा रहे है, उनका नियमित रूप से अनुश्रवण करते रहे। मा0 उपमुख्यमंत्री जी ने कहा कि 15 अगस्त को जो अमृत सरोवर बन के तैयार हो गये है, वहां पर भी झण्डा रोहण की व्यवस्था कर ली जाये। उन्होंने हर घर तिरंगा कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार कराने तथा सभी लोगो को कार्यक्रम से जोडने के लिए कहा है। आवास योजनाओं की समीक्षा करते हुए उपमुख्यमंत्री जी ने कहा कि आवास योजनाओं से पात्रों को लाभान्वित कराये जाने में कोई भी शिकायत नहीं प्राप्त होनी चाहिए। उपमुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री आवास योजना में अपात्रों का चयन करने वालो के विरूद्ध की गयी कार्रवाई के बारे में जानकारी ली, जिसपर मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि आवास योजना के अन्तर्गत अपात्रों को लाभान्वित कराने वाले 34 ग्राम सचिवों/ग्राम विकास अधिकारियों के विरूद्ध कार्रवाई की गयी है।हर घर जल योजना की समीक्षा करते हुए उपमुख्यमंत्री जी ने अधिकारियों से कार्य की प्रगति के बारे में जानकारी ली।

उपमुख्यमंत्री जी ने कहा कि हर घर को नल से जोड़ने का कार्य सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में से एक है। उन्होंने योजना को तीव्र गति के साथ पूरा कराये जाने के लिए कहा है, जिससे की हर अमीर, गरीब, दलित, पिछड़े सभी को योजना से जोड़कर उनके घरों तक नल के द्वारा साफ पीने का पानी उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने मुख्य विकास अधिकारी को हर घर नल योजना की प्रगति की साप्ताहिक समीक्षा करने के लिए कहा है।अमृत सरोवर योजना के तहत ग्रामों में तालाब खोदाई कार्यों की समीक्षा करते हुए उपमुख्यमंत्री जी ने कहा कि हर ब्लाक में एक मॉडल तालाब का निर्माण करें। उन्होंने तालाब के निर्माण को पर्यटन की दृष्टि से कराये जाने के लिए कहा है। उन्होंने तालाब के आस-पास वृहद रूप से वृक्षारोपण कराये जाने के लिए कहा है साथ ही उन्होंने अधिकारियों से कहा कि पौधरोपण किए जाने के साथ-साथ पौधों को बचाना महत्वपूर्ण है। उन्होंने बैठक में उपस्थित सभी जनप्रतिनिधिगणों से अमृत सरोवर के तहत कराये जा रहे तालाब के निर्माण कार्य की मानीटरिंग करने के लिए भी कहा है। मनरेगा के तहत बनाये गये जॉब कार्डों का अधिकारी व्यक्तिगत रूप से जांच करें। उपमुख्यमंत्री जी ने स्वयं सहायता समूहों के बारे में कहा कि स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों को प्रशिक्षित कर स्वावलम्बी बनायें तथा समूहों के द्वारा जिन वस्तुओं को बनाया जा रहा है, उनकी प्रोसेसिंग पर विशेष ध्यान दिया जाये।इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ0 वी0के0 सिंह, विधायक कोरांव राजमणि कोल, विधायक फूलपुर प्रवीण पटेल विधायक शहर उत्तरी हर्षवर्धन वाजपेयी, विधायक बारा डॉ0 वाचस्पति, मुख्य विकास अधिकारी शिपू गिरि सहित सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारीगणों सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

अवैध मकानों को ध्वस्त करने के बजाय अब कंपाउंडिंग पर जोर देगा पीडीए

प्रयागराज। अवैध निर्माण करने वालों के खिलाफ प्रयागराज विकास प्राधिकरण अब ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की बजाय कंपाउंडिंग कराने पर जोर देगा। बिना नक्शा पास कराए मकान बनाने वाले समय से कंपाउंडिंग कराएं इसके लिए स्पेशल टीम का गठन किया जाएगा। यह टीम उन लोगों से संपर्क करेगी जिन्होंने नक्शा पास कराए बिना मकान बनवा लिया है या बनवा रहे हैं और पीडीए ने उसे सील कर दिया है।

पीडीए 200 से अधिक लोगों का प्रतिमाह जारी करता है नोटिस

महीने में 200 से अधिक लोगों को बिना नक्शा पास कराए घर बनाने के कारण पीडीए की ओर से नोटिस जारी किया जा रहा है। अधिक से अधिक लोग घर बैठे कंपाउंडिंग का नक्शा पास कराएं इसके लिए अगले महीने से आनलाइन नक्शा पास कराने की सुविधा शुरू की जाएगी। पीडीए कर्मियों को आनलाइन नक्शा पास करने के लिए हाल ही में प्रशिक्षण दिया जा चुका है।पीडीए के अधिकारियों का मानना है कि ध्वस्तीकरण की कार्रवाई करने पर मकान मालिक के साथ पीडीए को भी आर्थिक नुकसान होता है। इस व्यवस्था से लोगों के घरों का नक्शा भी पास हो जाएगा और राजस्व भी बढ़ेगा।बिना नक्शा पास कराए मकान बनवा चुके लोग कंपाउंडिंग कराएं इसके लिए उन्हें प्रेरित किया जाएगा।

मेजा ऊर्जा निगम ने मनाया बिजली महोत्सव

आजादी के अमृत महोत्सव के तहत चित्रकूट और जौनपुर जिले में मनाया गया बिजली महोत्सव

अखंड भारत संदेश

अमृत महोत्सव कार्यक्रम में संबोधित करते अधिकारी

मेजा। अविनाश चंद्र द्विवेदी, विधायक मउ, चित्रकूट में और गिरीश चंद्र यादव, खेल कूद युवा राज्य मंत्री (उत्तरप्रदेश) ने जौनपुर में कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में मेजा ऊर्जा निगम की और से अजित बसक, महा प्रबंधक (प्रचालन) एवं अखिल के पी पटनायक, अपर महा प्रबंधक (मानव संसाधन) उपस्थित रहे।शुक्रवार को कार्यक्रम में आम जनता व नीति निमार्ताओं को ऑडियो-विजुअल मीडिया, नुक्कड़ नाटक, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, इन्फोग्राफिक्स प्रदर्शन के द्वारा घरेलू विद्युतीकरण, वन-नेशन-वन-ग्रिड , उपभोक्ता अधिकार, नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में प्रगति और लाभ , विद्युत उत्पादन क्षमता में वृद्धि आदि विषयों पर लघु फिल्मों की स्क्रीनिंग के माध्यम से संवेदनशील और जागरूक किया गया। उल्लेखनीय है कि 30 जुलाई को बिजली महोत्सव सप्ताह के अंतिम दिन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी देशभर के लाभार्थियों से संवाद करेंगे।इसके अलावा, विजन पावर 2047 के अनुरूप सुधारों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिभागियों के बिचारों को आमंत्रित किया जाएगा ।

मेजा रोड स्टेशन के बाहर गुलजार गलियां पड़ी सूनी

मेजा रोड। कोरोना काल से बंद ट्रेनों के संचालन ना शुरू किए जाने से न जाने कितने लोगों पर रोजी रोटी का संकट गहराता जा रहा है। बता दें कि रेलवे स्टेशनों के बाहर निवास करने वाले लोग आवागमन करने वाले यात्रियों की वजह से उनकी आजिविका चलती थी जो नाश्ता पानी करा कर अपना तथा अपने परिजनों का भरण पोषण करते थे। वही कोरोना काल से बंद ट्रेनों की वजह से उनकी आजिविका चल पाना मुश्किल हो रहा है। मेजारोड रेलवे स्टेशन के बाहर गुलजार गलिया सूनी पड़ी हैं जिससे बाहर नाश्ते पानी बेचने वाले लोगों के जीवन में आजिविका चलानेमें दिक्कतें हो रही है। दुकानदार आस लगाए बैठे हैं कब ट्रेनों का संचालन शुरू हो और उनका व्यवसाय फिर पुराने ढर्रे पर वापस लौट आए इसी आस में दुकानदार भी ट्रेनों के आवागम का इंतजार कर रहे हैं बंद ट्रेनों का संचालन शुरू हो जाए तो उनका व्यवसाय भी यात्रियो के आवागमन से शुरू हो जाएंगे इसी आस में टकटकी लगाए दुकानदार बैठे हैं। कभी यात्रियों से गुलजार रहने वाले स्टेशन पर सन्नाटा पसरा है।

हर घर तिरंगे अभियान : महिला व्यापार मंडल ने महापौर को धन राशि भेंट किया

प्रयागराज। इस वर्ष देश आजादी के 75 वर्ष पूरे कर रहा है। और इस अवसर को मानाने के लिए अमृत महोत्सव की शुरूआत की गयी है।हर घर तिरंगा अभियान की घोषणा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा की गयी है। इस अभियान के तहत देश के पीएम ने सभी नागरिकों से अपने अपने घरों में तिरंगा झंडा फहराने की अपील की है। माननीय प्रधानमंत्री ने ट्वीट के जरिये हर घर तिरंगा के प्रचार के तहत इस अपील को जनता तक पहुँचाया है।जिला महिला उद्योग व्यापार मंडल ने "हर घर तिरंगा" अभ्यान के अंतर्गत 1000 तिरंगे का संकल्प लिया है। प्रयागराज को महापौर श्रीमती अभिलाषा गुप्ता नंदी जी को महिला व्यापार मंडल की ओर से 15 हजार रुपये नगद राशि भेट की गई।इस दौरान जिला महिला व्यापार मंडल प्रयागराज की अध्यक्ष श्रीमती अवंतिका टंडन, सचिव पल्लवी अरोड़ा, पूनम गुप्ता एवं लता उपाध्याय मौजूद रही।

न्यूज झरोखा

करछना बाल एवं महिला सामुदायिक शौचालय बना आकर्षण का केंद्र

करछना। विकास खंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत सदर करछना मुख्यालय स्थित बाल एवं महिला सामुदायिक शौचालय का निर्माण प्रधान आकृति सिंह द्वारा भव्य एवं आकर्षण तरीके से तैयार किया गया है जो आने जाने वाले लोगों का आकर्षण का केंद्र बना हुआ है प्रधान प्रतिनिधि एवं पति अवतार किशन सिंह एडवोकेट एवं प्रधान संघ अध्यक्ष विकास खंड करछना के नेतृत्व में निर्माण कार्य पूर्ण कराया गया जिसे देखकर अधिकारियों ने प्रधान की सराहना की तथा कहा कि इसी तरीके से सभी प्रधान अपने अपने ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों में अमलीजामा पहनाने का कार्य करें जिससे ग्राम पंचायतों के साथ-साथ विकासखंड करछना का नाम रोशन हो इस कार्य को संपन्न कराने में पूर्ण रूप से सहयोग प्रदान करने वालो में खंड विकास अधिकारी देव कुमार ,सहायक विकास अधिकारी विवेक कुमार मिश्रा, एडीओ आईएसबी रामेश्वर सिंह, पंचायत सचिव प्रीति शुक्ला, और गांव के गणमान्य लोगों का भी सहयोग सराहनीय रहा।

लड़कियां हमारे देश की भविष्य : अमित कुमार शर्मा

लेडियारी। बालिकाओं को शत प्रतिशत शिछित करने के लिए एजुकेटेड गर्ल्स टीम बहुत प्रयास कर रही है।इस कार्य के लिए हमारी बालिका टीम की अहम भूमिका है।उक्त बातें एजुकेटेड गर्ल्स के बी .ओ.अमित कुमार शर्मा ने विकास खण्ड कोरांव के सुदूर न्याय पंचायत पवाँरी के ग्राम सचिवालय में आयोजित बालिका टीम व एफ सी की संयुक्त बैठक में कही।उन्होंने बालिका टीम व एफ सी के द्वारा बालिकाओं के शत प्रतिशत नामांकन कराने के लिए सराहना करते हुए कहा कि हमारी टीम बालिकाओं के उज्जवल भविष्य को बनाने के लिए अभिभावकों से तथा अध्यापकों से मिलकर प्रयास किया है।क्योंकि ए लड़कियां ही हमारे देश की भविष्य हैं।उनको शिछित करने से घर, परिवार और देश सवँरेंगा तथा राष्ट्र का नाम रोशन होगा। एफ. सी.दीपक कुमार त्रिपाठी के द्वारा सभी बालिका टीम सदय्यों को पेन देकर सम्मानित किया गया। उक्त बैठक में एफ.सी. दीपक कुमार त्रिपाठी, संदीप सिंह, राजकुमार कुशवाहा, रविशंकर,आलोक शुक्ल तथा सभी बालिका टीम के सदस्य मौजूद रहे।

अवैध शराब के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

बारा। बारा थाना की पुलिस और आबकारी की टीम ने संयुक्त रूप से छापेमारी कर एक युवक पचखरा निवासी उदय राज पुत्र अभय राज को मुखबिर की सूचना पर बारा पुलिस एवं आबकारी की टीम ने चिल्ला मोड़ के पास थाना बारा एक युवक को गिरफ्तार कर अवैध शराब बरामद किया थाना बारा में अभियुक्त के खिलाफ 60 आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया।

करंट की चपेट में आने से भैंस की मौत

फूलपुर। खेत में चरने गई भैंस विधुत पोल में उतरे करंट की चपेट में आने से मर गई। पशुपालक ने घटना की सूचना विधुत विभाग के अधिकारियों के साथ ही उपजिलाधिकारी को देकर कार्रवाई करने की मांग की। उतराव थाना क्षेत्र के करौहा गांव निवासी इन्द्र बहादुर यादव दूध बेचने का व्यवसाय करता है। शुक्रवार को रोज की तरह वह अपनी भैसों को नेशनल हाईवे के बगल खेत मे चराने के लिए ले गया था। भैंस चरते हुए खेत में लगे विधुत पोल के पास पहुंची तो अचानक तड़पने लगी। पशुपालक जब तक कुछ समझ पाता तब तक करंट ने भैंस की जान ले ली। पशुपालक ने शोर मचाया तो मौके पर ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा हो गई। पशुपालक ने घटना की सूचना बिजली विभाग के अधिकारियों के साथ ही उपजिलाधिकारी को देकर कार्रवाई की मांग की। पशुपालक ने बताया कि मृतक भैस बच्चे को जन्म देने वाली थी जिसकी कीमत लगभग 80000 से ज्यादा थी। भैस की मौत से पशुपालक व परिजनों में गम का माहौल है। उक्त गांव के लोगों ने बताया कि करंट खम्भे में एक महीने से उतर रहा था जिसकी सूचना बिजली विभाग के अधिकारियों को दी गई थी। परन्तु विभाग ने उसे गंभीरता से नहीं लिया।

घटना के बाद मौके पर जुटी ग्रामीणों की भीड़

सीआरपीएफ के सहायक कमांडेंट की श्रीनगर में हुई मौत

राजकीय सम्मान के साथ रसूलाबाद घाट पर बेटे ने दी मुखाग्नि

मृतक सहायक कमांडेंट की फाइल फोटो

सीआरपीएफ सहायक कमांडेंट का पार्थिव शव

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। केंद्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स सीआरपीएफ के सहायक कमांडेंट की गुरुवार दोपहर श्रीनगर में मौत हो गई थी वह पिछले कई दिनों से बीमार चल रहे थे शुक्रवार को उनका राजकीय सम्मान के साथ प्रयागराज के रसूलाबाद घाट पर अंतिम संस्कार किया गया तथा बड़े बेटे ने मुखाग्नि दी । इस दौरान सीआरपीएफ पडीला के उपकमांडेंट सहित अन्य अधिकारी और जवान मौजूद रहे।

प्रयागराज के गोविंदपुर में रहते थे कमांडेंट विनोद कुमार

सीआरपीएफ के सहायक कमांडेंट विनोद कुमार उपाध्याय 47 साल के थे और 14 बटालियन श्रीनगर में तैनात थे वह मूल रूप से गोविंदपुर थाना शिवकुटी प्रयागराज के रहने वाले थे पत्नी ममता उपाध्याय दो बेटों 19 साल के अंशुमान और 15 साल के दीपांशु के साथ गोविंदपुर में रहती है । ग्रुप केंद्र पांडीला के उप कमांडेंट ने बताया कि विनोद कुमार उपाध्याय का शव देर रात प्रयागराज उनके पैतृक घर गोविंदपुर पहुंच गया शुक्रवार सुबह रसूलाबाद घाट पर सीआरपीएफ के अधिकारियों जवानों ने उन्हें अंतिम सलामी दी । इसके बाद फ्लैग फोल्ड कर पिता ओम प्रकाश उपाध्याय को दिया गया।

रोडवेज में जल्द मिल सकती है मृतक आश्रितों को नौकरी !

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। यूपी रोडवेज में मृतक आश्रितों को नौकरी मिलने की कवायद तेज हो गई है। शासन के निर्देश पर सभी क्षेत्रीय प्रबंधकों ने परिवहन निगम को मृतक आश्रितों की सूची भेजी है। उम्मीद है कि इसी वित्तीय वर्ष से तैनाती दिए जाने की कार्यवाही शुरू हो जाएगी।रोडवेज में वर्ष 2018 से मृतक आश्रितों की नियुक्ति संबंधी प्रक्रिया ठप पड़ी है। इसे लेकर यूनियन आंदोलनरत भी है। प्रयागराज रीजन में मृतक आश्रितों की संख्या तकरीबन 50 है। कुछ आश्रित संविदा कर्मी के रूप में कार्यरत हैं। वहीं, कुछ ऐसे भी हैं जो स्थायी नौकरी की मांग कर रहे हैं। शासन को प्रदेश भर से जो आंकड़ा सौंपा गया है उसमें 815 मृतक आश्रित शामिल है। इनमें 795 बस परिचालक और मात्र 20 चालक है। चर्चा यही है कि इन सभी को परिवहन मंत्री के आदेश पर नियुक्ति पत्र जारी हो सकते हैं।

पांच वर्ष पहले हुई थी मृतक आश्रितों की नौकरी

यूपी रोडवेज में पांच वर्ष पहले 2018 में मृतक आश्रितों की भर्ती हुई थी। तब 588 चालक एवं परिचालक शामिल रहे। इस बार मृतक आश्रितों की सूची लंबी है। यह संख्या प्रदेश भर में 815 है। रोडवेज के प्रधान प्रबंधक कार्मिक अतुल जैन भी कह चुके हैं कि मृतक आश्रित भर्ती को लेकर कुछ निर्णय जल्द लिया जा सकता है। पिछले कुछ दिनों से सुगबुगाहट है कि शासन स्तर पर मृतक आश्रितों की नियुक्ति की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। प्रयागराज में 50 के आसपास मृतक आश्रितों को नौकरी का इंतजार है।

मान सिंह, क्षेत्रीय मंत्री, रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद।

हस्तांतरण के बाद भी पंचायत सचिव ने नहीं दिया चार्ज

अखंड भारत संदेश

कई गांव के कार्य प्रभावित

करछना। विकास खंड करछना में कार्यरत पंचायत सचिव शिव ओम चौधरी का अन्य ब्लॉक में हस्तांतरण गत दिनों हो गया था तथा वही हस्तांतरण के एक महीने से ज्यादा समय बीत जाने के बाद भी गांव का चार्ज ब्लॉक मुख्यालय पर नए सचिव को नहीं दिया गया जिसके कारण विकासखंड के मनैया, बेदौ ,अमिलो , डीहा, सेमराहा उपरहार आदि ग्राम पंचायतों का कार्य पूरी तरह से प्रभावित हैगांव का कार्य जहां एक ओर प्रभावित हो रहा है वही गांव के लोगों की समस्याएं बढ़ गई है ना तो किसी का परिवार रजिस्टर की नकल प्राप्त कर पा रहे हैं और न ही अन्य कोई आख्या प्रस्तुत करने वाले सहायक नियुक्त है तथा अन्य कार्य भी विकास से संबंधित प्रभावित हो रहे हैं इस संबंध में एडीओ पंचाय विवेक कुमार मिश्रा से बात की तो उन्होंने बताया कि जिन सचिवों का स्थानांतरण हो गया है उन्हें सूचित कर दिया गया है कि वे तत्काल पूर्व तैनाती वाले गांव का रिकॉर्ड दस्तावेज का चार्ज नए सचिव अथवा पंचायत कार्यालय में अभिलंब जमा कर दें जिससे गांव का विकास कार्य प्रभावित ना हो तथा समय से चार्ज का आदान प्रदान न करने वाले हस्तांतरित पंचायत सचिवों के खिलाफ उच्च अधिकारियों से लिखित शिकायत की जाएगी।

कार्यालय ग्राम पंचायत बल्लीपुर टाटा वि0खं0 चायल, कौशांबी

(निविदा सूचना)

जिला विकास प्राधिकरण जनपद कौशांबी में जीएसटी पंजीकृत फार्म ठेकेदार को सूचित किया जाता है कि मनरेगा योजना के अंतर्गत विकासखंड चायल के बलीपुर टाटा ग्राम सभा में वनशक्ति महारानी गाटा नंबर 493 तालाब (अमृत सरोवर) का खुदाई कार्य किया जाना है कार्य की लागत 2 लाख 41 हजार रुपए प्रस्तावित है उक्त कार्य हेतु जीएसटी पंजीकृत फार्म से निविदा आमंत्रित है ग्राम पंचायत कार्यालय बलीपुर टाटा में दिनांक 30/07/2022 से दिनांक 12/08/2022 निविदा फार्म जमा किया जा सकता है दिनांक 13/08/2022 को सांय 4 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में सार्वजनिक तरीके से उपस्थित फर्मो के समक्ष निविदा खोली जाएगी निविदा स्वीकृत अस्वीकृत करने का अधिकार ग्राम पंचायत कार्यालय को निहित है।

(पुष्पा देवी)
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत बलीपुर टाटा
वि0खं0 चायल, कौशांबी

(अखिलेश कुमार)
पंचायत सचिव
ग्राम पंचायत बलीपुर टाटा
वि0खं0 चायल, कौशांबी

गांव की समग्र आर्थिक समृद्धि के लिये समूह बनाएं शाखा प्रबंधकः डीएम

शाखा प्रबन्धकों की कार्यशाला व उन्मुखीकरण का हुआ आयोजन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिषन के अन्तर्गत जनपद में पदस्थ शाखा प्रबन्धकों का एक दिवसीय सूक्ष्म वित्त एवं वित्तीय समावेषन कार्यषाला/ उन्मुखीकरण का आयोजन तुलसी सदन (हादीहाल) में किया गया। कार्यषाला का उद्देष्य बैंक क्रेडिट लिंकेज के वित्तीय लक्ष्यों की पूर्ति हेतु सूक्ष्म वित्त एवं वित्तीय समावेषन विषय सम्बन्धित जानकारी शाखा प्रबन्धकों और समूह के पदाधिकारियों को प्रदान करना, समूह के खाते और बैंक लिंकेज सम्बन्धी समस्त प्रष्नों को समाहित करते हुये प्रषिक्षण प्रदान करना था। कार्यक्रम का उद्घाटन जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल द्वारा किया गया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल ने गांव की समग्र आर्थिक समृद्धि हेतु समूह बनाने

शाखा प्रबंधकों को प्रषस्ति पत्र देते जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल।

और इनकी भूमिका को और अधिक बढ़ाने हेतु शाखा प्रबन्धकों, ब्लॉक मिषन प्रबन्धकों को प्रेरित करते हुये कहा कि समूहों व फेडरेषन की क्षमता को समझते हुये बैंक लोकल इकोनॉमी को और बढ़ायें। बैंकों के फील्ड मैनेजर या कृषि अधिकारी समूह के वेरीफिकेषन के साथ उनकी समग्र क्षमता वृद्धि का भी कार्य करें।

कृषि एवं कृषि से सम्बन्धित गतिविधियों को बढ़ावा दें। इस अवसर पर विभिन्न बैंकों के 15 उत्कृष्ट कार्य कर रहे शाखा प्रबन्धकों को जिलाधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी ने प्रषस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में 164 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

मार्ग दुर्घटना में दो घायल

प्रतापगढ़। कंधई थाना क्षेत्र के पिपरी खालसा मोड़ के पास बीती रात ई रिक्शा और कंटेनर गाड़ी में जोरदार भिड़ंत होने से दो लोग गंभीर रुप से घायल हो गये। घायलों को जिला अस्पताल ले जाया गया जहां उनका इलाज चल रहा है। बता दें कि बीती रात करीब साढे.आठ बजे कंधई थाना क्षेत्र के पिपरी खालसा मोड के पास ई रिक्शा में पीछे से जोरदार टक्कर मारकर कंटेनर गाड़ी फरार हो गया जिसमं मोहम्मद हफीज (50) पुत्र इदरीश ताला बाजार व दूसरा राममिलन (60) वर्ष पुत्र रामसजीवन पिपरी खालसा निवासी घायल हो गये। स्थानीय लोगों की मदद से 108 एम्बुलेंस से घायलों को जिला अस्पताल भेजा गया। बता दें कि ये लोग ई रिक्शा से घर के पास पिपरी मोड पहुँचे थे तभी चिलबिला से पट्टी की तरफ तेज रफ्तार से जा रही कंटेनर गाड़ी पीछे से टक्कर मारकर फरार हो गई। कंधई पुलिस को घटना की जैसे ही सूचना मिली, कंटेनर गाड़ी को वीरमऊ चैकी बूथ के पास से पकड़कर कंधई थाने लाया गया।

पीठासीन व मतदान कार्मिकों को दिया गया प्रशिक्षण

चार अगस्त को छह विकास खण्डों में होगा उपचुनाव

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। राज्य निर्वाचन आयोग उत्तर प्रदेश के निर्देश पर जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ नितिन बंसल एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी ईशा प्रिया के नेतृत्व में शुक्रवार को अफीम कोठी प्रतापगढ़ में पंचायत सामान्य उप निर्वाचन 2022 के लिए पीठासीन एवं मतदान कार्मिकों की एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण दो पारियों में संपन्न हुई। प्रशिक्षण में लगभग 200 लोगों ने प्रतिभाग किया।

प्रशिक्षण में सुपर मास्टर ट्रेनर्स के रूप में डॉ मोहम्मद अनीस एवं एआरपी धर्मेंद्र कुमार ओझा रहे। टेक्निकल मास्टर ट्रेनर के रूप में अनिल सिंह एवं अशोक शुक्ला रहे। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि यह उपचुनाव जनपद में 04 अगस्त 2022 को 6 विकास खंडों कुंडा, बाबागंज, लक्ष्मणपुर, मंगरौरा, गौरा और शिवगढ़ में प्रधान बीडीसी एवं ग्राम पंचायत सदस्य के निर्वाचन एवम् अन्य प्रपत्र उसी विकास खंड में जमा किया जाएगा। इस अवसर पर ओम प्रकाश मिश्रा जिला विकास अधिकारी प्रतापगढ़, शिव

प्रशिक्षण में मौजूद पीठासीन अधिकारी व मतदान कार्मिकगण।

को निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया जाएगा।

सभी पार्टियां संबंधित विकास खंड मुख्यालय से 03 अगस्त 2022 को प्रातः11 बजे रवाना होंगी और निर्वाचन की समाप्ति के बाद शील्ड मत पेटी प्रकाश प्राचार्य अफीम कोठी प्रतापगढ़, डॉ विंध्याचल सिंह प्रधानाचार्य राजकीय इंटर कॉलेज बरहदा प्रतापगढ़, दीनानाथ द्विवेदी योगेश शुक्ला और प्रशिक्षु कार्मिक उपस्थित रहे।

नेत्र शिविर में 150 मरीजों का हुआ परीक्षण

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। विकास क्षेत्र कालाकांकर की ग्राम पंचायत परियावां के पँचायत भवन में शुक्रवार को एक संस्थान द्वारा एक दिवसीय निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया जिसमें आस पास क्षेत्र के लगभग 150 लोगो का नेत्र परीक्षण किया गया। नेत्र परीक्षण में सेवा संघ ट्रस्ट चित्रकूट की तरफ से डॉ पंकज गुप्ता की छह सदस्यीय चिकित्सक जांच टीम ने नेत्र परीक्षण किया तथा संस्थान द्वारा मुफ्त दवा वितरण किया। निःशुल्क मोतियाबिन्द के ऑपरेशन के लिए 9 मरीजों को आपरेशन के लिए अपने साथ चित्रकूट ले गए, बाकी अन्य मरीजों को दवा देकर घर भेज दिया गया। कार्यक्रम में संस्था के संस्थापक लवलेश कुमार, अध्यक्ष राहुल कुमार, ट्रस्टी विनोद कुमार, डॉ राम प्रताप, नवल किशोर उर्फ कक्कू, विजय किशोर अग्रहरि, अनिल मौर्य ग्राम प्रधान परियावां, कोमलचन्द, पवन, प्रखर, उदयभान, रिंकू, सचिन, संदीप, अमरेश, दिनेश, सुनील, हरिश्चंद्र, उमेश चंद्र, अभिषेक, व संस्था के सभी सदस्य मौजूद रहे।

पूर्व उप मुख्यमंत्री दिनेश शर्मा का कार्यकर्ताओ ने किया स्वागत

अखंड भारत संदेश

परियावां। भाजपा के पूर्व डिप्टी सीएम दिनेश शर्मा शुक्रवार की सुबह बाई कार द्वारा लखनऊ से चित्रकूट जाते समय नवाबगंज थाना के निकट जगरूप नगर में भाजपा कार्यकर्ताओ ने उप मुख्यमंत्री के काफिले को रोककर स्वागत किया। उप मुख्यमंत्री ने कार्यकताओं को मिशन 2024 लोक सभा चुनाव में जुटने के लिए दिशा निर्देश भी दिया और कम प्रतिशत वाले पोलिंग बूथ पर मतदान का प्रतिशत बढ़ाने पर जोर देते हुये घर घर जाकर भाजपा की उपलब्धियां बताकर मतदाताओ को जागरूक करने की भी बात

पूर्व उप मुख्यमंत्री दिनेश शर्मा से मुलाकात करते कार्यकर्ता।

कही। भाजपा मण्डल कुसुवापुर अध्यक्ष मोहित मिश्रा व उपाध्यक्ष मुखिया शुभम सोनकर व भाजपा जिला मन्त्री पवन गौतम ने क्षेत्र की समस्याओं को अवगत कराया। कार्यकर्ताओ से रूबरू होने के बाद चित्रकूट के लिये वे रवाना हो गए। इस मौके पर कुसुवापुर मण्डल प्रभारी डॉ मनोज पाण्डेय, ग्राम प्रधान रामखेलावन पटेल (जनवामऊ), धर्मेंद्र मिश्रा, तारीख फारूकी, अनुज शुक्ला, रमाकान्त तिवारी, संजय मौर्य, प्रकाश मौर्य, लवकुश कुमार, जय प्रकाश शुक्ला, सहित दर्जनों कार्यकर्ता के साथ नवाबगज पुलिस दल बल के साथ मौजूद रही।

अमृत महोत्सव की सौगात, एक अगस्त से चलेगी आरपी ट्रेन

यात्रियों और ट्रेन मैनेजर में खुशी की लहर

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। लखनऊ-प्रयागघाट अब प्रयागराज संगम के बीच डेली चलने वाली आरपी यानी 54253-54 पीआरएल पैसेंजर ट्रेन जो करीब पांच सालों से बंद थी पुनः एक अगस्त से(ट्रेन नंबर 04255-56) चलेगी। पैसेंजर ट्रेन के चलाने की चिट्ठी शुक्रवार को लखनऊ मंडलीय कार्यालय ने जारी कर दी है। इसकी जानकारी होते ही ट्रेन के चलने की उम्मीद छोड़ चुके मुसाफिरों में खुशी की लहर है। प्रतापगढ़ के गार्डों में ही हर्ष व्याप्त है। लोगो का कहना है कि रेलवे ने प्रतापगढ़ वालों को आजादी का अमृत महोत्सव की सौगात दी है।

पीआरएल लखनऊ और प्रयागराज संगम को जोड़ने वाली एक मात्र पैसेंजर ट्रेन है। कम किराए के साथ छोटे बड़े सभी स्टेशनों पर रुकने और टाइमिंग की वजह से यह हर वर्ग के यात्रियों को सहूलियत देने वाली है। आम यात्री से लेकर किसान, स्टूडेंड, वकील, बिजनेसमैन सभी की चहेती रही है। लेकिन किन्हीं कारणों से रेलवे ने इसे पांच सालों से बंद कर रखा था। हालांकि बीच बीच में कुछ समय के चल जाती थी। फिर बंद हो जाती। एक अगस्त से इसे फिर से चलाने की तैयारी है। प्रयागराज संगम जाते समय सुबह दस बजकर पचपन मिनट पर प्रतापगढ़ और लौटते समय शाम चार पचपन पर प्रतापगढ़ पहुंचेगी। सीनियर डीसीएम रेखा शर्मा ने बताया कि ट्रेन एक अगस्त से चल रही है।

अटठारह वर्षों से घुइसरनाथ धाम में अर्पित कर रहे है संगम का जल

प्रयागराज के लिए रवाना हुआ कांवड़ियों का समूह, ग्रामीणों ने पुष्प वर्षा कर किया विदा

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। शुकवार को बेवली गाँव से एक कांवड़ियों का समूह प्रयागराज के लिए रवाना हुआ। गॉव के लोगों ने शिव भक्तों पर पुष्प वर्षा कर श्रद्धालुओं को विदा किया। स्थानीय क्षेत्र से आरडी कांवड़ यात्रा का समूह विगत अटठारह वर्षों से सावन माह में प्रयागराज स्थित संगम से जल को लेकर लगभग एक सौ दस किमी की दूरी को पैदल चलकर बाबा घुइसरनाथ धाम में जलाभिषेक करता आ रहा है।

डीजे की धुन पर बाबा के दर्शन के आतुर भोलेनाथ के भक्त झूमते

संगम का जल लेने के लिये रवाना होते कांवड़िये।

हुए जैसे ही गांव से रवाना हुआ, वैसे ही समूचा गांव जय भोलेनाथ के जयकारों से शिव भक्ती में रम गया। कांवड़ यात्रा शिव भक्ति का मुख्य साधना का साधन है। कांवड़ यात्रा मे शिव साथ-साथ चलते हैं। मान्यता है कि सावन माह में भोलेनाथ पर जल अर्पित करने वाले श्रद्धालु धन्य होते हैं। संघ के अध्यक्ष राज कुमार सिहं ने बताया कि शुक्रवार की शाम संगम से जल भर कर बाबा घुइसरनाथ धाम के लिए प्रस्थान करेंगे। लगभग अड़तालिस घंटे की यात्रा के बाद रविवार की शाम बाबा धाम शिव भक्तों का समूह पहुँच जायेगा। सोमवार की भोर में जलाभिषेक किया जायेगा। अभय सिंह, शिव, लाल बहादुर वर्मा, संजय सिंह, आंसू, महेन्द्र सिंह, संजय, शिवम पाण्डेय, हर्षित, सीतू, पुष्पराज समेत लगभग तीन दर्जन शिव भक्त भगवा मय दिखे।

इलाज के दौरान बीमार की मौत, परिजनों ने क्लीनिक पर किया हंगामा

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। इलाज के दौरान बीमार की मौत को लेकर शुक्रवार को बाबूगंज बाजार में अफरातफरी का माहौल बन गया। जेठवारा थाना के बरापुर रानी का पुरवा निवासी कन्धई सरोज 60 पुत्र भगौती सरोज की तबीयत खराब थी। शुक्रवार को दिन मे करीब बारह बजे परिजन कन्धई का इलाज कराने बाबूगंज मे एक क्लीनिक पर पहुंचे। यहां चिकित्सक ने सांस की बीमारी को लेकर मृतक को इंजेक्शन लगाया।

कन्धई की हालत खराब देख परिजन आननफानन मे उसे लेकर लालगंज ट्रामा सेण्टर पहुंचे। यहां चिकित्सकों ने कन्धई को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजन फिर बाबूगंज बाजार में क्लीनिक पर पहुंच गये और टेम्पो पर कन्धई का शव रखकर चिकित्सक के खिलाफ आक्रोश जताने लगे। परिजन चीख रहे थे कि चिकित्सक के द्वारा गलत सुई लगाये जाने से कन्धई की मृत्यु हो गयी। परिजनों के आक्रोश व हंगामे को देख क्लीनिक के सामने

हालत खराब देख परिजन आननफानन मे उसे लेकर लालगंज ट्रामा सेण्टर पहुंचे। यहां चिकित्सकों ने कन्धई को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजन फिर बाबूगंज बाजार में क्लीनिक पर पहुंच गये और टेम्पो पर कन्धई का शव रखकर चिकित्सक के खिलाफ आक्रोश जताने लगे।

भारी भीड जुट गयी। सहमा चिकित्सक घर के अंदर अपने को बंद कर लिया। सूचना मिलने पर लीलापुर थाना से फोर्स पहुंची। पुलिस ने आक्रोशित परिजनों को काफी देर समझाया बुझाया तो करीब दो घंटे बाद परिजन कन्धई का शव लेकर घर चले गये। लीलापुर थानाध्यक्ष विनीत उपाध्याय भी बाबूगंज बाजार पहुंचे और कन्धई का इलाज करने वाले बाजार के चिकित्सक डा. हबीबउल्ला से पूछताछ कर उनका बयान दर्ज किया।

लीलापुर एसओ मृतक के घर भी पहुंचे किन्तु परिजनों ने परिवार के किसी सदस्य के बाहर होने की स्थिति में शव का पीएम कराने से मना कर दिया। मृतक के शव के पीएम कराये जाने को लेकर देर शाम तक उहापोह की स्थिति बनी दिखी। हालांकि अभी परिजनो ने घटना को लेकर पुलिस को कोई तहरीर नही दी है।

जूबाए के पूर्व अध्यक्ष के पिता का हुआ निधन

प्रतापगढ़। जूनियर बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष व अधिवक्ता उच्च न्यायालय खंड पीठ लखनऊ विनोद कुमार पांडेय एडवोकेट के पिता कैप्टन जे पी पांडेय का शुक्रवार को लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। उन्होंने लखनऊ के लोहिया अस्पताल में अंतिम सांस ली। उनके पार्थिव शरीर को पैतृक गांव प्रतापगढ़ के सराय इंद्रावत लाया जा रहा है। वहां से श्रृंगवेरपुर में अंतिम संस्कार किया जाएगा।

अमृत महोत्सव में आरपीएफ ने लगाए पौधे

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के मद्देनजर रेलवे सुरक्षा बल प्रतापगढ़ की अगुवाई में वृहद पौधरोपण कार्यक्रम की शुरूआत शुक्रवार को स्थानीय रेलवे स्टेशन के पार्क से हुई, जिसमें जवानों ने कई फलदार और छायादार पौधों को लगाया। बच्चा बैंक फ्रेंड्स ग्रुप, बीबीएफजी ने इन पौधों को संरक्षित करने के लिए इंगल से तैयार किए गए ट्री गार्ड की व्यवस्था की। ताकि इन्हें किसी तरह का नुकसान न होने पाएं।

रेलवे सुरक्षा बल की तरफ से अमृत महोत्सव के मद्देनजर समय समय पर कोई न कोई सामाजिक आयोजन हो ही रहा है। इसी कड़ी में पौधरोपण का कार्यक्रम भी था। जिसकी शुरूआत रेलवे स्टेशन पार्क से हुई। इंस्पेक्टर सीपी मिश्रा के नेतृत्व में स्टाफ ने पौधरोपण कार्य। जिसमें एसआई मंजीत डबास, सीपी दूबे और रवींद्र यादव शामिल रहे। पौधों बिना नुकसान के अच्छे से बढ़े इसके लिए बच्चा बैंक फ्रेंड्स ग्रुप के सहयोगी भरत यादव ने ट्री गार्ड लगवाए। इंस्पेक्टर सीपी मिश्रा ने पर्यावरण बचाने के लिए पेड़ लगाना जरूरी है। उन्होंने बताया की पौधरोपण का कार्यक्रम चलता रहेगा। जिसमें भंगवा में

पौधो को सजोने की पहल बच्चा बैंक ने लगाए ट्री गार्ड

रेलवे स्टेशन के पाक में पौधरोपण करते आरपीएफ इंस्पेक्टर ।

स्टडी सेंटर में भी पौधे लगाएं जाने का कार्यक्रम रखा गया है। बच्चा बैंक के सहयोगियों ने पौधरोपण से पूर्व पार्क की साफ सफाई की।

सह जिला विद्यालय निरीक्षक ने कई स्कूलों का किया निरीक्षण

प्रतापगढ़। शुक्रवार को सह जिला विद्यालय निरीक्षक प्रतापगढ़ एसपी द्विवेदी द्वारा तहसील कुंडा स्थित जनता इंटर कालेज वलीपुर हीरागंज, इंटर कालेज बाबागंज और वैष्णो देवी इंटर कालेज गोदाही का औचक निरीक्षण किया गया। जनता इंटर कालेज वलीपुर हीरागंज में विद्यार्थियों की उपस्थिति संतोषजनक पाई गई,लेकिन शैक्षिक गुणवत्ता मानक के अनुरूप नहीं पाई गई, जिसके सुधार के लिए प्रधानाचार्य को आवश्यक निर्देश दिया गया।

अपर पुलिस महानिदेषक ने जिले के तीन थानों का किया वर्चुअल उद्घाटन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिले के तीप थानों का वर्चुअल के माध्यम से अपर पुलिस महानिदेषक प्रयागराज जोन ने उद्घाटन किया जिसमें लीलापुर, देल्हूपुर व दिलीपपुर शामिल हैं। इस दौरान जिले में बने कई आदर्श पुलिस बूथों का भी उद्घाटन किया।

पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल ने लीलापुर में नवनिर्मित थाने में पहुंचकर विधि विधान से

आदर्श पुलिस बूथों का भी किया गया उद्घाटन

लीलापुर थाने का फीता काटकर उद्घाटन करते थाना प्रभारी विनीत कुमार

थाना प्रभारी विनीत कुमार उपाध्याय से फीता कटवाकर उद्घाटन करवाया, जिसके बाद एसपी ने थाने का निरीक्षण कर कार्यभार व व्यवस्था का जायजा लिया। इसी क्रम में कप्तान ने विनीत कुमार को थानाध्यक्ष की कुर्सी पर बैठाकर बेहतर पुलिसिंग के लिये बधाई दी। इसके बाद एसपी ने पुलिस कर्मियों से विचार विमर्श किया। उन्होंने थाना के अन्तर्गत आने वाले गांवों को बेहतर सुरक्षा व्यवस्था देने का आष्वासन दिया है। बता दें कि वाराणसी-लखनऊ राजमार्ग पर स्थित लीलापुर थाने का उद्घाटन करने के बाद पुलिस अधीक्षक ने कहा कि थाना सर्जित हो जाने के बाद लोगों को सहूलियतें मिलेगी और अपराध में कमी आएगी तथा लीलापुर समेत आसपास के ग्रामीणों को अब लालगंज कोतवाली जाने की आवष्यकता नहीं पडेगी। इस मौके पर लालगंज क्षेत्राधिकारी रामसूरत सोनकर, मोहनगंज चैकी प्रभारी शत्रुघ्न वर्मा, तेजगढ़ कमरवा चैकी प्रभारी देवी दयाल कश्यप के अलावा गांव के ग्रामीण मौजूद रहे।

जहरीले जंतु के काटने से युवक की हुई मौत, परिजनों में मचा कोहराम

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। रात के समय चारपाई पर सो रहे एक युवक को किसी जहरीले जंतु ने डस लिया। उसने यह बात अपने परिजनों को बताई तो परिजन उसे झाड़-फूंक कराने के लिए सुल्तानपुर लेकर चले गए लेकिन कोई राहत नहीं मिलने पर उसे अस्पताल ले गए , जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया दुकान चलाकर परिवार का भरण पोषण करने वाले युवक की मौत के बाद परिजनों में कोहराम मच गया।

पट्टी तहसील क्षेत्र के कंधई थाना अंतर्गत रखहा बाजार का रहने वाला राजेंद्र कुमार पुत्र शिवकुमार रखहा बाजार में एक गुमटी में किराने की तथा पान की दुकान लगाकर अपना भरण-पोषण करता था। गुरुवार की रात को वह अपने घर पर चारपाई पर सो रहा था तभी सुबह के समय में किसी जहरीले जंतु ने उसके सिर में काट लिया । जिससे उसकी नींद खुल गई और यह बात उसने अपने परिजनों को बताई। परिजन आनन-फानन में उसे अस्पताल की बजाए सुल्तानपुर में किसी झाड़-फूंक करने वाले के पास ले गए, लेकिन उसकी तबीयत में कोई सुधार नहीं हुआ, उसके बाद परिजन उसे वहां से प्रतापगढ़ जिला मेडिकल कॉलेज ले गए लेकिन तब तक की मौत हो चुकी थी। युवक की मौत के बाद परिजन बिलखने लगे।

गंगा नदी में नहाते समय युवक डूबा

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। गंगा नदी में नहाते समय एक युवक डूब गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय मछुआरे की मदद से युवक को बरामद करने का प्रयास किया लेकिन खबर लिखे जाने तक युवक की कोई सूचना नहीं मिली। बता दें कि सांगीपुर थाने के नौगीर के नरेन्द्र पाण्डेय का 30 वर्षीय पुत्र विकास पाण्डेय शुक्रवार को हथिगवां थाना क्षेत्र के कोलकाता दिल्ली बाईपास धीमी स्थित गंगा पुल के पास गंगा नदी में नहाने गया था। इस दौरान पैर फिसल जाने से वह नदी में समा गया। आसपास के लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय मछुआरों की मदद से युवक को बरामद करने का प्रयास किया। एसओ हथिगवां ने स्थानीय स्तर पर स्टीमर कर प्रबंध कर मछुआरों और पुलिस की मदद से खोजबीन में जुटे रहे। रेंज कंट्रोल से सम्पर्क के बाद श्रृंगवेरपुर में स्थित जल पुलिस को भी एलर्ट किया गया, लेकिन समचार लिखे जाने तक युवक की तलाष नहीं हो सकी।

खबर संक्षेप

गुरू गोविन्द सिंह राष्ट्रीय एकता पुरस्कार हेतु करें आवेदन

कौशाम्बी। शासन द्वारा वर्ष-2022-23 के लिए गुरू गोविन्द सिंह राष्ट्रीय एकता पुरस्कार हेतु प्रस्ताव आमन्त्रित किये गये हैं प्रदेश में निवासरत व्यक्तियों में से कोई व्यक्ति जिसने मानवाधिकारों की रक्षा सामाजिक न्याय एवं राष्ट्रीय एकीकरण के क्षेत्र में सर्वोत्कृष्ट कार्य किया हो तथा इस हेतु पूर्णतः समर्पित रहें हो को सार्वजनिक रूप से सम्मानित करने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार द्वारा गुरू गोविन्द सिंह के जन्म दिवस (05 जनवरी) पर गुरू गोविन्द सिंह राष्ट्रीय एकता पुरस्कार प्रदान किये जाने व रुपए एक लाख का नगद पुरस्कार तथा प्रशस्ति पत्र दिये जाने की व्यवस्था की गयी है जनपद के इच्छुक पात्र महानुभाव गुरू गोविन्द सिंह राष्ट्रीय एकता पुरस्कार हेतु आवेदन कर सकतें हैं तथा अधिक जानकारी शासन की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

पेट्रोल पंप में घटतौली से ग्राहक परेशान

पश्चिम शरीरा कौशाम्बी। मंझनपुर तहसील क्षेत्र के महेवा घाट थाना अंतर्गत भगत का पूरा स्थित इंडियन ऑयल के पेट्रोल पंप में चिप लगाकर ग्राहकों को पेट्रोल डीजल की नाप की जाती है घटतौली से इलाके के ग्राहक परेशान हैं कई बार मामले की शिकायत ग्रामीणों ने इंडियन ऑयल के अधिकारियों से की लेकिन उसके बाद भी पेट्रोल पंप संचालक की घटतौली पर रोक नहीं लगी है बताया जाता है कि पेट्रोल पंप में मीटर जंप करके 5 पॉइंट पर पहुंच जाता है इस बात को ग्राहक बखूबी जानते हैं बार-बार शिकायत के बाद भी पेट्रोल पंप को सीज नहीं किया गया है लोगों ने डीएम का ध्यान आकृष्ट कराते हुए इंडियन आयल के भगत का पूरा स्थित पेट्रोल पंप की जांच करा कर सीज कर पंप संचालक पर मुकदमा दर्ज कराए जाने की मांग की है।

गृहस्वामी के जाग जाने पर भागे चोर

चरवा कौशाम्बी। चरवा थाना क्षेत्र के कटरा रैयादेह माफी गांव में 27 जुलाई की आधी रात को अशोक कुमार पासी पुत्र असरफी लाल के घर चोर घुस गए और सन्दूक खोलने लगे आवाज सुनकर परिजन जाग गए जब परिजनों ने हल्ला मचाया तो चोर घर से भाग गए हैं बताया जाता है कि चोरी का प्रयास पड़ोसियों ने किया है गृह स्वामी का कहना है कि इसके पहले भी दो बार चोरी का प्रयास हो चुका है मामले की सूचना थाना पुलिस के साथ 112 डायल को दी गई है।

होम्योपैथिक चिकित्सकों की तैनाती की मांग

कौशांबी। जिले में 7 होम्योपैथिक चिकित्सालय संचालित है लेकिन शासन ने दो चिकित्सकों का स्थानांतरण कर दिया एक चिकित्सक रिलीव हो चुके हैं और एक चिकित्सक जल्द ही रिलीव हो जाएंगे जिससे जिले के दो होम्योपैथी अस्पताल में चिकित्सकों की कमी होगी अतिरिक्त जिम्मेदारी देकर चिकित्सकों से विभिन्न अस्पतालों का संचालन तो किया जा रहा है लेकिन इससे मरीजों को पूरी तरह से इलाज नहीं मिल पाता है बताते चलें कि मंझनपुर होम्योपैथिक अस्पताल के चिकित्सक का स्थानांतरण गैर जनपद हो चुका है और पिपरी में तैनात चिकित्सक का स्थानांतरण कर दिया गया है जिले की जनता ने दोनों चिकित्सालयों में चिकित्सकों की तैनाती की मांग की है।

चेकिंग के दौरान कार्यवाही

कौशाम्बी। पुलिस अधीक्षक के निर्देश के क्रम में जनपद स्तर पर विभिन्न थानों व यातायात पुलिस द्वारा यातायात नियमों का पालन न करने वालों के विरुद्ध सघन चेकिंग की गई एंव चेकिंग के दौरान दो पहिया व चार पहिया वाहनों को चेक किया गया जिसमे यातायात नियमों का उल्लघन करने वाले 205 वाहनों का ई-चालान व एक वाहन का चालान कर 500 रुपए सम्मन शुल्क वसूला गया।

आक्रोश : सड़क पर आधी रात को उतरे बिजली कटौती से त्रस्त उपभोक्ता

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। जिले में बिजली कटौती और बार-बार ट्रिपिंग से आम जनता उपभोक्ता आजिज आ गए हैं अब आम जनता का गुस्सा फूट पड़ा है और वह सड़क पर पड़ी है उपभोक्ताओं का कहना है कि पूरा विद्युत बिल दिए जाने के बाद आधी सप्लाई भी नहीं मिल पाती है और आधी सप्लाई देने वाला विभाग विद्युत बिल में कटौती भी नहीं करता है लगातार उपभोक्ता बिजली समस्या को लेकर विभागीय अधिकारी से लेकर प्रशासनिक अधिकारी तक अपनी शिकायत दर्ज करा रहे हैं लेकिन शिकायत दर्ज कराने के बाद भी विद्युत समस्या का समाधान नहीं हो रहा है जिससे जनता का आक्रोश उबल गया और मूरतगंज में लोगों ने बिजली की कटौती से तंग आकर रात 11:00 बजे मुख्य सड़क पर चक्का जाम कर दिया चक्का

मूरतगंज कस्बे में मुख्य रोड पर

आधी रात को चक्का जाम करते ग्रामीण

आधी रात को सैकड़ों जनता ने सड़क पर जाम लगा दिया बिजली विभाग के खिलाफ जमकर नगर वासियों ने नारेबाजी की जिससे आवागमन बाधित हो गया जाम की जानकारी मिलते ही कोखराज पुलिस मौके पर पहुंची और चक्का जाम कर रहे नगर के आक्रोशित लोगों को समझा-बुझाकर चक्का जाम खत्म कराया सैता पावर हाउस जाकर बिजली विभाग के अधिकारियों से बिजली चालू कराने की लिए थाना प्रभारी और सीओ अवधेश विश्वकर्मा ने निर्देश दिए क्षेत्राधिकारी ने लोगों से कहा यदि फिर से चक्का जाम किया गया तो उपद्रियो के खिलाफ कानूनी कार्यवाही करने को पुलिस मजबूर होगी उन्होंने कहा चक्का जाम करना कानूनन अपराध है यदि कोई समस्या है तो संबंधित अधिकारी से मिलकर अपनी बात रखकर समस्या का समाधान कराएं पुलिस अधिकारियों के समझाने के बाद नगरवासी चक्का जाम समाप्त कर अपने घर वापस लौट गए।

प्रधानपति पर फर्जी मुकदमा दर्ज करने की पुलिस रच रही है साजिश

पश्चिम सरीरा कौशांबी। पश्चिम शरीरा थाना क्षेत्र के रकसौली गांव की प्रधान के पति सतनारायण तिवारी के विरुद्ध पुलिस लगातार फर्जी मुकदमा दर्ज करने की साजिश रच रही है आरोप है कि पहले भी विपक्षियों से साजिश रच कर पुलिस ने गम्भीर धाराओं में प्रधान पति पर मुकदमा दर्ज किया था और अब पुलिस प्रधान पति सत्यनारायण के विरुद्ध गुंडा एक्ट की कार्यवाही कर रही है जिस पर उनके बेटे विवेकानंद तिवारी ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर फर्जी मुकदमा पर रोक लगाने की मांग की है।

गांजा के साथ गिरफ्तार

कौशाम्बी। जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना महेवाघाट पुलिस बल द्वारा अभियुक्त शिव नरेश द्विवेदी पुत्र ओमकार नाथ द्विवेदी निवासी नौगावा थाना महेवाघाट को 600 ग्राम नाजायज गांजा के साथ गिरफ्तार कर बरामदगी के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया है।

दूध, दही, घी एवं पनीर में मिलावट खोरी चरम सीमा पर

कौशाम्बी। गुलाबी नोट की गड्डी के आगे फूड इंस्पेक्टर शायद यह भूल गए होंगे कि उन्हें किस कार्य के लिए शासन ने नियुक्त किया है और वह जिस कार्य में लिप्त हैं वह कार्य सही है या गलत। फूड इंस्पेक्टर और मिलावटखोर दुकानदारों का लंबा गठजोड़ लोगों की थाली में जहर परोसने का कार्य कर रहा है जिससे लोग गंभीर बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। अच्छी सेहत बनाने के लिए लोग दूध, दही, घी एवं पनीर का सेवन बड़े ही चाव के साथ करते हैं लेकिन उन्हें क्या पता उनकी मंशा पर पानी फेरने का काम मिलावटखोर दुकानदार कर रहे हैं। कम समय में अमीर बनने का सपना देखने वाले मिलावटखोर दुकानदार दूध, दही, घी एवं पनीर में फैट बढ़ाने के लिए घातक केमिकल, फार्च्यून तेल, वाशिंग पावडर सहित आदि चीजों का मिश्रण कर लोगों की जिंदगी धीरे - धीरे तबाह कर रहे हैं। फूड इंस्पेक्टर मिलावटखोर दुकानदारों का साथ बड़ी शिद्दत के साथ देते हैं जिसके चलते आज तक किसी भी मिलावटखोर बड़े दुकानदारों के ऊपर कानूनी कार्यवाही नही हो सकी है। दूध, दही, घी एवं पनीर में घातक केमिकल, फार्च्यून तेल एवं वाशिंग पावडर के मिश्रण से लिवर, किडनी सहित मानव शरीर के अन्य अंग बड़ी तेजी के साथ प्रभावित हो रहे हैं। फूड इंस्पेक्टर कर्तव्यों का पालन करने के बजाए वह माहवारी रकम वसूलने तक सीमित रह गए हैं। मनौरी ,चायल तिल्हापुरमोड़ सराय अकिल मूरतगंज भरवारी सहित सिराथू क्षेत्र के अझुवा सैनी दारा नगर टेडीमोड कड़ा सिराथू उद्दीन गुलामीपुर मंझनपुर क्षेत्र के पश्चिम सरीरा कुम्हियावा मंझनपुर मुख्यालय टेवा समदा स्थित अधिकतर दुकानदार मिश्रित दूध, दही, घी एवं पनीर का विक्रय करते हैं।

न्यूज झरोखा

शिक्षक डॉ रविंद्र कुमार सिंह और युवा छात्र मुकुल कुमार राष्ट्रीय स्तर पर किए गए सम्मानित

कौशाम्बी। श्री दुर्गा देवी इंटर कॉलेज ओसा मंझनपुर के शिक्षक डॉ रविंद्र कुमार सिंह व 12वीं का छात्र मुकुल कुमार को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है यह सम्मान छात्र मुकुल कुमार द्वारा बनाए गए इको फ्रेंडली ए सी मॉडल के लिए दिया गया है। 47 वीं जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय विज्ञान गणित पर्यावरण प्रदर्शनी 2022 में, छात्र मुकुल कुमार द्वारा बनाया गये मॉडल ने सभी पैनलिस्ट का ध्यान आकर्षित किया, गौरतलब हो कि वर्तमान समय में बढ़ रहे पर्यावरण प्रदूषण एवं ग्लोबल वार्मिंग की चुनौतियां से निपटने में छात्र द्वारा बनाया गया मॉडल इन चुनौतियों से निपटने में काफी सहायक है जिसके लिए उसे सर्वोच्च शैक्षिक नियामक संस्था एनसीईआरटी ने विद्यालय के शिक्षक एवं छात्र दोनों को इस सम्मान के लिए चुना है, विद्यालय के प्रधानाचार्य चुन्नीलाल सरोज ने प्रार्थना स्थल पर प्रमाण पत्र देते हुए अन्य छात्र-छात्राओं को भी सीख लेने की नसीहत दी तथा आधुनिक युग में इस प्रकार के खोजों को बढ़ावा देने के लिए संस्था का आभार व्यक्त किया।

बिना नंबर प्लेट के 11 ई-रिक्सा को पुलिस ने किया सीज

कौशाम्बी। बिना नंबर प्लेट के सड़कों पर ई-रिक्शा फरार्टा भर रहे थे जिनसे दुर्घटना की संभावना भी होती है पुलिस उपमहानिरीक्षक यातायात के निर्देश पर यातायात पुलिस कौशांबी सक्रिय हुई और उपनिरीक्षक यातायात धीरज जायसवाल ने मंझनपुर चौराहे से 11 ई-रिक्शा बिना नंबर की जांच करने के बाद सीज कर दिया है यातायात पुलिस द्वारा बड़ी तादाद में ई-रिक्शा सीज जाने के बाद वाहन चालकों में हड़कंप मच गया है सीज किए गए ई रिक्शा को पुलिस ने मंझनपुर कोतवाली पुलिस के सुपुर्द कर दिया है।

ट्रक ने कार सवार को मारी टक्कर

भरवारी कौशांबी। कोखराज थाना क्षेत्र के रोही रेलवे ओवर ब्रिज के पास कार सवार को तेज गति अनियंत्रित ट्रक चालक ने टक्कर मार दी है टक्कर मारने के बाद कार ट्रक में फंस गई और काफी दूर तक कार को ट्रक घसीटते ले गई है हादसा देख कर मौके पर आसपास के लोगों की भीड़ लग गई है हालांकि इस हादसे में किसी को गंभीर चोट नहीं आई है बताया जाता है कि कार चालक कानपुर के निवासी हैं।

650 ग्राम गांजा के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

अझुवा कौशाम्बी। मुखबिर की सटीक सूचना पर सैनी कोतवाली के अझुवा चौकी इंचार्ज गौरव त्रिवेदी ने 650 ग्राम गांजा के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है जानकारी के अनुसार एक युवक संदिग्ध दशा में टाण्डा पुल पर खड़ा था पुलिस को देखकर युवक भागने लगा जिसे चौकी के जवानों ने दौड़ाकर धर दबोचा युवक की तलाशी लेने पर 650 ग्राम नाजायज गांजा बरामद हुआ युवक की पहचान सैनी कोतवाली के कानेमाई निवासी अर्जुन पुत्र फूल सिंह: के रूप हुई है अझुवा चौकी पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर न्यायालय को सुपुर्द किया है।

अमृत महोत्सव : राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की बैठक सम्पन्न

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। देश की आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के पावन अवसर पर विद्यालयों में आयोजित हो रहे आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम में शिक्षकों द्वारा देश की आजादी पर न्यौछावर होने वाले आजादी के नायक शहीदों के परिवारों को विद्यालय बुलाकर सम्मानित किया जाएगा। आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने के पावन अवसर पर आजादी का अमृत महोत्सव 1 अगस्त को मनाए जाने के संबध मे शुक्रवार को मंझनपुर में राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिला व ब्लॉक पदाधिकारियों की बैठक की गयी तथा आजादी का अमृत महोत्सव आयोजन करने मनाने की वृहद रूपरेखा तैयार की गयी राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ कौशाम्बी के जिला संयोजक ओम दत्त त्रिपाठी द्वारा बताया गया कि आगामी एक अगस्त को अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के आह्वान पर देश भर के एक लाख विद्यालयों में स्वतंत्रता का अमृत महोत्सव मनाने के निर्देश प्राप्त हुए हैं

बैठक में भव्य आयोजन को लेकर जिला स्तरीय ब्लाक स्तरीय आयोजन समिति का गठन किया गया जिनके द्वारा जनपद के चार सैकड़ा से अधिक विद्यालयों में अमृत महोत्सव कार्यक्रम आयोजित

आजादी का अमृत महोत्सव मनाने की तैयारी की बैठक करते शिक्षक

करने के लिए पदाधिकारियों को संकल्प दिलाया एवं भव्य आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम आयोजन के लिए सभी से पूरी मेहनत करने के लिए अपील की तथा सफल आयोजन से संबंधित विस्तृत दिशा निर्देश दिए। सभी उपस्थित लोगो से अपेक्षा की गयी की सभी ब्लॉक इकाइयों द्वारा अपने सेवित क्षेत्र में सर्वप्रथम एक अगस्त को होने वाले कार्यक्रम के लिए विद्यालय को चिन्हित कर स्कूलों में भारत माता का चित्र पर उपलब्ध माल्यार्पण किया जाएगा तथा देश के वीर शहीदो को याद करते हुए नमन कर कृतज्ञता प्रकट करेंगे और सुविधानुसार शिक्षक सामुदायिक सदस्यो, स्थानीय स्वतन्त्रता सेनानानियो के साथ मिलकर बच्चों व शिक्षकों की स्कूल से स्वराज यात्रा निकालने का प्रयास करेंगे तत्पश्चात कार्यक्रम का समापन किया जायेगा। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए बैठक में उपस्थित जनो को भारत माता के चित्रो, स्टीकरो आदि को भी भेंट किया गया।बैठक में भूपेंद्र कुमार सिंह, आशीष कुमार, गोरखनाथ, मायापति त्रिपाठी, नितिन कुमार यादव,शेष कुमार दुबे, शाहिद अली,हीरालाल सरोज,संतोष कुमार,दीपक सिंह सहित कई लोग उपस्थित रहे।

न्यू प्रेस क्लब : विमलेश शुक्ला अध्यक्ष अनिरुद्ध पांडेय बने महामंत्री

न्यू प्रेस क्लब के विजई प्रत्याशी

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। न्यू प्रेस क्लब के चुनाव में अध्यक्ष पद पर विमलेश शुक्ला ने 59 मत पाकर जीत दर्ज की है दूसरे स्थान पर अशोक विश्वकर्मा को 36 मत और योगेंद्र सिंह को 6 मत मिले हैं न्यू प्रेस क्लब की मतदाता सूची में कुल 121 मतदाता शामिल थे जिनमे 101 लोगों ने मतदान में हिस्सा लिया। 20 लोगों ने मतदान प्रक्रिया में हिस्सा नहीं लिया न्यू प्रेस क्लब कौशांबी के चुनाव में जीत दर्ज करने वालों में अध्यक्ष विमलेश शुक्ला ,महामंत्री अनिरुद्ध पांडेय, संगठन मंत्री सुधीर कश्यप, कोषाध्यक्ष राजकमल पाल सहित सभी विजयी घोषित किए गए पदाधिकारियों को लोगों ने फूल माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया है और उन्हें जीत की बधाई दी है।

डीएम के कर्मी के आतंक से गांव के लोग परेशान

कौशाम्बी। पिपरी थाना क्षेत्र के मुनीरपुर हरदरमऊ निवासी समर बहादुर उर्फ लालता प्रसाद पुत्र प्यारे लाल जिलाधिकारी प्रयागराज के कार्यालय में कर्मी के पद पर तैनात हैं जिला अधिकारी के कर्मी समर बहादुर का गांव में आतंक है दूसरों की जमीनों पर जबरिया कब्जा करना और मना करने पर गाली गलौज कर धमकी देना उनका आए दिन का खेल हो गया है जिला अधिकारी प्रयागराज के नाम की धौंस देकर इलाके के लोगों के साथ आए दिन उत्पात मचाने वाले डीएम प्रयागराज के कर्मी पर कार्यवाही नहीं हो पा रही है मुनीरपुर गांव के राम सुचित पुत्र लल्लू ने शिकायती पत्र देते हुए डीएम के कर्मी पर कार्रवाई की मांग की है राम सुचित की भूमि मौजा मुनीरपुर हरदरमऊ में स्थित गाटा सं0 68 रकबा 0.2160 हे0 के 1/2 भाग पर वह काबिज व दाखिल है लेकिन उक्त भूमि पर डीएम प्रयागराज का दबंग कर्मचारी जबरिया कब्जा कर रहा है समर सेबुल एवं शौचालय बना कर कब्जा कर लिया है। शिकायतकर्ता द्वारा पूर्व में भी कई बार मना करने पर गाली गलौज तथा जान से मारने की धमकी देता रहा दिनांक 03 जुलाई को मौके पर अपनी भूमि पर हल चलाने जब शिकायतकर्ता गया तो उक्त दबंग व्यक्ति उसके परिवार के लोग अवैध असलहा तथा लाठी डण्डा लेकर पीड़ित शिकायतकर्ता को दौड़ा लिया लोधौर चौकी में शिकायत करने पर डीएम के कर्मचारी दबंग व्यक्ति को पुलिस द्वारा समझाने की कोशिश की गयी, फिर भी कब्जा हटाने को वह तैयार नही हो रहा है उक्त कर्मचारी का कहना है कि वह जिलाधिकारी प्रयागराज के कार्यालय में है और किसी ने उसके कार्यों में हस्तक्षेप किया तो उसकी खैर नहीं होगी 4 जुलाई को पीड़ित ने एसडीएम चायल से भी उक्त कर्मी की शिकायत की है लेकिन अभी तक दबंग कर्मचारी पर कार्रवाई नहीं हो सकी है।

सभी डॉक्टर समय से अस्पताल आये एवं मरीजों का करें उपचार : डीएम

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। जिलाधिकारी सुजीत कुमार द्वारा संबंधित अधिकारियों के साथ मुख्य चिकित्साधिकारी सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक की बैठक में जिलाधिकारी ने परिवार कल्याण कार्यक्रम के कार्यों एवं जननी सुरक्षा योजना के अंतर्गत लाभार्थियों के भुगतान में लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिला अस्पताल एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर या गेट पर निजी एम्बुलेंस खड़ी पाये जाने पर तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित किया जाय। इसके साथ ही उन्होनें कहा अगर दुर्भाग्यवश किसी मरीज की मृत्यु हो जाती है तो परिजन को तत्काल शव वाहन उपलब्ध करा दिया जाय। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाय कि मरीजों को स्ट्रेचर आदि न मिलने की शिकायत नहीं आने पाये। उन्होंने कहा कि जिला अस्पताल एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में घूम रहे दलालों को चिन्हित कर कार्यवाही की जाय। जिलाधिकारी ने सभी प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों से कहा कि ऐसी आशाओं को चिन्हित किया जाय, जो विगत 03 माह में एक भी संस्थागत प्रसव नहीं करायी है तथा निजी अस्पतालों में प्रसव करा रही है, उनके विरुद्ध कार्यवाही सुनिश्चित किया जाय। उन्होंने सभी प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों से कहा कि ए0एन0एम0 एवं आशाओं के साथ नियमित बैठक कर

जिला अस्पताल एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर या गेट पर निजी एम्बुलेंस खड़ी पाये जाने पर तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित किया जाय, जिला अस्पताल एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में घूम रहे दलालों को चिन्हित कर कार्यवाही किया जाए मरीजों को स्ट्रेचर आदि न मिलने की शिकायत न आने पाये

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक करते डीएम व विभागीय अधिकारी

जननी सुरक्षा योजना सहित आदि कार्यों में प्रगति सुनिश्चत किया जाय। उन्होंने नियमित टीकाकरण में भी प्रगति लाने के निदेश दिए। उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र करारी में आवश्यक कार्यवाही कर प्रसव की सुविधा शीघ्र शुरू कराने के निर्देश दिए। उन्होंने आशाओं के भुगतान में भी प्रगति लाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने संचारी रोग नियंत्रण अभियान की समीक्षा के दौरान संबंधित अधिकारियों से कहा कि एंटीलार्वा, फागिंग एवं साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाय, अगर कहीं पर समस्या आ रही है तो उन्हें तत्काल अवगत कराया जाय।

उन्होनें कहा कि अगर कहीं पर भी बीमारी फैलाने की सूचना मीडिया आदि के माध्यम से प्राप्त होती है तो तत्काल आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चत किया जाय। उन्होंने आयुष्मान योजना के अंतर्गत गोल्डेन कार्ड बनाये जाने के कार्य में अपेक्षित प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी प्रभारी चिकित्साधिकारियों से कहा कि एम्बुलेंस की स्थिति की जॉच कर विस्तृत आख्या उन्हें उपलब्ध करायी जाय जिलाधिकारी ने कहा कि सभी डॉक्टर समय से अस्पताल आये एवं मरीजों का उपचार करें। उन्होंने सभी प्रभारी चिकित्साधिकारियों से कहा कि अस्पताल के साथ ही अस्पताल परिसर में भी साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित किया जाय इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 रवि किशोर त्रिवेदी, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 सुषेन्द्र कुमार एवं सी0एम0एस0 डॉ0 दीपक सेठ सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

हर घर तिरंगा कार्यक्रम : विभिन्न विभागों द्वारा 11 से 17 अगस्त तक किया जाएगा कार्यक्रम

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत 11 अगस्त से 17 अगस्त 2022 तक हर घर तिरंगा कार्यक्रम एवं स्वतन्त्रता सप्ताह मनाया जायेंगा तथा स्वतन्त्रता सप्ताह के अन्तर्गत 13 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा का विशेष अभियान आयोजित होगा इसमें समरस भाव के साथ हर जनपदवासी को सहभागिता करने हेतु प्रेरित किया जायेगा हर घर तिरंगा देश के हर नागरिक में देशभक्ति की भावना को उच्चतम स्तर पर लें जाने का कार्यक्रम है। जनपद में हर घर तिरंगा के तहत विभिन्न विभागों द्वारा 11 अगस्त से 17 अगस्त 2022 तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेंगा। खेल विभाग द्वारा जनपद स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन कर पुरस्कृत किया जायेंगा तथा प्रतिभागी खिलाड़ियों को कार्यक्रम के बारे में जागरूक कर घरों पर झण्डा फहराने के लिए प्रेरित किया जायेंगा। 12 अगस्त को 05 किलोमीटर मैराथन का आयोजन होंगा जिसमें समस्त खिलाड़ी प्रतिभाग करेंगे 15 अगस्त को 05 किलोमीटर क्रॉसकन्ट्री रेस महिला एवं पुरूष वर्ग का आयोजन किया जायेंगा इसी प्रकार बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा 11 अगस्त को ऑगनबाड़ी कार्यकत्रियों सहायिकाओं द्वारा कलेक्ट्रेट से रैली निकाली जायेंगी। 12 अगस्त को ऑगनबाड़ी केन्द्रों पर प्रभात फेरी का आयोजन 13 अगस्त को ऑगनबाड़ी केन्द्रों पर देशभक्ति गीतों का आयोजन 14 अगस्त को राष्ट्रीय नायक नायिकाओं पर आधारित फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिताओं का आयोजन 15 अगस्त को झण्डारोहण झण्डा गीत एवं रंगोली चित्रकला तथा पोस्टर इत्यादि प्रतियोगिताओं का आयोजन 16 अगस्त को राष्ट्रगान सास्कृतिक कार्यक्रम सामाजिक कुरीतियों पर चर्चा इत्यादि का आयोजन एवं 17 अगस्त को 10 उत्कृष्ट कार्य करने वाली ऑगनबाड़ी कार्यकत्रियों को सम्मानित किया जायेंगा युवा कल्याण विभाग द्वारा 14 अगस्त को सुबह 7 बजे 75 पीआरडी जवान अपने निर्धारित वर्दी में तिरंगा लिए साईकिल रैली निकालेंगे 14 अगस्त को प्रत्येक विकास खण्ड में मंगल दल के सदस्यों द्वारा आजादी दौड़ का आयोजन किया जायेंगा स्वतन्त्रता सप्ताह की अवधि में ग्राम पंचायत स्तर पर गठित युवक मंगल दल एवं महिला मंगल दल के सदस्य द्वारा अपने घरों पर तिरंगा फहरया जायेंगा तथा 15 अगस्त को सेल्फी विद तिरंगा प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेंगा। बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा 11 अगस्त से 17 अगस्त तक प्रभात फेरी का आयोजन (झण्डागीत एवं देशभक्ति गीतों के साथ) किया जायेगा 11 अगस्त को छात्र-छात्राओं के लिए अमृत महोत्सव एवं हर घर तिरंगा से सम्बन्धित रंगोली, चित्रकला व पोस्टर आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन एवं राष्ट्रीय नायक नायिकाओं पर आधारित फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेंगा। 12 अगस्त को छात्र-छात्राओं के मध्य अमृत महोत्सव एवं हर घर तिरंगा से सम्बन्धित भाषण निबन्ध एवं वाद-विवाद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जायेंगा 13 अगस्त को विद्यालय स्तर पर विभिन्न खेल-कूद प्रतियोगिताओं एवं योगाभ्यास का आयोजन 15 अगस्त को झण्डारोहण (ग्राम प्रधान एवं ग्रामवासियों की उपस्थिति में) जनपद ब्लॉक एवं विद्यालय स्तर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों-एकांकी नाटक देशभक्ति गीतों पर प्रस्तुति 16 अगस्त को मातृ दिवस का आयोजन जिसमें माताओं द्वारा बच्चो को कहानी कविता गीत स्वतन्त्रता दिवस के सम्बन्ध में उद्बोधन, बालिका शिक्षा की आवश्यकता के सम्बन्ध में चर्चा एवं 17 अगस्त को विद्यालय में आयोजित प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कार वितरण तथा अमृत महोत्सव कार्यक्रम एवं हर घर तिरंगा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 75 अध्यापकों एवं 75 विद्यालयों को पुरस्कृत किया जाएगा। पंचायती राज विभाग द्वारा 01 से 02 अगस्त तक ग्रामसभा की बैठक एवं प्रभात फेरी का आयोजन किया जायेगा। 03 अगस्त को सिंगल यूज प्लास्टिक का एकत्रीकरण, 04 से 08 अगस्त तक प्रत्येक राजस्व ग्राम में अभियान चलाकर वृहद साफ-सफाई, 09 से 10 अगस्त तक प्रत्येक ग्राम पंचायत में स्थापित शहीद स्मारक स्थलों, सामुदायिक शौचालयों, पंचायत भवनों तथा अन्य शासकीय भवनों में वृहद साफ-सफाई एवं 11 से 17 अगस्त तक प्रत्येक ग्राम पंचायत के हर घर पर तिरंगा लगाने का कार्य किया जायेंगा इसके साथ विभिन्न विभागों द्वारा खारघर तिरंगा कार्यक्रम में शामिल होकर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे स्वतन्त्रता सप्ताह की अवधि में शहीद स्मारक पर प्रत्येक दिन पुलिस बैण्ड द्वारा राष्ट्रगीतों का वादन तथा स्वतन्त्रता दिवस के दिन शहीदों/स्वतन्त्रता सेनानियों के परिजनों को सम्मानित किया जायेंगा।

तमंचा व कारतूस के साथ अभियुक्त को गिरफ्तार

कौशाम्बी। जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना करारी पुलिस बल द्वारा अभियुक्त कमरूल पुत्र भुल्लन निवासी हिसामपुर थाना करारी को एक अदद अवैध तमंचा 315 बोर व एक अदद जिन्दा करातूस 315 बोर के साथ गिरफ्तार कर बरामदगी के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया है।

दो वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

कौशाम्बी। थाना कोखराज पुलिस बल द्वारा वारंटी अभियुक्त अशोक कुमार पटेल पुत्र मक्खन लाल निवासी अयाज मऊ थाना कोखराज को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया है। इसी प्रकार थाना सराय अकिल पुलिस बल द्वारा वारंटी अभियुक्त राजेश कुमार पुत्र बाबू लाल निवासी बैरागीपुर थाना सराय अकिल को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के पक्षात अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया है।

एकल अभियान के भजन कार्यक्रम में उपस्थित महिलाएं

एकल अभियान संस्था द्वारा पश्चिम शरीरा में भजन संध्या का कार्यक्रम संपन्न

कौशाम्बी। पश्चिम शरीरा कस्बे में एकल अभियान के अंतर्गत भजन संध्या कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि शिक्षित भारत स्वस्थ भारत समर्थ भारत स्वाभिमान भारत संस्कारित भारत एकल अभियान 1988 से विहार वर्तमान झारखंड से प्रारम्भ हुआ वर्तमान में यह अभियान एक लाख सात हजार गांव तक पहुंच चुका है पश्चिम शरीरा कस्बे में गुरुवार को एकल संध्या भजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया है जिसमें सैकड़ों नर नारी उपस्थित रहे अंचल सचिव अमरेश कुमार व कल्लू पंडा रामदयाल अंचल अभियान प्रमुख कृष्ण मूरत शिव मोहन रमाकांत डॉक्टर बृजेश कुमार अंचल अभियान प्रमुख यमुनापार नागेश्वर अभय राज विश्वकर्मा सहित सैकड़ों नर नारी मौजूद रहे कार्यक्रम में उड़ीसा से पधारी सरोजिनी जी नेपाल से जानकी जी राजकुमार गुप्ता जी केंद्रीय भजन टोली विद्या जी अमेठी से रिंकी जी प्रतापगढ़ से अंकिता जी कानपुर से रोहिणी जी लखीमपुर से जय नारायण झारखंड से बालकराम लखीमपुर से कुलदीप जी अयोध्या से कार्यक्रम में पधारे हैं और भजन संध्या कार्यक्रम इनके मुखारविंद से संपन्न हुआ।

संपादकीय

वरिष्ठ नागरिकों के जीवन में अकेलापन

मनुष्य सामाजिक प्राणी हैं। एक विकासवादी दृष्टिकोण से, हमारे प्रारंभिक अस्तित्व के लिए सामाजिक संबंध आवश्यक थे, और अभी भी बहुत कुछ हैं। वास्तव में, सामाजिक जुड़ाव मानव जीवन के सबसे बुनियादी पहलुओं में से एक है और हमारी भलाई के लिए महत्वपूर्ण है। दूसरों के लिए डिस्कनेक्ट या अनदेखा महसूस करना न केवल दर्दनाक भावनात्मक अवस्थाओं को उजागर करेगा, बल्कि एक बुनियादी मानवीय आवश्यकता-संबंधितता की आवश्यकता को भी विफल कर देगा। हालाँकि, जिस तरह प्यास हमें पानी पीने के लिए एक संकेत के रूप में कार्य करती है, उसी तरह दर्दनाक भावनात्मक अवस्थाएँ हमें दूसरों के साथ अधिक संबंध बनाने के लिए एक संकेत के रूप में काम कर सकती हैं। मौजूदा साक्ष्य इंगित करते हैं कि सामाजिक जुड़ाव का स्वास्थ्य और दीर्घायु पर एक शक्तिशाली प्रभाव है। उदाहरण के लिए, जो लोग दूसरों से अधिक जुड़ाव महसूस करते हैं, उनमें अवसाद, चिंता की दर कम होती है और उनमें आत्महत्या का जोखिम कम होता है। हालांकि, सामाजिक वियोग के प्रभाव मानसिक स्वास्थ्य तक ही सीमित नहीं हैं। वास्तव में, सामाजिक वियोग भी हमारे शारीरिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है, जिसमें उच्च रक्तचाप, उच्च तनाव हार्मोन और बिगड़ा हुआ प्रतिरक्षा कार्य शामिल है। बुजुर्गों में सामाजिक अलगाव एक बढ़ती हुई चिंता का विषय रहा है, और इसके कारणों, जोखिम कारकों और यह कैसे वरिष्ठों के स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, यह निर्धारित करने के लिए कई अलग-अलग अध्ययन किए गए हैं। अधिकांश अध्ययन इस बात से सहमत हैं कि अकेलापन और अलगाव उतना ही खतरनाक हो सकता है जितना कि एक दिन में 15 सिगरेट पीना या एक शराबी होना, और मनोभ्रंश के जोखिम को 64 प्रतिशत तक बढ़ा सकता है। अकेलापन मृत्यु की संभावना को 26 प्रतिशत तक बढ़ा देता है। जो लोग अकेले हैं वे कम अकेले रहने वालों की तुलना में सामान्य सर्दी में 5 प्रतिशत अधिक गंभीर लक्षणों की रिपोर्ट करते हैं। समुदाय में रहने वाले 10 से 43 प्रतिशत वरिष्ठ नागरिक सामाजिक रूप से अलग-थलग हैं। अकेले वरिष्ठों में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में गिरावट का 59 प्रतिशत अधिक जोखिम होता है। वरिष्ठों द्वारा अनुभव किया जाने वाला अकेलापन और सामाजिक अलगाव आमतौर पर निम्न-गुणवत्ता वाले सामाजिक संबंधों या इन संबंधों की पूरी तरह से कमी के कारण होता है। हालांकि, कई अन्य चीजें हैं जो इन मुद्दों का कारण बन सकती हैं, जैसे कि 80 या उससे अधिक उम्र का होना, पुरानी स्वास्थ्य समस्याएं होना और पारिवारिक ढांचे में बदलाव। सेवानिवृत्ति, मित्रों और परिवार की मृत्यु, और गतिशीलता की कमी के कारण हम उम्र के रूप में सामाजिक संपर्क कम हो जाते हैं। सामाजिक अलगाव और अकेलापन तभी कम होगा जब एक बहु-हितधारक, बहु-क्षेत्रीय प्रयास में प्रभावी हस्तक्षेप और रणनीतियों को बड़े पैमाने पर लागू किया जाएगा।

प्रकृति से जुड़ाव का पर्व है श्रावणी तीज

रमेश सर्राफ धमोरा

वर्षा ऋतु में श्रावण के महीने में हमारे देश में चारों तरफ पानी बरसता रहता है। इस दौरान चारों तरफ हरियाली ही हरियाली नजर आती है। हरियाली के आगोश में प्रकृति इस तरह झूम उठती है मानो पृथ्वी अपनी हरी-भरी बाहें फैलाकर सबका अभिनंदन कर रही हो। श्रावण के महीने को हिंदू धर्मावलंबी भगवान शिव का महीना मान मानकर भगवान शिव की पूजा अर्चना करते हैं। कावड़िए देशभर में विभिन्न नदी, तालाबों से जल लाकर भगवान शिव का अभिषेक करते हैं। गणगौर के बाद त्योहारों का सिलसिला रुक जाता है वह एक बार फिर श्रावण मास की तीज से प्रारंभ हो जाता है। श्रावण का महीना महिलाओं के लिए विशेष उल्लास का महीना होता है। इस महीने में आने वाले अधिकांश लोक पर्व महिलाओं द्वारा ही मनाए जाते हैं। श्रावण के महिने में चारों ओर हरियाली की चादर सी बिखर जाती है। जिसे देख कर सबका मन झूम उठता है। सावन का महिना एक अलग ही मस्ती और उमंग लेकर आता है। श्रावण के सुहावने मौसम के मध्य में आता है तीज का त्यौहार। श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया को श्रावणी तीज कहते हैं। उत्तर भारत में यह हरियाली तीज के नाम से भी जानी जाती है। सावन के महीने में सिंजारा, तीज, नागपंचमी एवं सावन के सोमवार जैसे लोकपर्व उत्साह पूर्वक मनाए जाते हैं। श्रावण के महीने में मनायी जानेवाली हरियाली तीज आस्था, प्रेम, सौंदर्य व उमंग का त्यौहार है। तीज को मुख्यतः महिलाओं का त्यौहार माना जाता है। यह पर्व महिलाओं की सांस्कृतिक मान्यताओं का प्रतीक है। सावन माह में मनाया जाने वाला हरियाली पर्व दंपतियों के वैवाहिक जीवन में समृद्धि, खुशी और तरक्की का प्रतीक है। तीज का त्यौहार भारत के कोने-कोने में मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण त्यौहार है। यह त्यौहार भारत के उत्तरी क्षेत्र में हर्षोउल्लास के साथ मनाया जाता है। श्रावण का आगमन ही इस त्यौहार के आने की आहट सुनाने लगता है। समस्त सृष्टि सावन के अदभूत सौंदर्य में भिगी हुई सी नजर आती है। यह पर्व भारतीय जनमानस के अटूट विश्वास को और अधिक प्रगाढ़ता प्रदान करने का पर्व है। इस पर्व में हरियाली शब्द से ही साफ है कि इसका ताल्लुक पेड़-पौधों और पर्यावरण से है। यह त्योहार जीवन में जश्न का प्रतीक है और हरियाली तीज का पर्व प्रकृति का त्योहार हैं। इस मौके पर महिलाएं अच्छी फसल के लिए भी प्रार्थना करती हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए इस व्रत का पालन किया था। परिणामस्वरूप भगवान शिव ने उनके तप से प्रसन्न होकर उन्हें पत्नी रूप में स्वीकार किया था। माना जाता है कि श्रावण शुक्ल तृतीया के दिन माता पार्वती ने सौ वर्षों के तप उपरान्त भगवान शिव को पति रूप में पाया था। इसी मान्यता के अनुसार स्त्रियां माता पार्वती का पूजन करती हैं। तीज पर मेहंदी लगाने, चूडियां पहनने, झूला झूलने तथा लोक गीतों को गाने का विशेष महत्व है। तीज के त्यौहार वाले दिन खुले स्थानों पर बड़े-बड़े वृक्षों की शाखाओं पर, घर की छत पर या बरामदे में झूले लगाए जाते हैं जिन पर स्त्रियां झूला झूलती हैं।

रेवड़ी कल्चर पर भुट्टा...खत्म करने की जरूरत

सर्वमित्रा सुरजन

पुराने जमाने में राजाओं को भेस बदलकर प्रजा का हालचाल लेने की कहानियां तो सुनी हैं। लेकिन लोकतंत्र में भेस बदलने की जरूरत नहीं, जनता के बीच जाएं तो उसके हाल वैसे ही मालूम पड़ जाएंगे। जैसे केन्द्र सरकार के मंत्री को पता चला होगा कि अब एक भुट्टे की कीमत 15 रुपए तक जा पहुंची है, जो उन्हें महंगा लगा। कभी उन्हें हजार रुपए वाला सिलेंडर भी खुद ही खरीदना चाहिए, शायद महंगाई का अहसास हो जाए। हिंदू राष्ट्र और विश्व गुरु बनने की दिशा में चल रहे देश के लिए अब तक सबसे बड़ा रोड़ा पाश्चात्य संस्कृति को बताया जाता था। आप याद कीजिए कैसे वैलेंटाइन्स डे को महापाप मानते हुए इसे माता-पिता की पूजा के दिन के रूप में बनाने की कोशिश की गई। उससे पहले 14 फरवरी को भगत सिंह का शहादत दिवस बताने का झूठ भी फैलाया गया था। लेकिन सोशल मीडिया के कमबख्त जागरुक लोगों ने इस झूठ की पोल खोल कर रख दी और जनता का परिचय इतिहास की सही तारीख से करा दिया गया। उसके बाद से ही शायद इस बात पर जोर दिया जाने लगा है कि अब इतिहास भी हम खुद ही लिखेंगे, ताकि कहीं कोई गफलत हो भी तो उसे मैनेज किया जा सके। खैर, वैलेंटाइन्स डे पर बाजारवाद का जोर संस्कृति के आग्रहियों पर भारी पड़ गया। इसके अलावा पश्चिमी देशों से सौदेबाजी के संबंधों पर भी असर पड़ सकता था, इसलिए फिलहाल पाश्चात्य मोर्चे पर थोड़ी शांति है। अगर कहीं ऋषि सुनक ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बन जाएं, फिर तो भारत-ब्रिटेन के बीच मायका-ससुराल का रिश्ता बनाने में भी क्या देर लगेगी। जहां जाओ, वहां के सगे बन जाओ, ऐसा रिश्ता बनाने में तो यहां पहले से महारत हासिल है। दिक्कत यही है कि ऋषि सुनक को अगर ब्रिटेन अपनी सरकार का मुखिया बना सकता है, तो यहां विदेशी मूल के मुद्दे का क्या होगा। खैर, विरोधियों को घेरने के लिए मुद्दों की कमी कभी नहीं होगी। और अभी पाश्चात्य से अधिक विधर्मी संस्कृति से निपटने की चिंता देश में खड़ी कर दी गई है। विधर्मी संस्कृति पर हंगामा कहीं न कहीं देश भर में, साल भर चलता ही रहता है। इस बीच रेवड़ी संस्कृति का शब्द राजनैतिक पटल पर छा गया। बचपन से अब तक यही पढ़ा था कि अंधा बांटे रेवड़ी, फिर-फिर अपने को दे। अंधा शब्द तो अब दिव्यांग में बदल गया, और रेवड़ी ने कल्चर के साथ अपना रिश्ता जोड़ लिया। कहावत कहें न कहें, उसका अर्थ तो अब भी वही है कि जिसके पास अधिकार होता है, उसके करीबियों के हिस्से में अधिक चीजें आती हैं। देश में यही तो हो भी रहा है। संसार के सबसे अमीर लोगों में शुमार हमारे देश के कुछ उद्योगपति हर क्षेत्र में अपना कारोबार फैला चुके हैं। अनाज के गोदाम, कोयले के भंडार, तेल के कुएं और दूरसंचार के तार, सब उनके कब्जे में आ गए हैं। रेल भी वहीं चलाएंगे, हवाई अड्डों का किराया भी उनकी जेब में जाएगा, जंगल भी उनके होंगे और खेतों के मालिक भी वही होंगे। इतना सब अपनी मुट्ठी में तभी किया जा सकता है, जब शेरों को खूंखार दिखाकर पालतू बना लिया जाए। फिर कोई अंधा रहे या लाखों का चश्मा पहने, उसे पता है कि रेवड़ी कहां और कैसे बांटनी है। जब अमीरों में सत्ता का प्रसाद बंटे तो उसे रेवड़ी कहते हैं, लेकिन गरीब जनता को उसका हक दिया जाए, तो उसे प्रसाद जैसा सम्मानजनक शब्द भी नहीं नसीब होता। तब कहा जाता है कि फलाने जी ने ढिकाने क्षेत्र के लोगों को इतने करोड़ की सौगात दी। हालांकि यहां सौगात का मतलब खैरात ही समझना चाहिए। क्योंकि यह उसी अंदाज में दी जाती है, मानो उपकार कर रहे हों। जबकि विधायकों, सांसदों, मंत्रियों का काम है कि अपने क्षेत्र में सर्वांगीण विकास के लिए काम करवाएं। अस्पताल, स्कूल खुलवाएं, पुल और सड़कें बनवाएं। जनता इन्हीं सब सुविधाओं के लिए तरह-तरह के टैक्स देती है। और अपने ही बीच से किसी को अपना प्रतिनिधि बनाकर संसद या विधानसभा भेजती है। ऐसे में सौगात जैसे शब्द की कोई जगह नहीं होनी चाहिए। लेकिन ये शब्द हर उद्घाटन और शिलान्यास के मौके पर इस्तेमाल होता है, और कमाल देखिए इस पर आपत्ति नहीं हुई कि ये सौगात कल्चर क्या है। उसकी जगह सवाल उठ रहे हैं रेवड़ी कल्चर पर। पिछले दिनों बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे के उद्घाटन पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि "ये 'रेवड़ी कल्चर' वाले कभी आपके लिए नए एक्सप्रेस वे नहीं बनाएंगे, नए एअरपोर्ट या डिफेंस कॉरिडोर नहीं बनाएंगे।" हमें जल्द ही देश की राजनीति से इस रेवड़ी कल्चर को हटाना होगा। जाहिर है प्रधानमंत्री उन राजनैतिक दलों और राज्य सरकारों पर निशाना साध रहे थे जो जनता के लिए कई सुविधाएं मुफ्त में देने का ऐलान करते हैं। हालांकि जिस तरह बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे एक ही बारिश में धंस गया, उसमें तो यही लगता है कि यहां रेवड़ी का प्रसाद कुछ ज्यादा ही बंटा है। और रहा सवाल जनता को मुफ्त सुविधाएं देने का, तो शिक्षा, अस्पताल, जरूरी दवाएं, ऐसी सुविधाएं तो जनता को मुफ्त में ही मिलनी चाहिए, क्योंकि अच्छा और सम्मानजनक जीवन उसका मौलिक अधिकार है। महामारी का टीका भी मुफ्त की इसी श्रेणी में आता है। हां, अरबों की कमाई करने वाले उद्योगपतियों का करोड़ों का कर्ज माफ करना, कार्पोरेट टैक्स में कटौती करना, ये सब रेवड़ी कल्चर में आते हैं या नहीं, इस पर विचार होना चाहिए। संयोग देखिए इधर प्रधानमंत्री ने रेवड़ी कल्चर को देश के लिए सही नहीं बताया। उधर माननीय न्यायपालिका ने इस बात पर चिंता जतलाई कि चुनावों में राजनैतिक दल मुफ्त चीजों का ऐलान कर मतदाताओं को प्रभावित करते हैं। अदालत ने इसे गंभीर मुद्दा मानते हुए केंद्र सरकार से कहा है कि इस स्थिति पर अंकुश लगाने के लिए कदम उठाने पर विचार करे। अगर केंद्र सरकार ऐसा कोई नियम बनाती है कि चुनावों में मुफ्त चीजों का ऐलान नहीं होगा, तो फिर हमारे चुनावों का रंग कितना बदल जाएगा। घोषणापत्रों की तो सारी रौनक ही चली जाएगी। अभी तो आधे से अधिक बिंदु इसी बात के रहते हैं कि सत्ता में आने पर क्या-क्या मुफ्त में बांटा जाएगा, किन चीजों पर छूट मिलेगी। जनता को भी थोड़ी मोलभाव की आदत हो जाती है, लेकिन अगर मुफ्त शब्द घोषणापत्र से हट जाएगा, तो फिर मोलभाव का ये मौका जनता के हाथ से चला जाएगा। वैसे भी मौजूदा आर्थिक परिदृश्य में उसके पास खाली जेब और महंगी चीजें खरीदने की मजबूरी ही है। मोलभाव से याद आया कि केन्द्रीय इस्पात और पंचायत विकास राज्य मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने बारिश के मौसम में भुट्टे की कीमत पर मोलभाव की कोशिश की थी। हुआ यूं कि मंत्री महोदय मध्यप्रदेश में सिवनी से मंडला जा रहे थे। रास्ते में उन्हें भुट्टा खाने की इच्छा हुई तो कार सड़क किनारे एक भुट्टे वाले के पास रोक दी गई। मंत्रीजी ने भुट्टेवाले से भुट्टा सेंककर नमक-नींबू लगाने कहा। साथ ही तीन भुट्टों की कीमत पूछी। जवाब मिला 45 रुपए। तो मंत्रीजी चौंक गए। उन्होंने कहा इतना महंगा। यहां तो फ्री में मिल जाता है। खैर भुट्टेवाले ने न रेवड़ी की तरह भुट्टा मुफ्त में दिया, न एक रुपया कम किया। अपने इस मोलभाव और खरीद का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए श्री कुलस्ते ने लिखा है कि सभी को अपने स्थानीय किसानों और छोटे दुकानदारों से खाद्य वस्तुओं को खरीदना चाहिए। इससे उनको रोजगार और हमको मिलावट रहित वस्तुएं मिलेंगी। पुराने जमाने में राजाओं को भेस बदलकर प्रजा का हालचाल लेने की कहानियां तो सुनी हैं। लेकिन लोकतंत्र में भेस बदलने की जरूरत नहीं, जनता के बीच जाएं तो उसके हाल वैसे ही मालूम पड़ जाएंगे। जैसे केन्द्र सरकार के मंत्री को पता चला होगा कि अब एक भुट्टे की कीमत 15 रुपए तक जा पहुंची है, जो उन्हें महंगा लगा। कभी उन्हें हजार रुपए वाला सिलेंडर भी खुद ही खरीदना चाहिए, शायद महंगाई का अहसास हो जाए। और वीडियो में उन्होंने स्थानीय लोगों से सामान खरीदने का जो संदेश दिया है।

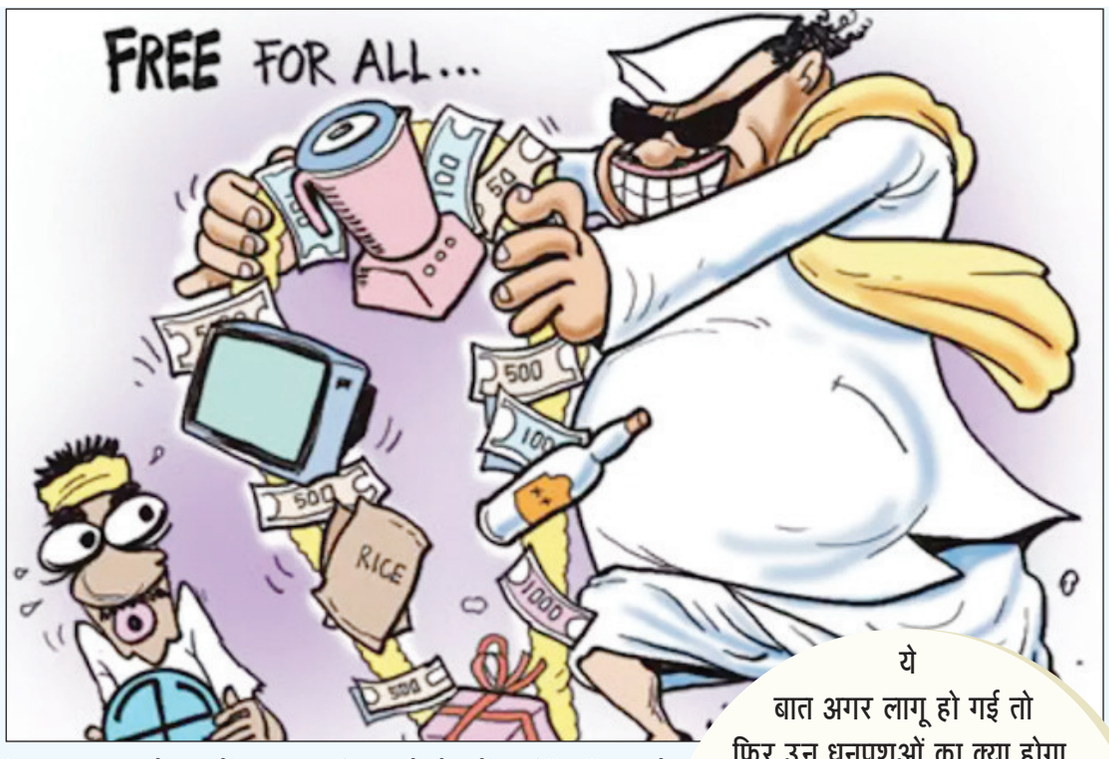

ये बात अगर लागू हो गई तो फिर उन धनपशुओं का क्या होगा, जिनका सब्जी से लेकर दूध और सुई से लेकर लड़ाई के टैंक तक हर चीज की सौदेबाजी में हिस्सा बंधा हुआ है। रेवड़ी कल्चर पर विचार से पहले भुट्टे के मोतियों पर स्थानीय लोगों के हक के बारे में सोचें, शायद महंगाई का कोई हल निकल आए।

प्रकृति संरक्षण: हमारे समाधान प्रकृति में है

सत्यवान

प्रकृति में कई प्रकार की प्रजातियां एक पारिस्थितिकी तंत्र में कार्य करती हैं। प्रत्येक जीव अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति करने के साथ-साथ पर्यावरण के विभिन्न अन्य जीवों के लिए भी कुछ उपयोगी योगदान देता है। विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस हर साल 28 जुलाई को मनाया जाता है ताकि यह पहचाना जा सके कि एक स्वस्थ पर्यावरण एक स्थिर और उत्पादक समाज और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक नींव है। प्रजातियां ऊर्जा भंडारण और उपयोग करती हैं, कार्बनिक पदार्थों का उत्पादन और विघटन करती हैं, पूरे पारिस्थितिकी तंत्र में पानी और पोषक तत्वों के चक्र का हिस्सा हैं, वातावरण में गैसों को ठीक करती हैं और जलवायु को विनियमित करने में भी मदद करती हैं। इस प्रकार, वे मिट्टी के निर्माण, प्रदूषण को कम करने, भूमि, जल और वायु संसाधनों की सुरक्षा में मदद करते हैं। जैव विविधता के ये कार्य पारिस्थितिक तंत्र के कार्यों और स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण हैं। विभिन्न पौधे, जानवर और सूक्ष्मजीव जो जैव विविधता का निर्माण करते हैं, हमें अनाज, मछली आदि जैसे खाद्य पदार्थ प्रदान करते हैं, हमारे कपड़ों के लिए फाइबर जैसे कपास, ऊन आदि, जीवित रहने के लिए ईंधन लकड़ी के साथ-साथ नीम जैसे दवा उत्पाद भी प्रदान करते हैं। जैव विविधता स्थानीय और साथ ही वैश्विक जलवायु को नियंत्रित करती है, ऑक्सीजन, कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य गैसों के वैश्विक स्तर का प्रबंधन करती है, मीठे पानी की गुणवत्ता बनाए रखती है, कार्बन सिंक आदि के रूप में कार्य करके कार्बन को अवशोषित करती है। इस प्रकार जैव विविधता जीवन और जीवन को नियंत्रित करती है। जैव विविधता परागण, पोषक तत्वों के चक्रण के साथ-साथ पुनर्चक्रण, ग्रीनहाउस गैस को कम करने में मदद करती है। जैव विविधता हमें सौंदर्य सुख प्रदान करती है। समृद्ध जैविक विविधता पर्यटन को प्रोत्साहित करती है। कई समुदायों और संस्कृतियों ने जैविक रूप से विविध वातावरण द्वारा प्रदान किए गए परिवेश और संसाधनों के साथ सह-विकसित किया है। इसलिए, यह एक महत्वपूर्ण सामाजिक भूमिका भी निभाता है। जैव विविधता द्वारा प्रदान की जाने वाली महत्वपूर्ण सेवाएं हैं: मनोरंजन और विश्राम, पर्यटन विशेष रूप से पारिस्थितिकी पर्यटन, कला, डिजाइन और प्रेरणा आध्यात्मिक अनुभव। जैव विविधता खाद्य जाल को बनाए रखने में मदद करती है। इसलिए, प्रत्येक प्रजाति के जीवित रहने की संभावना अधिक होती है। इसके परिणामस्वरूप अधिक स्थिर खाद्य श्रृंखलाएं और खाद्य जाले बनते हैं। जैव विविधता वैज्ञानिक अनुसंधान, शिक्षा और निगरानी में मदद करती है। जैव विविधता, इस प्रकार, जीवन के कामकाज और भूमिका को समझने में मदद करती है जो प्रत्येक प्राकृतिक पारिस्थितिक तंत्र को बनाए रखने में निभाती है जिसमें हम मनुष्य भी एक हिस्सा हैं। विशेष रूप से, प्राकृतिक पारिस्थितिक तंत्र का फसल भूमि में परिवर्तन, रेल और सड़क मार्ग जैसी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का विकास, शहरीकरण और खनन गतिविधियों में वृद्धि से जीवों के निवास स्थान का नुकसान और विखंडन भूमि उपयोग के परिवर्तन के माध्यम से हुआ है। लिविंग प्लैनेट की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 40 वर्षों में लगभग 50% उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय वन और 45% समशीतोष्ण घास के मैदानों को मानव उपयोग के लिए परिवर्तित कर दिया गया है। कुछ नुकसान के अलावा, प्रदूषण से कई आवासों का क्षरण भी कई प्रजातियों के अस्तित्व को खतरे में डालता है। अधिक शिकार या प्रजातियों का अवैध शिकार, पौधों के उत्पादों की अधिकता और अधिक कटाई से जैव विविधता में तेजी से गिरावट आ सकती है। मानव के बदलते उपभोग पैटर्न को अक्सर प्राकृतिक संसाधनों के इस सतत दोहन के प्रमुख कारण के रूप में उद्धृत किया जाता है। कई प्रजातियां जो पिछली 5 शताब्दियों में विलुप्त हो गई, जैसे स्टेलर की समुद्री गाय, यात्री कबूतर, मनुष्यों द्वारा अति-शोषण के अधीन थीं। इसी तरह प्लास्टिक प्रदूषण से जानवरों की मौत होती है। साथ ही, उद्योगों और वाहनों से वायु प्रदूषण के कारण शहरी क्षेत्रों में कई पक्षी प्रजातियों की मृत्यु हुई है। वन्य जीवन, पौधे और पशु संसाधनों और क्षेत्र में रहने वाले आदिवासियों के पारंपरिक जीवन के संरक्षण के लिए संरक्षित भूमि के बड़े क्षेत्र राष्ट्रीय उद्यान व वन्य जीव अभ्यारण्य हो सकते हैं। भारत के आदिवासियों ने वनों की जैव विविधता के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और आदिवासियों ने पवित्र उपवनों में वनस्पतियों और जीवों का संरक्षण किया है। अन्यथा, ये वनस्पति और जीव प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र से गायब हो गए होते। सरकार को क्षेत्र में अपनी एजेंसियों और इन वनों पर निर्भर लोगों के बीच विश्वास पैदा करने का प्रयास करना चाहिए, उन्हें देश में हर किसी की तरह समान नागरिक माना जाना चाहिए। आज की वैश्वीकृत दुनिया में वन्य जीवन और प्रकृति के संरक्षण ने अधिक महत्व ग्रहण कर लिया है। दूसरों के जीवन की देखभाल और प्रकृति के लिए सहानुभूति हमें मानसिक रूप से हमारी प्रकृति के साथ जोड़ सकती है जो हमें उपभोग के लालच से छुटकारा दिला सकती है जिसने हमारे पर्यावरण को नष्ट कर दिया है। विकसित राष्ट्र इस बात से अवगत हैं कि उनका विकास प्रकृति या अन्य विकासशील देशों की कीमत पर नहीं हो सकता है। संरक्षण पर सार्वजनिक करुणा को बढ़ावा देने से इन प्रयासों में मजबूत तालमेल हो सकता है। पृथ्वी के प्राकृतिक संसाधनों में हवा, पानी, मिट्टी, खनिज, ईंधन, पौधे और जानवर शामिल हैं। इन संसाधनों की देखभाल करना और इनका सीमित उपयोग करना ही प्रकृति का संरक्षण है ताकि सभी जीवित चीजें भविष्य में उनके द्वारा लाभान्वित हो सकें। प्राकृतिक, संसाधन और पर्यावरण हमारे जीवन और अस्तित्व का आधार हैं। प्रकृति है तो जीवन है, जीवन है तो मानव है, मानव है तो मानवता है। प्रकृति संरक्षण सबसे बड़ा पुण्य का काम है। हम बड़े भाग्यशाली हैं कि हमारा संबंध ब्रह्मांड के उस सबसे अनोखे ग्रह से है जिस पर जीवन है। लेकिन हमारी जीवनशैली के कारण केवल मानव ही नहीं बल्कि सभी जीवों के अस्तित्व पर गंभीर संकट खड़ा हो गया है। हम ये भी कह सकते हैं कि हमारे इस सबसे अनोखे ग्रह पर जीवन के अस्तित्व का खतरा पैदा हो गया। विश्व प्रकृति दिवस पर आइये हम मिलकर संकल्प लें कि प्रकृति संरक्षण ही हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। लेकिन ये कानून की बाध्यता से संभव नहीं है ये हमारे और आपके सामूहिक प्रयास से ही संभव हो सकेगा।

दिवयांगता एक स्तिथि

सरिता चौहान

शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 एक ऐतिहासिक अधिनियम है, जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक बच्चे को भारत के संविधान की भावना को दशार्ते हुए शिक्षा का अधिकार प्राप्त हो। दिव्याग बच्चे किसी भी समाज का अभिन्न अंग होते हैं और सभी बच्चों पर लागू होने वाले अधिकारों में उन्हें भी शामिल किया जाना चाहिए। दिवयांग बच्चों को शामिल किए बिना शिक्षा एक वास्तविकता नहीं हो सकती , इसलिए शिक्षा से संबंधित सभी मुख्यधारा के कार्यक्रमों को दिवयांगता संबंधित बच्चों के मुद्दों को अनिवार्य रूप से संबोधित करना चाहिए। सरकार की पहल पर नजर डालें तो यह काबिले तारीफ है। स्वतंत्रता के बाद विभिन्न आयोगों और सुधारों को संसद के पटल पर रखा गया और पारित किया गया।

कुछ सरकारी संस्थानों द्वारा ही की जाती है लेकिन गंभीर और अति-गंभीर श्रेणियों की सबसे अधिक उपेक्षा की जाती है। यहां तक कि माता-पिता भी अपने गंभीर रूप से दिवयांग बच्चों को समाज से छिपाते हैं

यदि हम कार्यान्वयन भाग को देखें तो यह स्वतंत्रता की शुरूआत से लेकर आज तक दयनीय है। आज भी यह चिंता का विषय है कि विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को शिक्षा व्यवस्था में पूरी तरह से मुख्यधारा में शामिल नहीं किया जा रहा है। शोध अध्ययनों के अनुसार किसी भी देश की कुल जनसंख्या में से 3% जनसंख्या विशेष आवश्यकता वाली होती है। इसका मतलब है कि भारत में 3.6 करोड़ व्यक्ति दिवयांग हैं। शारीरिक, भावनात्मक, आर्थिक, सामाजिक आदि अनेक बाधाएँ हैं, जिनको जब तक समाज दूर करने के लिए आगे नहीं आएगा, उसे दूर नहीं किया जा सकता है। अधिक जानकारी के लिए हम नवीनतम दिवयांग व्यक्ति के अधिकार अधिनियम, 2016 और हिमाचल प्रदेश दिवयांग व्यक्तियों के अधिकार नियम, 2019 और नई शिक्षा नीति 2020 का उल्लेख कर सकते हैं। देश में दिवयांग बच्चों की शिक्षा के लिए विभिन्न मॉडल काम कर रहे हैं जैसे कि (क) आवासीय विद्यालय झ केवल दिवयांग बच्चों के लिए विशेष स्कूल। (ख) एकीकृत शिक्षा- यानी विशेष बच्चों को कुछ ही गतिविधियों के लिए अन्य बच्चों के साथ शामिल किया जाता हैं। (ग) इंटीग्रेटेड एजुकेशन- इटिनरेंट मॉडल यानी यात्रा करने वाले शिक्षक विभिन्न स्कूलों का दौरा करते हैं जहां विशेष बच्चों का नामांकन होता है। (घ) समावेशी शिक्षा- यानी विशेष बच्चों को अन्य बच्चों के साथ स्कूलों में नामांकित किया जाता है और अन्य बच्चों के साथ कक्षाओं में भी भाग लिया जाता है लेकिन कक्षाओं के बाद/पहले संसाधन कक्ष में विशेष सहायता प्रदान की जाती है। दूसरी ओर माता-पिता और समाज की रुचि केवल पेंशन योजनाओं और दिवयांग व्यक्तियों की मुफ्त परिवहन सुविधाओं की ओर है। दिवयांग व्यक्ति के अधिकार (आर० पी० डब्ल्यू० डी०) अधिनियम 2016 में 21 प्रकार की अक्षमताओं का उल्लेख किया गया है। हल्के और मध्यम श्रेणियों की देखभाल विभिन्न गैर सरकारी संगठनों (एन० जी० ओ०) और कुछ सरकारी संस्थानों द्वारा ही की जाती है लेकिन गंभीर और अति-गंभीर श्रेणियों की सबसे अधिक उपेक्षा की जाती है। यहां तक कि माता-पिता भी अपने गंभीर रूप से दिवयांग बच्चों को समाज से छिपाते हैं। अगर स्तिथि स्त्री वर्ग की हो तो हालत और भी सबसे खराब हो जाते है शिक्षा व्यवस्था समाज की इस छुपी हुई बुराई को कैसे मिटा सकती है? जरूरी है कि आम आदमी सामाजिक सरोकार के लिए आगे आए। ये बच्चे देश के विकास में कैसे योगदान दे सकते हैं, यह आज भी चिंता का विषय है। किसी भी देश की वास्तविक अर्थव्यवस्था का अंदाजा सबसे कमजोर वर्ग यानी दिवयांग व्यक्ति की स्थिति से लगाया जा सकता है।

एक नदी ठहरी हुई

डॉ. सुरेश कुमार

हमारे शहर में एक नदी ठहरती है। ठहरती इसलिए है कि वह कूड़े-कर्कट के बोझ से बहना भूल चुकी है। उसी के प्रक्षालन के बारे में समाचार पत्र में कुछ छपा था। मैं पढ़ने ही वाला था कि मेरा पड़ोसी आ धमका। कहने लगा सुनते हो! जिस नदी का हम कभी पानी पिया करते थे, उसे फिर से पीने लायक बनाने के लिए सरकार जोर-शोर से काम कर रही है। मुझे इस जीवन में पूरा विश्वास हो चला था कि जिसके पास ठहरना तो दूर गुजरना भी मौत को दावत देने से कम नहीं, उस नदी का कोई कुछ नहीं कर सकता। लेकिन मैं गलत था। अभी-अभी मैंने पुल के पास देखा कि एक बहुत बड़ी जाली से उसे कुछ इस तरह से घेर दिया गया है कि कोई उसमें कचरा न फेंक सके। और तो और हँसते हुए गांधी जी के साथ एक बड़ी सी ऐनक वाली फ्लेक्सी लगा दी गई है। नीचे लिखा है स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत।

मैंने भौंहे चढ़ाते हुए कहा झ अच्छा! यह तो बड़े कमाल की बात है। मैं तो सोचता था कि हमारे शहर का कचरा ढोने का जिम्मा इसी के भरोसे पर है। मानो घर-घर जाकर कूड़ा-कर्कट जमा कर रही हो। चलो जैसे-तैसे इसके दिन तो फिरे। बहुत जल्द इसके किनारे फल-फूलों के पेड़ लगेंगे। हरियाली फैलेगी। प्रेमी जोड़ियों के लिए भव्य वातावरण सजेगा। ऐसे में रूहानी रोमांस का अहसास होना स्वाभाविक होगा।

पड़ोसी ने कहा - 'सो तो है, पर वहाँ एक बोर्ड भी लगा है-चेतावनी वाला।' 'वह तो समाचार पत्र में भी छपा है। सरकारी चेतावनी-इस नदी में कूड़ा फेंकना मना है। उल्लंघन करने पर दो हजार रुपये का जुरमाना।...ठीक है, पर्यावरण की सुरक्षा के लिए सख्ती जरूरी है।' लेकिन उसी समाचार के नीचे एक और खबर छपी है - बोर्ड के बगल में जालीनुमा एक खिड़की है-जाली काटकर बनाई गई है, बिल्कुल उतनी ही साइज की, जितनी चेतावनी पट की है।

ओलंपियाड से हटने के बाद पाकिस्तान के खिलाड़ी रात में भारत से रवाना होंगे

चेन्नई। भारत और पाकिस्तान के बीच जारी तनाव के कारण यहां शुरू हुए 44वें शतरंज ओलंपियाड में पाकिस्तान की टीम का अभियान शुरू होने से पहले ही खत्म हो गया और टीम रात को यहां से रवाना हो जायेंगे। शतरंज टीम के भारत पहुंचने के बाद पाकिस्तान ने इन खेलों से नाम वापस ले लिया।

अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) ने 28 जुलाई से 10 अगस्त तक यहां के निकट मामल्लापुरम में शुरू हुए शतरंज ओलंपियाड में भाग लेने के लिए पाकिस्तान को आमंत्रित किया था। पाकिस्तान हालांकि ओलंपियाड के मशाल रिले का जम्मू-कश्मीर से गुजरने का हवाला देते हुए इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता से हट गया। ओलंपियाड के निदेशक और अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) के महासचिव भरत सिंह चौहान ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''पाकिस्तान के खिलाड़ी टूर्नामेंट से हटने के बाद आज रात भारत से रवाना हो जायेंगे।''

शतरंज ओलिम्पियाड : भारत की महिला ए टीम पहले दौर में काले मोहरो से खेलेगी

चेन्नई। भारत की महिला 'ए' टीम को शतरंज ओलिम्पियाड में शीर्ष वरीयता दी गई है और टीम शुरुआती दौर में काले मोहरों के साथ खेलेगी। शीर्ष वरीयता की टीमों के लिए शुरुआती दौर के मोहरे का रंग चुनने का ड्रॉ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया था।

प्रधानमंत्री ने भव्य समारोह में इन खेलों के शुरू होने की घोषणा की। पुरुषों की शीर्ष वरीयता प्राप्त अमेरिका की टीम भी अपने अभियान की शुरुआत काले मोहरों के साथ करेंगी। प्रधानमंत्री ने उनके लिए भी काले रंग के मोहरे को चुना। उद्घाटन के मौके पर मौजूद फिडे के अध्यक्ष अर्कडी ड्वोरकोविच ने कम समय में इस बड़े कार्यक्रम को आयोजित करने के लिए तमिलनाडु सरकार के प्रयासों के लिए धन्यवाद दिया।

बर्मिंघम में भारतीय एथलीट्स को मिला 'भिंडी मसाला', कोच बोले- 'घर जैसा महसूस' हो रहा

बर्मिंघम । भारतीय एथलीट यहां बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के दौरान खेल गांव की किचन में 'भिंडी मसाला' की सब्जी देखकर हैरान हो गए और उन्हें भले ही तीन अलग अलग खेल गांव में रखा गया हो लेकिन वे 'घर जैसा महसूस' कर रहे हैं। खिलाडियों और टीम अधिकारियों को भले ही बर्मिंघम में तीन अलग अलग खेल गांव में रखा गया हो लेकिन जिमनास्टिक कोच अशोक मिश्रा का कहना है कि यहां 'घर जैसा महसूस' हो रहा है। मिश्रा ने कहा कि यह ऐसा महसूस हो रहा है जैसे हम भारत में हैं। भारतीय मूल के कई लोग यहां सुरक्षा अधिकारी, स्वयंसेवक और खानसामा के तौर पर काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा- पिछले दिन खानसामा ने हमारे लिए भिंडी मसाला बनाकर हमें हैरान कर दिया और हमारे खिलाडियों ने इसका लुत्फ उठाया। हम घर जैसा महसूस कर रहे हैं। वहीं खेल गांव में समलैंगिक समुदाय के लिए मुद्दों पर चर्चा करने और अभिव्यक्त करने के लिए माहौल बनाया जा रहा है। ब्रिटेन के 'डाइविंग' स्टार टॉम डाले ने सार्वजनिक रूप से एक अन्य पुरूष के साथ अपने रिश्ते के बारे में बात की है और वह मशाल उठाने वालों में शामिल थे और कुछ इसे इसे समग्रता की ओर उठाए गए कदम की तरह देख रहे हैं। राष्ट्रमंडल सदस्यों में से आधे देशों में समान लिंग रिश्ते के खिलाफ कानून हैं लेकिन डाले ने कहा कि हम देशों में कानून बदलने नहीं जा सकते लेकिन हम लोगों के लिए सुरक्षित माहौल में मुद्दों पर चर्चा के लिए मौके बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि जब भी हमें अपने मूल्यों के बोर में बात करने का मौका मिलता है, हमें ऐसा करना चाहिए। सीजीएफ अध्यक्ष डेम लुसे मार्टिन ने कहा कि हम सभी का बराबरी से देखते हैं, हम लिंग नहीं देखते, हम जाति और रंग नहीं देखते। वहीं, त्रिनिदाद एवं टोबैगो 2021 में कोविड-19 महामारी के कारण स्थगित हुए राष्ट्रमंडल युवा खेलों की अगले साल मेजबानी करेगा।

भारत के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए वेस्टइंडीज टीम की घोषणा

पोर्ट ऑफ स्पेन । क्रिकेट वेस्टइंडीज ने भारत के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए 16 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। बाएं हाथ के बल्लेबाज शिमरोन हेटमायर को वापस बुला लिया गया है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शेल्डन कॉटरेल और ऑलराउंडर फैबियन एलन अलग-अलग कारणों से टीम में नहीं हैं। कॉटरेल जहां चोट से उबर रहे हैं, वहीं एलन व्यक्तिगत कारणों से भी उपलब्ध नहीं हैं।

भारत के खिलाफ टी20ढ्ढ श्रृंखला शुक्रवार को त्रिनिदाद के ब्रायन लारा स्टेडियम में शुरू होगी और आखिरी मैच 7 अगस्त को होना है। भारत के खिलाफ श्रृंखला के बाद 16 खिलाड़ियों का एक ही पूल 10 अगस्त से शुरू होने वाले सबीना पार्क में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी20 श्रृंखला के लिए जमैका के लिए उड़ान भरेगा।

सीडब्ल्यूआई के मुख्य चयनकर्ता डेसमंड हेन्स ने कहा, हम हेटमायर का वापस स्वागत करते हैं और उन्हें वेस्टइंडीज टीम में फिर से देखना अच्छा है। वह बल्लेबाजी समूह को मजबूत करेंगे और अपने अनुभव और अनुकूलन क्षमता के साथ हमारे पास एक फिनिशर है जो मूल्य जोड़ सकता है। वह टीम के लिए मैच जीत सकता है और फैंस को खुश कर सकता है।

उन्होंने कहा, हम जो कुछ भी करते हैं, हमें ध्यान में रखना होगा कि इस साल के अंत में हमारे पास एक बड़ा टूर्नामेंट है, जो आईसीसी टी20 विश्व कप (ऑस्ट्रेलिया में) है, इसलिए हम उस आयोजन की योजना बना रहे हैं और तैयारी कर रहे हैं। यह अच्छा है खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कुछ अनुभव मिलता है और वे सही संयोजन तलाशते हैं।

टीम : निकोलस पूरन (कप्तान), रोवमैन पॉवेल (उप-कप्तान), शमर ब्रूक्स, डोमिनिक ड्रेक्स, शिमरोन हेटमायर, जेसन होल्डर, अकील होसेन, अल्जारी जोसेफ, ब्रैंडन किंग, काइल मेयर्स, ओबेद मैककॉय, कीमो पॉल, रोमारियो शेफर्ड। ओडियन स्मिथ, डेवोन थॉमस, हेडन वॉल्श जूनियर।

बेकार गई बाबर आजम की पारी, श्रीलंका ने दूसरा टेस्ट जीत सीरीज की ड्रॉ

गॉल। लेफ्ट आर्म स्पिनर प्रभात जयसूर्या (117 रन पर 5 विकेट) और ऑफ स्पिनर रमेश मेंडिस (101 रन पर 4 विकेट) की घातक गेंदबाजी की बदौलत श्रीलंका ने पाकिस्तान को दूसरे टेस्ट मैच में 5वें दिन 246 रन से पराजित कर 2 मैचों की सीरीज 1-1 से ड्रा करा ली। श्रीलंका ने पाकिस्तान के सामने 508 रन का बेहद मुश्किल लक्ष्य रखा था जिसका पीछा करते हुए पाकिस्तानी टीम एक विकेट पर 89 रन से आगे खेलते हुए 261 रन पर सिमट गई। धनंजय डीसिल्वा को दूसरी पारी में उनके शतक के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया जबकि जयसूर्या को प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार मिला। जयसूर्या ने सीरीज में कुल 17 विकेट लिए। लगभग तीन सप्ताह पहले प्रभात जयसूर्या श्रीलंका के टेस्ट एकादश तो क्या, पूरे दल के आस-पास नहीं थे। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया के ख़िलाफ़ दिमुथ करुणारत्ना ने जयसूर्या को टीम में शामिल करने की मांग की। जयसूर्या के साथी रमेश मेंडिस जयसूर्या और मेंडिस ने ही लिए। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने एकतरफा संघर्ष करते

निराशाजनक गेंदबाज़ी करने पर लसिथ एम्बुलदेनिया को ड्रॉप कर दिया गया और प्रवीण जयविक्रमा को कोविड हो गया। ऐसे में श्रीलंका को नए स्पिन गेंदबाजों की जरूरत पड़ी और कप्तान पहले टेस्ट में थोड़े बेअसर ज़रूर थे लेकिन इस मैच में उन्होंने नौ विकेट लेकर अपना योगदान दिया। पाकिस्तान की दूसरी पारी में फ़वाद आलम के रनआउट के अलावा बाक़ी के सभी विकेट हुए 146 गेंदों में 81 रन बनाए। बाबर छठे बल्लेबाज कजे रूप में टीम के 205 के स्कोर पर आउट हुए। इसके बाद पाकिस्तानी पारी को सिमटने में ज्यादा समय नहीं लगा।

बर्मिंघम में राष्ट्रमंडल खेलों का हुआ रंगारंग आगाज, सिंधु और मनप्रीत ने लहराया तिरंगा

बर्मिंघम। बर्मिंघम में 22वें राष्ट्रमंडल खेलों का उद्घाटन देर रात को रंगारंग अंदाज में हुआ। समारोह में 72 देशों के एथलीट ने हिस्सा लिया। भारत का प्रतिनिधित्व स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु और पुरुष हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह ने किया। दोनों भारत के ध्वजवाहक थे। भारत 18वीं बार इन खेलों में उतरा है। उसने 1930, 1950, 1962 और 1986 में हिस्सा नहीं लिया था। इस बार भारत को बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु, लक्ष्य सेन, किदांबी श्रीकांत, पहलवान रवि दहिया, बजरंग पूनिया, मुक्केबाज लवलीन बोगोंहेन, निकहत जरीन और वेटलिफ्टर मीराबाई चानू सहित कई एथलीटों से स्वर्ण पदक की उम्मीद है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने ट्वीट किया, बर्मिंघम में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों की शुरुआत पर भारतीय दल को शुभकामनाएं। मुझे विश्वास है कि हमारे एथलीट अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे और अपने शानदार खेल प्रदर्शन से भारत के लोगों को प्रेरणा देते रहेंगे।

ओलिम्पिक 2024 में पहली बार स्थापित होगा 'इंडिया हाउस'

मुंबई। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) और भारतीय ओलिम्पिक संघ (आईओए) आईओए पेरिस ओलिम्पिक 2024 में पहली बार इंडिया हाउस भी स्थापित करेंगे। रिलायंस ने कहा कि ओलिम्पिक हाउस खेलों की परंपरा है और 2024 ओलिम्पिक में भारत का ओलिम्पिक हाउस बनना एक 'ऐतिहासिक घटना' होगी।

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की निदेशक और अंतरराष्ट्रीय ओलिम्पिक समिति की सदस्य नीता एम अंबानी ने कहा कि भारत को वैश्विक खेल क्षेत्र में केंद्र स्तर पर देखना हमारा सपना है। आईओए के साथ हमारी साझेदारी विश्व स्तर के बुनियादी ढांचे और अवसरों के साथ देश भर में युवा एथलीटों का समर्थन करने और उन्हें सशक्त बनाने के लिए रिलायंस फाउंडेशन की गहरी प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है। हम 2024 में पेरिस ओलिम्पिक खेलों में पहली बार इंडिया हाउस की मेजबानी करने के लिए भी बहुत उत्साहित हैं। आईओए के महासचिव राजीव मेहता ने कहा कि मैं रिलायंस इंडस्ट्रीज और नीता अंबानी को भारतीय ओलिम्पिक संघ के साथ इस साझेदारी के लिए, भारतीय खेलों का समर्थन करने और अगली पीढ़ी के बच्चों को ओलिम्पिक आंदोलन में शामिल होने के लिए प्रेरित करने के लिए धन्यवाद देता हूं। पेरिस 2024 में इंडियन हाउस होना एक महत्वपूर्ण अवसर होगा।

राष्ट्रमंडल खेल हॉकी : विश्व कप को भुलाकर नई शुरूआत के लिए उतरेगी भारतीय महिला टीम

बर्मिंघम। विश्व कप में लचर प्रदर्शन के गम को भुलाते हुए भारतीय महिला हॉकी टीम राष्ट्रमंडल खेलों में घाना के खिलाफ अपने अभियान की शुरूआत बड़े अंतर से जीत के साथ करना चाहेगी । भारतीय टीम को पूल ए में मेजबान इंग्लैंड, कनाडा, वेल्स, घाना के साथ रखा गया है जबकि आस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, स्कॉटलैंड और कीनिया पूल बी में हैं।

पुरूष टीम की तरह भारतीय महिला टीम भी गोल्ड कोस्ट में हुए पिछले राष्ट्रमंडल खेलों से खाली हाथ लौटी थी। कांस्य पदक के प्लेआफ मुकाबले में इंग्लैंड ने उसे 6-0 से हराया था। हाल ही में स्पेन और नीदरलैंड में हुए विश्व कप में भारतीय टीम निराशाजनक नौवे स्थान पर रही थी।

कोच यानेके शॉपमैन की टीम यह साबित करना चाहेगी कि इन नतीजों के बावजूद उनकी टीम इससे कहीं बेहतर है। वे यह भी साबित करना चाहेंगे कि टोक्यो ओलिम्पिक में चौथे स्थान पर

रहने वाला उनका ऐतिहासिक प्रदर्शन कोई तुक्का नहीं था। भारतीय महिला टीम राट्रमंडल खेलों में 16 साल का पदक का इंतजार भी खत्म करना चाहेगी। भारत ने आखिरी बार 2006 में महिला हॉकी में रजत पदक जीता था। राष्ट्रमंडल खेलों में 1998 में महिला हॉकी के शामिल होने के बाद से भारत ने 2002 में मैनचेस्टर में स्वर्ण पदक जीता था। ओलिम्पिक में शानदार प्रदर्शन के अलावा भारतीय टीम इस सत्र में प्रो लीग में पदार्पण करते हुए तीसरे स्थान पर रही थी। नौवीं रैंकिंग वाली भारतीय टीम को यहां पदक जीतने के लिए दुनिया की तीसरे नंबर की टीम आस्ट्रेलिया, पांचवीं रैंकिंग वाली इंग्लैंड और 8वीं रैंकिंग वाली न्यूजीलैंड से पार पाना होगा। पिछली बार न्यूजीलैंड ने आस्ट्रेलिया को हराकर स्वर्ण पदक जीता था। आस्ट्रेलिया ने अब तक राष्ट्रमंडल महिला हॉकी में 4 स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक जीता है।

भारत को पूल के शुरूआती मैच में दुनिया की 30वें नंबर की टीम घाना और शनिवार को 24वें नंबर की टीम वेल्स से खेलना है। सविता पूनिया की अगुवाई वाली टीम के सामने असल चुनौती दो अगस्त को इंग्लैंड के रूप में होगी। इसके बाद आखिरी पूल मैच में 15वीं रैंकिंग वाली कनाडा टीम से खेलना है। हर पूल से दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। पूल ए से भारत और इंग्लैंड प्रबल दावेदार है बशर्ते कोई उलटफेर नहीं हो जाए। विश्व कप में हालांकि भारतीय टीम की कई कमजोर कड़ियां सामने आई जिनमें सुधार करना होगा। इनमें पेनल्टी कॉर्नर सबसे बड़ी कमजोरी बनी हुई है। भारतीय टीम पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलने में अक्सर नाकाम रही है। पूल ए के दूसरे मैच में कनाडा का सामना वेल्स से होगा।

आप विराट पर जिम्बाब्वे के खिलाफ खेलने का दबाव नहीं डाल सकते : सबा करीम

नई दिल्ली। भारत के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज़, चयनकर्ता और बीसीसी के प्रबंधन अधिकारी रह चुके सैयद सबा करीम ने कहा है कि अपने खराब फॉर्म के बावजूद पूर्व कप्तान विराट कोहली भारत की टीम का अहम हिस्सा हैं और टीम प्रबंधन को उन्हें टी20 विश्व कप से पहले फॉर्म में लौटने के लिए योजनाबद्ध तरीके से संभालने की जरूरत है। ऐसा माना जा रहा है कि कोहली को 18 अगस्त से जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए टीम इंडिया में शामिल किया जाएगा, जिससे वह अपनी खोई फॉर्म हासिल कर सकें, लेकिन इस बात को लेकर लगातार बहस हो रही है कि क्या कोहली को जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज खेलनी चाहिए।

सबा ने कहा, 'पहले टीम प्रबंधन और चयनकर्ताओं को यह तय करना होगा कि टी20 विश्व कप की तैयारियों के लिए कोहली जरूरी हैं या नहीं? जब टीम प्रबंधन यह तय कर ले कि विराट टी20 विश्व कप तैयारियों का अहम हिस्सा हैं, तो मैं उनकी फॉर्म में वापसी का चार्ट तैयार कर सकता हूं।' कोहली ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पिछला शतक प्रायः तीन साल पहले भारत में हुए बांग्लादेश के खिलाफ डेनाइट टेस्ट में लगाया था।

मार्च 2020 से कोहली ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में 17 पारियों में 514 रन बनाए हैं, जहां उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 85 रन है। वहीं

वनडे में उन्होंने 14 पारियों में 34.07 के औसत से मात्र 477 रन बनाए हैं, जिसमें 89 उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। बात अगर टेस्ट क्रिकेट की करें आंकड़े और भी खराब हो जाते हैं। 16 मैचों में 29.78 के औसत से मात्र 834 रन, जिसमें 79 उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर रहा।

सबा ने आगे कहा, 'मुझे लगता है तब सही समय होगा कि चयनकर्ता, कप्तान या प्रमुख कोच राहुल द्रविड़ इस मामले में कोहली से बात करें और इसे आगे बढ़ाएं। मैं कोहली पर किसी तरह का दबाव नहीं डालना चाहता। कोहली से हम यह नहीं कह सकते कि 'सुनो, तुमको जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज खेलनी होगी, नहीं तो हम तुम्हें टी20 विश्व कप के लिए टीम में शामिल नहीं करेंगे।' उसके बाद ही इस बात का फ़ैसला हो सकता है कि कोहली को जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे सीरीज खेलनी चाहिए या फिर उनका ब्रेक और बढ़ाया जाए जिससे वह एशिया कप के लिए टीम इंडिया में वापसी करें।'

सबा से जब पूछा किया अगर जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज़ में वह अच्छा नहीं करते हैं तो क्या उन्हें इस प्रारूप से निकाला जाना चाहिए, तो उन्होंने कहा, 'अगर ऐसा होता है तो यह भारत के नजरिए से बहुत गलत होगा। ऐसा कभी मत करना। मुझे लगता है कि कोहली भारतीय लाइन अप का अहम अंग हैं। जिस तरह मैं देखता हूं और जिस तरह से रोहित शर्मा और द्रविड़ उनका समर्थन करते हैं तो यह मायने भी रखता है क्योंकि वे जानते हैं कि कोहली फॉर्म में लौटेंगे और यह टीम की टी20 विश्व कप में सफलता के लिए बहुत अच्छा होगा। तो मुझे लगता है कोहली से बात करनी होगी, 'कुछ सामान्य चीज देखो और आगे बढ़ो।'

उन्हें ऐसा जताओ कि वह भारतीय टीम का अहम हिस्सा हैं। टी20 विश्व कप के बाद कोई फैसला लें और दोबारा तब उनसे बात करें, क्योंकि पिछले कुछ सालों से कोहली ने सही समय पर ब्रेक लिया है। वहीं वह भारत के लिए तीनों प्रारूप खेले हैं। लेकिन टीम प्रबंधन को उनके कार्य प्रबंधन को समझना होगा और सही समय पर उन्हें आराम देना होगा।' वहीं न्यूजीलैंड के पूर्व ऑलराउंडर स्कॉट स्टायरिस ने ने भी कोहली पर अपने विचार रखते हुए कहा, 'पहले तो मैं चयनकर्ताओं की सुनना चाहूंगा कि वे एक सामान्य टीम चुनते हैं या सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ जाते हैं।

यह देखना जरूरी है कि कैसे वह टीम को एक साथ रखते हैं। मैं कह सकता हूं कि बहुत समय है। काश मैं अपने चयनकर्ताओं से न्यूजीलैंड टीम को लेकर चर्चा कर पाता। तो मैं ये सुनना पसंद करूंगा लेकिन मैं आपके साथ सौ प्रतिशत हूं। मुझे लगता है कि कोहली को पूरा आराम दिया जाना चाहिए और तब वह वापसी करें। मुझे अभी भी लगता है कि वह टीम का अहम हिस्सा हैं।

मेघना कोविड-19 से उबरी, भारतीय दल के साथ जुड़ने के लिए तैयार

मुम्बई । भारतीय बल्लेबाज एस मेघना कोविड संक्रमण से पूरी तरह उबर चुकी हैं और बर्मिंघम में मौजूद भारतीय राष्ट्रमंडल खेल दल के साथ जुड़ जाएंगी। ऐसा समझा जा रहा है कि बुधवार को मेघना ने अपने कार्डिओवैस्क्युलर (हृदय संबंधी) टेस्ट क्लियर किए और इसके तुरंत बाद उन्होंने इंग्लैंड जानी वाली पहले फ्लाइट पर भेज दिया गया। अपने पहले मैच में भारत का सामना ऑस्ट्रेलिया से होगा।

ऑलराउंडर पूजा वस्त्रकर अभी भी बेंगलुरु में क्वारंटीन में रहेंगी और उनके लिए इसकी अवधि शनिवार तक होगी। उन्हें टीम के साथ जुड़ने की अनुमति दो निगेटिव कोविड टेस्ट आने और अनिवार्य फिटनेस टेस्ट पास करने के बाद ही मिल सकेगी। पूजा के लिए रविवार से पहले भारत से बाहर जाने के कोई आसार नहीं हैं और इसका मतलब है वह अगले बुधवार बारबेडोस के विरुद्ध आखिरी लीग मैच से पहले भारत के लिए नहीं खेल सकेंगी। अब तक बीसीसीआई ने दोनों खिलाड़ियों के स्वास्थ्य पर कोई औपचारिक घोषणा नहीं की है। अध्यक्ष सौरव गांगुली ने खिलाड़ियों का नाम लिए बिना बताया था कि भारतीय दल में कोविड केस हुए थे। भारत का खेमा सोमवार को बर्मिंघम के लिए रवाना हुआ था और उसके एक दिन बाद भारतीय ओलिंपिक संघ के एक अधिकारी ने दो पॉज़िटिव केस की पुष्टि की थी।

भारतीय टीम ने अब तक बर्मिंघम में दो अभ्यास सेशन रखे हैं। इससे पूर्व उन्होंने 10 दिनों का कैंप में हिस्सा लिया था जहां क्रिकेट कौशल के अलावा फिटनेस पर ध्यान रखा गया।

निकहत जरीन और लवलीना बोर्गोहेन को मिला आसान ड्रॉ

मुम्बई । विश्व चैंपियन निकहत जरीन और मौजूदा ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना बोर्गोहेन को राष्ट्रमंडल खेलों की महिला मुक्केबाजी प्रतियोगिता में शुरुआती दौर में आसान ड्रॉ मिला है। निकहत रविवार को महिलाओं के 48-50 किग्रा लाइट फ्लाईवेट वर्ग में मोजाम्बिक की हेलेना इस्माइल बगाओ के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगी। एक जीत उन्हें क्वार्टर फाइनल में पहुंचा देगी। वहां उनका मुकाबला वेल्स की हेलेन जोन्स से होगा। निकहत के लिए यह मैच भी आसान ही माना जा रहा है।

दूसरी ओर, लवलीना शनिवार को अपने शुरुआती हल्के मिडिल वेट (66-70 किग्रा) मुकाबले में न्यूजीलैंड की कम चर्चित एरियन निकोलसन से भिड़ेंगी। इस मैच में जीत मिलने पर क्वार्टरफाइनल में उनका मुकाबला पिछले राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतने वाली वेल्स की रोजी एक्लेस से होगा। 2016 में रजत पदक और 2019 यूरोपीय चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाली रोजी एक्लेस को पहले दौर में बाई मिली है। लाइटवेट (57-60 किग्रा) डिवीजन में जैस्मीन पहले राउंड बाई मिलने के बाद सीधे क्वार्टर फाइनल में उतरेंगी। जैस्मीन के लिए क्वार्टरफाइनल मैच मुश्किल होगा। वह चार अगस्त को न्यूजीलैंड की 2018 गोल्ड कोस्ट कांस्य पदक जीतने ट्रॉय गार्टन के खिलाफ उतरेंगी। महिलाओं के न्यूनतम वजन (45-48 किग्रा) वर्ग में नीतू को पदक हासिल करने के लिए सिर्फ एक जीत की जरूरत है। ड्रॉ में आठ मुक्केबाज शामिल हैं। वह तीन अगस्त को क्वार्टर फाइनल में उत्तरी आयरलैंड की निकोल क्लाइड से भिड़ेंगी।

यूक्रेन के दूसरे बड़े बिजली संयंत्र पर रूसी कब्जा, कीव पर मिसाइल दागी

कीव। रूस-यूक्रेन की जंग में हर दिन तबाही और विध्वंस देखा जा रहा है। रूसी सेना ने पूर्वी दोनेस्क क्षेत्र में यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े बिजली संयंत्र को अपने कब्जे में ले लिया है, जबकि दक्षिणी क्षेत्र में सैनिकों का जमावड़ा बढ़ा दिया है। मॉस्को की मिसाइलों ने लंबे अर्से बाद कीव क्षेत्र में बुनियादी ढांचे पर हमला किया है। उधर,

खेरसॉन शहर में यूक्रेन ने रूसी कब्जे वाले क्षेत्र पर जवाबी हमले तेज कर दिए हैं। रूसी सेना ने सोवियत काल के कोयले से चलने वाले वुहलेहिरस्क बिजली संयंत्र पर कब्जा कर लिया है। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने कहा, रूस दक्षिणी यूक्रेन के मेलितोपोल, जपोरिंज्जिया और खेरसॉन क्षेत्र में बड़े पैमाने पर सैनिकों की पुनर्नियुक्ति कर रहा है। रूसी मिसाइलों ने कथित तौर पर कीव क्षेत्र में बुनियादी ढांचे पर भी बृहस्पतिवार को हमला किया है। यहां हफ्तों से निशाना नहीं साधा गया था। यूक्रेन को यूरोपीय निवेश बैंक (ईआईबी) से करीब 1.6 यूरो (करीब 1.62 अरब डॉलर) दिए जाएंगे। यूक्रेनी प्रधानमंत्री डेनिस श्माइहाल ने यह घोषणा की है। उन्होंने कहा, क्षतिग्रस्त बिजली, पानी और गर्मी आपूर्ति सुविधाओं की बहाली सहित यूक्रेन को गर्मी के मौसम में तैयार रहने संबंधी गतिविधियों के लिए यह धन दिया जाएगा।

चीन में हीटवेव और भारी बारिश का अलर्ट, लोगों को घर से बाहर कम जाने की सलाह

बीजिंग। चीन में एक तरफ देश के दक्षिणी हिस्से में हीटवेव का प्रकोप जारी है वहीं कई अहम जगहों पर भारी बाढ़ और बारिश का कहर जारी है। इसे देख चीन के राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने देश के दक्षिणी क्षेत्रों और झिंजियांग तथा भीतरी मंगोलिया के कुछ हिस्सों में 35 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान की संभावना जताई है वहीं बृहस्पतिवार से इनर मंगोलिया, हेइलोंगजियांग, जिलिन, लियाओनिंग व शेडोंग के कई हिस्सों में बारिश के आसार हैं। चीन ने भीषण गर्मी वाले क्षेत्रों में ऑरेंज अलर्ट और तेज बारिश वाले क्षेत्रों में ब्लू अलर्ट को आगे के लिए विस्तारित किया है। मौसम विभाग ने झेजियांग, जियांग्शी व झिंजियांग के कुछ हिस्सों में तापमान के 40 डिग्री सेल्सियस को पार करने की आशंका जताते हुए लोगों को काम के घंटे कम करने और बाहर निकलने में सावधानी बरतने की सलाह दी है। जबकि अनहुई, जिआंगसु, हुबेई, हुनान और गुइझोउ प्रांतों में 180 मिमी तक भारी बारिश के आसार हैं। इनमें से कई क्षेत्रों में 28 मई से कई बार मूसलाधार बारिश के चलते बाढ़ आई है।

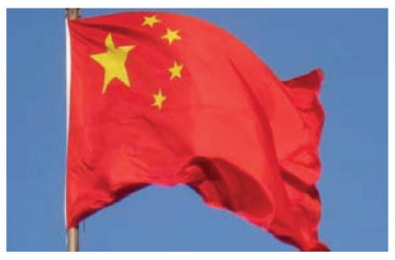

अगली पीढ़ी को तंबाकू से बचाने की पहल, सख्त नियम बनाने वाला दुनिया का पहला देश बनेगा

न्यूजीलैंड। न्यूजीलैंड दुनिया का पहला देश बन गया है जिसने ऐसा कानून पेश किया है जो अगली पीढ़ी को कानूनी रूप से सिगरेट खरीदने से रोकेगा, क्योंकि सांसदों ने सिगरेट फर्मों के नियंत्रण को समाप्त करने का बीड़ा उठाया है। सरकार ने तंबाकू मुक्त पीढ़ी को बढ़ावा देने के प्रयास में नए नियमों को सामने रखा। किशोरों को सिगरेट खरीदने से रोकने के लिए नियमों में धूम्रपान की उम्र बदलना शामिल है। द गार्जियन की रिपोर्ट के अनुसार, संसद में चर्चा किए गए इन नए कानूनों को दुनिया में ऐसा सबसे पहला कानून माना जा रहा है जिसे रचनात्मकता के लिए प्रशंसा मिल रही है साथ ही परीक्षण की कमी को लेकर सवाल भी उठ रहे हैं। ये कानून सिगरेट में निकोटीन की मात्रा को काफी कम कर देंगे, तंबाकू की दुकानों तक उनकी उपलब्धता को सीमित कर देंगे और खरीदने वालों की उम्र बढ़ा देंगे। स्वास्थ्य की एक सहयोगी मंत्री आयशा वेराल ने पहली बार पढ़ने के लिए कानून पेश किया। उन्होंने कहा कि दशकों से हमने तंबाकू कंपनियों को अपने घातक उत्पाद को अधिक से अधिक नशे की लत बनाकर अपनी बाजार हिस्सेदारी बनाए रखने की अनुमति दी है। यह घृणित और विचित्र है। इस देश में सिगरेट की तुलना में सैंडविच की बिक्री की सुरक्षा पर अधिक नियम हैं।

स्वस्थ व टिकाऊ पर्यावरण पर यूएन के प्रस्ताव का भारत ने किया समर्थन, लेकिन जताई चिंता

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र महासभा के स्वच्छ, स्वस्थ व टिकाऊ पर्यावरण को मानवाधिकार के रूप में मान्यता देने वाले प्रस्ताव का भारत ने समर्थन किया है। भारत ने इस प्रस्ताव के समर्थन में वोट किया। हालांकि, प्रस्ताव के एक पैराग्राफ से खुद को अलग कर लिया। यह पैराग्राफ प्रस्ताव के सार से संबंधित है।

193 सदस्यी महासभा में 161 मतों के साथ इस प्रस्ताव को पारित किया गया है। हालांकि, बेलारूस, कंबोडिया, चीन, इथियोपिया, ईरान, किर्गिस्तान, रूस और सीरिया ने खुद को इससे दूर रखा। जबकि भारत ने प्रस्ताव के पक्ष में मतदान करते हुए संकल्प की प्रक्रिया और सार पर अपनी चिंता व्यक्त की। यह प्रस्ताव मानव अधिकार के रूप में एक स्वच्छ, स्वस्थ और टिकाऊ पर्यावरण के अधिकार को मान्यता देता है। इस बार की पुष्टि करता है कि मानव अधिकार को बढ़ावा देने के लिए अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण के सिद्धांतों के तहत बहुपक्षीय पर्यावरण समझौतों के पूर्ण कार्यान्वयन व कानून की आवश्यकता है।

भारत ने जताई चिंता

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन के सलाहकार आशीष शर्मा ने कहा, भारत बेहतर पर्यावरण के लिए किसी भी प्रयास का समर्थन करता है और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को आगे

बढ़ाने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, इसके बावजूद हमारी कुछ चिंताए हैं, जिसके तहत हम संकल्प के ऑपरेटिव पैराग्राफ 1 से खुद को अलग करने के लिए बाध्य हैं।

आशीष शर्मा ने कहा, संकल्प पैराग्राफ 1 में लिखा है कि यूएनजीए मानव अधिकार के रूप में स्वच्छ, स्वस्थ और टिकाऊ पर्यावरण के अधिकार को मान्यता देता है। उन्होंने कहा, इस बयान को बैठक में आधिकारिक रिकॉर्ड में शामिल किया जाए।

उन्होंने जोर देते हुए कहा कि यूएनजीए के संकल्प अपने आप में बाध्यकारी नहीं हैं। यह केवल उनके लिए है, जो एक नए मानव अधिकार के लिए प्रतिबद्ध हैं। भारत की ओर से शर्मा ने कहा, स्वच्छ, स्वस्थ और टिकाऊ जैसे शब्दों की कोई स्पष्ट परिभाषा नहीं है। आशीष शर्मा ने कहा, प्रस्ताव अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण कानून में समानता के मूलभूत सिद्धांत को स्पष्ट नहीं करता है। ऐसे में भारत ने इस पर अपनी चिंता व्यक्त की है।

गुटेरस ने किया प्रस्ताव का स्वागत

वहीं यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरस ने कहा, ये ऐतिहासिक घटनाक्रम दिखाता है कि सदस्य देश, जलवायु परिवर्तन, जैव-विविधता र प्रदूषण का सामना करने के लिये एकजुट हो सकते हैं। उन्होंने आगे कहा, अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने इस अधिकार को सार्वभौमिक मान्यता दी है और हम सबके लिये, इसे एक वास्तविकता में तब्दील करने के और निकट पहुँचा दिया है।

भारत-रूस आतंकवाद पर सहयोग बढ़ाएंगे, दिसंबर में यूएनएससी का अध्यक्ष बनेगा भारत

मास्को भारत और रूस ने आतंकवाद के खिलाफ पर सहयोग और गहरा करने का फैसला किया है। दोनों देश संयुक्त राष्ट्र व अन्य मंचों पर इस मामले में एकजुट होंगे।

यह सहमति मास्को में विदेश मंत्रालय के सचिव (पश्चिम) संजय वर्मा और रूसी विदेश मंत्रालय के अधिकारियों के बीच मॉस्को में बनी। वर्मा ने रूसी अधिकारियों के साथ संयुक्त राष्ट्र से संबंधित मुद्दों पर परामर्श के लिए भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। बातचीत में दोनों पक्ष आतंकवाद के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मिलकर अपना पक्ष रखने के लिए रजामंद हुए। बातचीत में रूसी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व रूस के विदेश मामलों के उप मंत्री सर्गेई वासिलीविच वर्शिनिन ने किया। भारत व रूसी अधिकारियों ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के आगामी एजेंडे और हाल के घटनाक्रम से संबंधित मुद्दों पर भी

व्यापक चर्चा की। मास्को में हुई यह वार्ता यूक्रेन में जारी संघर्ष के बीच हुई है।

दिसंबर में दूसरी बार अध्यक्ष बनेगा भारत

भारतीय पक्ष ने दिसंबर 2022 में सुरक्षा परिषद का अध्यक्ष पद मिलने पर अपनी प्राथमिकताओं से भी रूसी अधिकारियों को अवगत कराया। भारत परिषद में अपने मौजूदा कार्यकाल में दूसरी बार अध्यक्ष बनेगा।

हर माह बदलती है अध्यक्षता

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता हर माह बदलती है। यह अंग्रेजी के वर्णक्रम के अनुसार होती है। बारी बारी से अपने नाम के अनुसार सदस्य देश इसके अध्यक्ष बनते हैं।

पांच नए सदस्य होंगे शामिल

सुरक्षा परिषद में हर साल पांच नए अस्थाई सदस्य चुने जाते हैं। सुरक्षा परिषद के कुल सदस्यों की संख्या 15 है। इनमें से पांच स्थाई सदस्य हैं- चीन, फ्रांस, रूस, ब्रिटेन और अमेरिका। स्थाई सदस्य देशों के पास वीटो का अधिकार होता है। इसी माह परिषद में पांच देश नए अस्थाई सदस्य बने हैं। ये हैं अल्बानिया, ब्राजील, गेबॉन, घाना और संयुक्त अरब अमीरात। ये भारत, आयरलैंड, केन्या, मैक्सिको और नॉर्वे का स्थान लेंगे, जिनका कार्यकाल दिसंबर 2022 में समाप्त हो रहा है। यूएन में 193 सदस्य देश हैं, जो कि हर साल, दो वर्षीय कार्यकाल के लिए 10 अस्थाई सदस्यों का चुनाव करते हैं।

किम जोंग ने दी परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की धमकी, कहा- हम हर संकट से निपटने को तैयार

सियोल। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन ने धमकी दी है कि वह अमेरिका और दक्षिण कोरिया के साथ संभावित सैन्य संघर्षों में अपने परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने के लिए पूरी तरह तैयार है। किम ने दावा किया कि उनके प्रतिद्वंद्वी कोरियाई प्रायद्वीप को युद्ध की कगार पर धकेल रहे हैं। किम ने 1950-53 के कोरियाई युद्ध की समाप्ति की 69वीं वर्षगांठ पर पूर्व सैनिकों को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। कुछ पर्यवेक्षकों का कहना है कि अमेरिका और दक्षिण कोरिया के खिलाफ उत्तर कोरिया की धमकियां बढ़ सकती हैं, क्योंकि दोनों सहयोगी देश अपने सैन्य अभ्यास को विस्तार देने की योजना बना रहे हैं, जिसे उत्तर कोरिया हमले के अभ्यास के तौर पर देखता है। किम ने अपने भाषण में कहा, हमारे सशस्त्र बल किसी भी संकट से निपटने के लिए तैयार हैं और हमारे देश की एटमी युद्ध क्षमता भी पूरी तरह तैयार है। किम ने दक्षिण कोरिया के नए राष्ट्रपति यून सुक यिओल को 'उन्मादी' बताया और कहा कि यून की रूढ़िवादी सरकार का नेतृत्व 'गुंडे' कर रहे हैं।

अमेरिका पर 'दोहरे मानदंड' के आरोप

किम जोंग-उन ने अमेरिका पर अपनी शत्रुतापूर्ण नीतियों को न्यायसंगत ठहराने के लिए उत्तर कोरिया की 'खराब तस्वीर पेश करने' का आरोप भी लगाया। किम ने कहा, अमेरिका-दक्षिण कोरिया के सैन्य अभ्यास अमेरिकी 'दोहरे मानदंड' के प्रतीक हैं, क्योंकि वह उत्तर कोरिया की नियमित सैन्य गतिविधियों को उकसावे या धमकियों के तौर पर दिखाता है।

दो भारतीयों का अपमान करने पर सिंगापुर के शख्स को सजा

सिंगापुर । देश में करीब एक साल पहले कंस्ट्रक्शन साइट पर काम करने वाले दो भारतीयों का अपमान करने वाले सिंगापुर के एक शख्स को एक सप्ताह की जेल की सजा मिली है। उसे 1,000 सिंगापुरी डॉलर जुर्माने का भी भुगतान करना होगा। सिंगापुर के 56 वर्षीय ली पो कियान ने पिछले साल 12 जुलाई को दो भारतीय रत्नसिंगम जतीसन और कृष्णन कार्तिकेयन का अपमान किया था। उसने अपने बचाव में कहा कि उसके पास सांविधानिक अधिकार है कि वह अपनी बात कह सकता है।

इस पर डिप्टी पब्लिक प्रासिक्यूटर सीन तेह ने कहा, अपने केस को लेकर दोषी की

ओर से रखा जा रहा पक्ष सही नहीं है। कियान ने यहां तक कहा कि विदेशियों के कारण भीड़ बढ़ रही है। उसने यह सब बिना मास्क लगाए कहा। बता दें सिंगापुर में बड़ी तादाद में भारतीय कामगार कंस्ट्रक्शन सेक्टर में काम करने जाते हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) ने कांगो में दो भारतीय अफसरों और एक मोरक्को शांतिरक्षक की मौत की तेजी से जांच करने की अपील की है। उसने उत्तर किवु में कांगो में संयुक्त राष्ट्र संगठन स्थिरीकरण मिशन पर हाल के हमलों की कड़ी निंदा की। उन्होंने रेखांकित किया कि शांति सैनिकों को लक्षित करके जानबूझकर किए गए हमले अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत युद्ध अपराध बन सकते हैं। सुरक्षा परिषद के सदस्यों ने पीड़ितों के परिवारों और भारत और मोरक्को के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की।

दक्षिणी फ्रांस की आग वोग शहर की तरफ बढ़ी

पेरिस। दक्षिण-पूर्वी फ्रांस में अर्देचे का जंगल क्षेत्र भीषण आग की चपेट में है। दक्षिणी फ्रांस में चीड़ के 900 हैक्टेयर जंगल को बर्बाद कर चुकी आग को काबू करने के लिए 500 से अधिक दमकल कर्मी तैनात किए गए हैं। स्थानीय लोगों को वहां से सुरक्षित निकाला गया। फ्रांसीसी अखबार ले फिगारो के मुताबिक, यह आग अब अर्देचे नदी के पास वाले क्षेत्र से वोग शहर की ओर जा रही है जहां अर्देचे के अग्निशामक स्थित हैं। स्थानीय अधिकारियों ने कहा, आग से बचाव के लिए कई सड़कें बंद कर दी गई हैं और आग के कारणों की जांच की जा रही है। इस आग के चलते कई क्षेत्रों में तापमान 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। लोगों को ज्यादा पानी पीने, कम समय तक घर से बाहर रहने, हल्के कपड़े पहनने के निर्देश दिए गए हैं। पालतू जानवरों को लेकर भी खास सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। लोगों से कहा गया है कि वे बाहर निकलने से परहेज करें।

अमेरिका-यूरोप में सबसे ज्यादा फैला मंकीपॉक्स, डब्ल्यूएचओ चीफ ने दी बड़ी सलाह

वाशिंगटन। कोरोना के साथ ही अब मंकीपॉक्स भी तेजी से दुनियाभर में फैल रहा है। अब तक यह 78 देशों में दस्तक दे चुका है। यूरोप व अमेरिका में इसके सबसे ज्यादा केस मिले रहे हैं। भारत में इसके अब तक चार रोगी मिले हैं। इस बीच, विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रमुख ट्रेडोस अधानोम घेब्रेयेसस ने बड़ी बात कही है। उन्होंने कहा कि इस रोग के बारे में गलत जानकारियां वायरस जितनी ही घातक हैं।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
Title UPHIN 29506
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:-
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने शी जिनपिंग को किया फोन, दो घंटे से भी ज्यादा देर तक हुई बातचीत

टोरंटो: ताइवान को लेकर तनातनी के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपने समकक्ष शी जिनपिंग के साथ फोन पर वार्ता की। व्हाइट हाउस ने इसकी जानकारी दी। व्हाइट हाउस ने बताया कि दोनों नेताओं ने दो घंटे से भी ज्यादा समय तक बात की। व्हाइट हाउस के मुताबिक, दोनों नेताओं के बीच फोन वार्ता आज सुबह 8:33 बजे शुरू हुई और सुबह 10:50 बजे समाप्त हुई। उन्होंने 2 घंटे 17 मिनट तक बात की।

इस वार्ता को लेकर चीनी मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि ताइवान मुद्दे को लेकर चीनी राष्ट्रपति ने जो बाइडन को चेतावनी दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन को ताइवान मसले पर 'आग से नहीं खेलन' की चेतावनी दी।

दोनों राष्ट्रपतियों की बातचीत पर जारी किया बयान

व्हाइट हाउस राष्ट्रपति बाइडन और शी जिनपिंग के बीच हुई बातचीत को लेकर बयान जारी किया है। व्हाइट हाउस ने कहा कि दोनों नेताओं ने अमेरिका और पीआरसी के बीच संचार की लाइनों को बनाए रखने और साथ

मिलकर काम करने की बात कही। साथ ही राष्ट्रपति बाइडन और शी जिनपिंग ने दोनों राष्ट्रपतियों ने द्विपक्षीय संबंधों और अन्य क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों के लिए महत्वपूर्ण मुद्दों की एक श्रृंखला पर चर्चा की।

ताइवान पर अमेरिका का रुख साफ

दोनों राष्ट्रपतियों ने अपनी टीमों को आज की बातचीत पर विशेष रूप से जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य सुरक्षा को संबोधित करने के लिए जारी रखने का काम सौंपा। साथ ही व्हाइट हाउस ने कहा कि ताइवान पर, अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन ने रेखांकित किया कि संयुक्त राज्य की नीति नहीं बदली है और संयुक्त राज्य अमेरिका यथास्थिति को बदलने या ताइवान स्ट्रेट में शांति और स्थिरता को कमजोर करने के एकतरफा प्रयासों का कड़ा विरोध करता है गौरतलब है कि ताइवान पर चीन हमेशा से अपना दावा करता आया है। उसके इन दावों को लेकर अमेरिका भी अपनी नाराजगी जाहिर करता रहा है। इसे लेकर दोनों देशों के बीच तनाव भी कायम है। बढ़ते तनाव को कम करने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से फोन पर बात की। इससे एक दिन पहले एक अमेरिकी अधिकारी ने दावा किया था कि ताइवान पर चीन के दावों के बाद अमेरिका और चीन के बीच करीबन चार महीने बाद बातचीत होगी।

इन मुद्दों पर हुई चर्चा

दोनों विश्व शक्तियों के शीर्ष नेताओं के बीच हुआ ये वार्ता बहुत अहम मानी जा रही है। इस वार्ता में दोनों देशों के राष्ट्रपतियों के बीच उत्तर कोरिया के परमाणु कार्यक्रम, रूस-यूक्रेन युद्ध, अमेरिका और चीन के बीच मतभेद, ईरान परमाणु समझौते समेत कई अहम मुद्दों पर बातचीत हुई। व्हाइट हाउस के मुताबिक दोनों नेताओं ने इल तमाम मुद्दों पर दो घंटे से भी ज्यादा समय तक वार्ता की।

इस वार्ता को लेकर चीनी मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि ताइवान मुद्दे को लेकर चीनी राष्ट्रपति ने जो बाइडन को चेतावनी दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन को ताइवान मसले पर 'आग से नहीं खेलन' की चेतावनी दी।

पेलोसी के दौरे को लेकर भी तनातनी

गौरतलब है कि अमेरिकी हाउस स्पीकर नैन्सी पेलोसी ताइवन का दौरा कर सकती हैं। उनके दौरे की संभावना पर चीन ने एतराज जताया है। ताइवान दौरे को लेकर चीन ने चेतावनी दी है कि अगर पेलोसी ताइवान का दौरा करती हैं तो उनके खिलाफ उचित कदम उठाए जाएंगे। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन भी उनके इस दौरे को गैर जरूरी बता चुके हैं। उन्होंने पेलोसी के दौरे को लेकर कहा था कि अमेरिकी सेना को भी लगता है कि वर्तमान स्थितियों में उनका ये दौरा गैर जरूरी है।

अब बाइडन और शी जिनपिंग के बीच होगी पांचवें दौर की वार्ता

राष्ट्रपति जो बाइडन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच भारतीय समयानुसार शुक्रवार तड़के दोनों देशों के बीच जारी तनाव के बीच पांचवीं बार वार्ता करेंगे। नवीनतम तनाव में अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की स्पीकर नैंसी पेलोसी की ताइवान यात्रा शामिल है। इसे लेकर चीन ने सख्त विरोध जताया है। अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा कि दोनों नेताओं में यह वार्ता द्विपक्षीय संबंधों के लिए अहम है। इससे पहले दोनों नेताओं ने यूक्रेन पर रूसी हमले के तुरंत बाद मार्च माह में चर्चा की थी।